प्रातःनागपुरी

आपकी बात, निर्भीकता के साथ

आरएनआई पंजीयन सं. JHABIL/2023/86791

वर्ष : 3, अंक : 177 रांची, बुधवार, 10 जून, 2026 (ज्येष्ठ, कृष्ण पक्ष 10, संवत 2083) पृष्ठ- 12, मूल्य- 3 रुपये, email : jharkhandwanitaudyog@gmail.com

संक्षिप्त

झारखंड मंत्रिपरिषद् की बैठक 15 को

रांची। झारखंड मंत्रिपरिषद् की बैठक 15 जून को होगी। मंत्रिपरिषद् की बैठक प्रोजेक्ट भवन स्थित मंत्रिपरिषद कक्ष में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में होगी। बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर मुहर लगाई जाएगी। यह जानकारी मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) ने मंगलवार को दी। उल्लेखनीय है कि पिछली बार मंत्रिपरिषद की बैठक 27 मई को हुई थी।

पटाखा गोदाम में भीषण आग, सात की मौत

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर के खोह नागोरियान इलाके में मंगलवार सुबह एक पटाखा गोदाम में भीषण आग लगने से बच्चे समेत सात लोगों की मौत हो गई, जबकि चार मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और मौके पर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। सभी घायलों के खोह नागोरियान स्थित रहीम नगर क्षेत्र के निवासी होने की जानकारी मिली है। आग लगने के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है।

अगस्त से बदलेगा रेलवे का आरक्षण सिस्टम

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे अगस्त 2026 से अपने लगभग 40 वर्ष पुराने यात्री आरक्षण सिस्टम (पीआरएस) को बदलने जा रहा है। वर्ष 1986 से उपयोग में आ रहे इस सिस्टम की जगह अब एक आधुनिक और अत्याधुनिक आरक्षण प्रणाली लागू की जाएगी। रेलवे का दावा है कि नए सिस्टम से टिकट बुकिंग पहले की तुलना में अधिक तेज, आसान और भरोसेमंद होगी। साथ ही यात्रियों को कई नई सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल ही में रेल भवन में इस परियोजना की समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिया कि नए सिस्टम को लागू करने के दौरान यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम मानसून देश के विभिन्न हिस्सों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अल-नीनो जैसी प्रतिकूल भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद मानसून ने कई राज्यों में जोरदार दस्तक दी है और व्यापक वर्षा दर्ज की जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार मानसून महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना तथा पूर्वोत्तर भारत के सभी राज्यों को पूरी तरह कवर कर चुका है। विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि अगले सात दिनों के दौरान देश के कई राज्यों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है।

मुख्यमंत्री ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अद्यतन कार्य प्रगति की समीक्षा की

हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने कहा – पेयजल की उपलब्धता में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार्य नहीं

जल जीवन मिशन योजना को दें गति प्लास्टिक मुक्त गांव बनाने को लेकर लोगों को करें जागरूक

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड मंत्रालय में अधिकारियों की उपस्थिति में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अद्यतन कार्य प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जल जीवन मिशन के कार्यों में तेजी लाते हुए राज्य के प्रत्येक घर में पाइपलाइन एवं नल के जरिए शुद्ध पेयजल पहुंचाने के लक्ष्य को समयबद्धता के साथ पूरा करें। मुख्यमंत्री ने जलापूर्ति व्यवस्थाओं के आवश्यक रख-रखाव और मरम्मत कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश अधिकारियों को दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पेयजल की उपलब्धता जनजीवन से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है, इन कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पेयजल संकट की संभावना वाले क्षेत्रों की विशेष निगरानी रखी जाए, जहां भी पेयजल की समस्या उत्पन्न हो रही है उन क्षेत्रों को चिन्हित कर वहां त्वरित कार्रवाई कर आम जनों को शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित किया जाए। बैठक में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य की जल सहियाओं को समूहवार औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में समय-समय पर प्लंबर का वोकेशनल प्रशिक्षण दिलाना सुनिश्चित कराएं। जल सहियाओं को खराब चापकलों को बनाने, सौर ऊर्जा वाटर सप्लाई की देखरेख एवं रख-रखाव की जिम्मेदारी दें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जल सहिया के लिए प्रमोशनल कार्यक्रम आयोजित कर अच्छे कार्य करने वाली जल सहियाओं को पुरस्कृत करने का कार्य करें।

रियल टाइम डेटा अपडेट कराएं

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की ओर से निर्माणाधीन योजनाओं की कार्य प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि बड़ी योजनाओं के लिए कांट्रैक्टरों का वाट्सएप ग्रुप बनाकर प्रतिदिन की कार्य प्रगति को अपडेट कराएं और निरंतर इसकी मॉनिटरिंग करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की योजनाएं बहुत ही महत्वपूर्ण है। इन्हें धरातल पर उतारने के लिए प्रभावी कार्य किए जाएं साथ ही हर घर तक पानी पहुंचाने की दिशा में ठोस पहल करें। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों से कहा कि जल जीवन मिशन योजना का एक बेहतर फ्रेमवर्क बनाएं। उन्होंने कहा कि वित्तीय संतुलन के लिए बैकअप प्लान डेवलप कर कार्यों को गति दें। योजनाओं के पूर्ण होने पर शीघ्र यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट प्राप्त करें। वाटर रिचार्ज के लिए सोक-पीट सहित अन्य प्रभावी पहलुओं का आधुनिकीकरण करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्रों में शुद्ध पेयजल पहुंचाया जाना चाहिए।

विकसित भारत-जी राम जी योजना एक जुलाई से लागू होगी

राज्यों को 95,692 करोड़ रुपये का अंतरिम आवंटन

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी विकसित भारत-जी राम जी योजना 1 जुलाई से देशभर में लागू की जाएगी। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को 95,692 करोड़ रुपये का अंतरिम आवंटन जारी किया है। इसके अलावा मनरेगा के तहत पहले ही 30 हजार करोड़ रुपये आवंटित किए जा चुके हैं। इस प्रकार योजना के लिए कुल उपलब्ध राशि 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो जाएगी। मंगलवार को ग्रामीण विकास मंत्रालय में केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्यों के ग्रामीण विकास मंत्रियों की महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में केंद्रीय राज्य मंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी भी उपस्थित रहे।

बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि योजना के लिए केंद्र सरकार ने सवा लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि निर्धारित की है। इसका लाभ देश की लगभग 2.80 लाख ग्राम पंचायतों को मिलेगा, जिससे प्रत्येक पंचायत को विकास कार्यों के लिए पर्याप्त वित्तीय संसाधन उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि इस राशि का उपयोग अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप ग्रामीण विकास कार्यों, रोजगार सृजन तथा स्थायी परिसंपत्तियों के निर्माण में किया जाएगा। केंद्र सरकार की प्राथमिकता समय पर मजदूरी भुगतान, श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा और विकास कार्यों में निरंतरता बनाए रखना है। केंद्रीय मंत्री ने राज्यों से पर्याप्त संख्या में विकास कार्यों को पूर्व स्वीकृति देने का आग्रह किया ताकि 1 जुलाई से ही योजनाओं का क्रियान्वयन तेज गति से शुरू हो सके।

झारखंड हाई कोर्ट ने 'टू-फिंगर टेस्ट' पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के दिये निर्देश

रेप पीड़िताओं के बच्चों को मिलेगी मुफ्त शिक्षा-छात्रवृत्ति

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय ने यौन हिंसा और बलात्कार पीड़िताओं के अधिकारों की सुरक्षा, त्वरित न्याय, पुनर्वास और मुआवजा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। मुख्य न्यायाधीश एम.एस. सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने स्वतः संज्ञान से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए राज्य सरकार, पुलिस प्रशासन, न्यायपालिका और संबंधित विभागों के लिए 19 अहम दिशानिर्देश जारी किए हैं। यह मामला यौन हिंसा पीड़िताओं की सुरक्षा, पुनर्वास और न्याय तक उनकी आसान पहुंच सुनिश्चित करने से संबंधित था। मामले में न्यायमित्र (एमिकस क्यूरी) के रूप में अधिवक्ता सुमित गाड़ोदिया ने अदालत को कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए, जिन्हें न्यायालय ने अपने आदेश का हिस्सा बनाया। उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि सभी सरकारी और निजी अस्पतालों में बलात्कार एवं यौन हिंसा पीड़िताओं के मेडिकल परीक्षण के दौरान किए जाने वाले टू फिंगर टेस्ट पर तत्काल प्रभाव से पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए। अदालत ने स्पष्ट किया कि इस आदेश का उल्लंघन पेशेवर कदाचार माना जाएगा और दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

झारखंड राज्यसभा चुनाव : परिमल नथवाणी के नामांकन पर फैसला आज

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड से राज्यसभा की दो सीटों के लिए होने वाले चुनाव के बीच निर्दलीय प्रत्याशी परिमल नथवाणी के नामांकन पत्र पर तकनीकी आपत्तियां सामने आने के बाद उनकी उम्मीदवारी फिलहाल होल्ड पर रख दी गई है। मामले में कांग्रेस की ओर से आपत्ति दर्ज कराई गई है, जिसके बाद रिटर्निंग ऑफिसर ने अंतिम निर्णय सुरक्षित रख लिया है। इस संबंध में बुधवार को फैसला लिए जाने की संभावना है। जानकारी के अनुसार नामांकन पत्रों की जांच के दौरान परिमल नथवाणी के नामांकन में तीन बिंदुओं पर आपत्तियां उठाई गईं।

इसके बाद वे अपने अधिवक्ता और समर्थकों के साथ विधानसभा पहुंचे तथा रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष अपना पक्ष रखा। इस दौरान भाजपा के कुछ विधायक भी उनके साथ मौजूद थे। सूत्रों के मुताबिक पहली आपत्ति उम्मीदवार के नाम के उल्लेख को लेकर है। नामांकन पत्र के विभिन्न दस्तावेजों में कहीं परिमल नथवाणी तो कहीं नथवाणी परिमल लिखा होने पर सवाल उठाया गया है। दूसरी आपत्ति नामांकन पत्र में अविभाजित परिवार (एचयूएफ) से संबंधित जानकारी वाले कॉलम को लेकर बताई जा रही है। वहीं तीसरी आपत्ति प्रत्याशी के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों से संबंधित कॉलम में कथित रूप से अधूरी जानकारी दिए जाने को लेकर है।

मध्य प्रदेश : मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द, कांग्रेस कोर्ट जाएगी

भोपाल। मध्य प्रदेश राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। रिटर्निंग ऑफिसर ने कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन पत्र निरस्त कर दिया है। भाजपा ने आरोप लगाया था कि उन्होंने अपने शपथ पत्र में तेलंगाना की एक अदालत में लंबित मामले की जानकारी छिपाई है। भाजपा की ओर से दर्ज आपत्ति पर सुनवाई के बाद रिटर्निंग ऑफिसर ने जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत नामांकन रद्द करने का फैसला सुनाया। बताया गया कि मीनाक्षी नटराजन ने नामांकन के दौरान संबंधित मामले का उल्लेख नहीं किया था। वहीं, कांग्रेस ने इस फैसले को राजनीतिक प्रेरित बताते हुए अदालत जाने की घोषणा की है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि मीनाक्षी नटराजन के खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं है, बल्कि उन्हें केवल अदालत का नोटिस मिला था।

आठ साल पुरानी या डेढ़ लाख किमी चली एंबुलेंस होगी कंडम, मिला निर्देश

नए एंबुलेंस की खरीद का प्रस्ताव किया जाएगा तैयार

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। राज्य के सरकारी अस्पतालों में आठ वर्ष से अधिक पुराने या फिर 1.5 लाख किलोमीटर से अधिक चल चुके एंबुलेंसों को कंडम घोषित कर उनकी नीलामी की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके साथ ही मरीजों को बेहतर आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए नए एंबुलेंस की खरीद का प्रस्ताव तैयार किया जाएगा। स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने मंगलवार को इस संबंध में सभी सिविल सर्जनों एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को पत्र जारी करते हुए निर्देश दिया है। जारी निर्देश में उन्होंने कहा है कि जिलों के अधीन संचालित सभी सरकारी अस्पतालों और चिकित्सालयों में एंबुलेंसों की स्थिति की समीक्षा की जाए तथा अनुपयोगी और जर्जर वाहनों को चिह्नित किया जाए। निर्देश के अनुसार ऐसे एंबुलेंस जो निर्धारित आयु सीमा पार कर चुके हैं या 1.5 लाख किलोमीटर से अधिक चल चुके हैं, उन्हें नियमानुसार कंडम घोषित कर नीलामी की कार्रवाई की जाएगी।

उज्ज्वला योजना में बदलाव : अब सिर्फ चार सिलेंडरों पर मिलेगी सब्सिडी

कांग्रेस ने सरकार को घेरा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत मिलने वाली एलपीजी सब्सिडी के नियमों में बदलाव करते हुए लाभार्थियों को मिलने वाली रियायती रिफिल की संख्या घटा दी है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार अब उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को साल में केवल पहले चार रिफिल पर ही 300 रुपये प्रति सिलेंडर की सब्सिडी मिलेगी। इससे पहले यह लाभ सालाना नौ सिलेंडरों तक उपलब्ध था। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की शुरूआत मई 2016 में गरीब एवं वंचित परिवारों को स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई थी। शुरूआत में लाभार्थियों को सालाना 12 रियायती सिलेंडर देने की व्यवस्था थी, जिसे बाद में घटाकर 9 कर दिया गया था। अब नए निर्णय के तहत सब्सिडी केवल चार रिफिल तक सीमित कर दी गई है।

पेट्रोलियम मंत्रालय का कहना है कि यह फैसला लाभार्थी परिवारों की वास्तविक खपत को ध्यान में रखकर लिया गया है। मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव प्रवीण मल खानूजा के अनुसार उज्ज्वला योजना से जुड़े अधिकांश परिवार औसतन साल में लगभग चार सिलेंडरों का ही उपयोग करते हैं। इसलिए वित्तीय सहायता को वास्तविक खपत के अनुरूप बनाया गया है।

इधर, सब्सिडी वाले सिलेंडरों की संख्या में कटौती को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया कि सरकार ने उज्ज्वला योजना की शुरूआत के समय गरीब महिलाओं को प्रति वर्ष 12 रियायती सिलेंडर देने का वादा किया था, लेकिन अब यह संख्या घटकर केवल चार रह गई है। खड़गे ने कहा कि लगातार बढ़ती एलपीजी कीमतों और सब्सिडी में कटौती के कारण गरीब परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि कई लाभार्थी परिवार महंगे सिलेंडर खरीदने में असमर्थ हैं और मजबूर होकर पारंपरिक चूल्हों तथा लकड़ी के ईंधन की ओर लौट रहे हैं।

भीषण सड़क हादसे में छह लोगों की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के जलगांव जिले में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना अमलनेर क्षेत्र के लोंढे फाटा के पास सुबह करीब सात बजे हुई। पुलिस के अनुसार गुजरात से एक सगाई समारोह में शामिल होने जा रहे लोगों की कार की सामने से आ रही मोटरसाइकिल से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर के बाद मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सामने से आ रही बस से जा भिड़ी। इस दर्दनाक हादसे में कार सवार नंदलाल महाजन, अनीता महाजन, सुरेश महाजन और निर्मला महाजन की मौके पर ही मौत हो गई।

तेजस मार्क 1ए लड़ाकू विमान की आपूर्ति में देरी को लेकर रक्षामंत्री सख्त

रक्षामंत्री ने एचएएल और भारतीय वायुसेना को लंबित मुद्दों को सुलझाने के दिए निर्देश

रक्षा मंत्री ने एचएएल द्वारा वर्तमान में चलाई जा रही सभी प्रमुख परियोजनाओं के प्रदर्शन की व्यापक और गहन समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) की युद्धक क्षमता को मजबूत करने वाली सबसे अहम परियोजनाओं में से एक-तेजस मार्क 1ए लड़ाकू विमान की आपूर्ति में हो रही देरी को लेकर सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को हुई बैठक में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा की जा रही देरी का मुद्दा प्रमुखता से उठा। रक्षा मंत्री ने एचएएल द्वारा वर्तमान में चलाई जा रही सभी प्रमुख परियोजनाओं के प्रदर्शन की व्यापक और गहन समीक्षा की। बैठक में सीडीएस जनरल एन एस राजा सुब्रमणि, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और एचएएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रवि कोटा शामिल हुए। बताया जा रहा है कि रक्षा मंत्री सिंह ने एचएएल के शीर्ष अधिकारियों से कहा कि प्रमुख परियोजनाओं के लिए व्यावहारिक समय-सीमा तय की जानी चाहिए।

मामले से अवगत अधिकारियों ने बताया कि तेजस मार्क 1ए विमानों की आपूर्ति में देरी के संदर्भ में सिंह ने सुझाव दिया कि एचएएल और भारतीय वायुसेना लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए बैठकर बात करें। विमानों की आपूर्ति में इसलिए देरी हुई है क्योंकि भारतीय वायुसेना ने कहा है कि निर्मित विमान कुछ तकनीकी मानकों को पूरा नहीं करते। विमानों की आपूर्ति में देरी का एक प्रमुख कारण यह रहा कि जीई एयरोस्पेस ने इन विमानों को शक्ति देने वाले इंजनों की आपूर्ति समय-सीमा में नहीं की। अमेरिका की रक्षा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी अब तक छह इंजन आपूर्ति कर चुकी है। अधिकारियों ने बताया कि एचएएल कम से कम 18 तेजस मार्क 1ए विमानों का उत्पादन पूरा कर चुका है और यदि एयरोस्पेस कंपनी को इंजन मिल जाते हैं, तो इन सभी विमानों की आपूर्ति इस साल किए जाने की उम्मीद है। भारतीय वायुसेना का कहना है कि वर्तमान में निर्मित विमान कुछ तय तकनीकी मानकों और जरुरतों को पूरा नहीं कर रहे हैं, जिसके कारण उन्हें बेड़े में शामिल करने में समय लग रहा है। इस पर रक्षा मंत्री ने सुझाव दिया कि एचएएल और वायुसेना के अधिकारी एक साथ बैठकर इन लंबित मुद्दों का तुरंत समाधान निकालें।

रेजिडेंट कमिश्नर अरवा राजकमल ने झारखंड भवन का किया औचक निरीक्षण

व्यवस्थाओं का लिया जायजा, दिये कई दिशा-निर्देश

प्रातः नागपुरी संवाददाता

नई दिल्ली। झारखंड सरकार के रेजिडेंट कमिश्नर श्री अरवा राजकमल ने नई दिल्ली स्थित झारखंड भवन, वसंत विहार का औचक निरीक्षण कर भवन की विभिन्न व्यवस्थाओं एवं सेवाओं की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मेंटेनेंस, हाउसकीपिंग, स्वच्छता, रसोई संचालन तथा कर्मचारियों की कार्यप्रणाली का जायजा लिया। श्री राजकमल ने भवन परिसर, अतिथि कक्षों, कॉमन एरिया और रसोईघर का निरीक्षण कर रखरखाव एवं संचालन संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से संवाद कर भवन संचालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की तथा स्वच्छता, समयबद्ध रखरखाव और अतिथि सेवाओं की गुणवत्ता को निरंतर बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। निरीक्षण के दौरान रेजिडेंट कमिश्नर ने भवन परिसर में उपलब्ध पार्किंग स्थल के बेहतर उपयोग की आवश्यकता पर बल देते हुए लंबे समय से खड़े छह अनुपयोगी एवं कंडम वाहनों की नियमानुसार शीघ्र नीलामी प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए, ताकि पार्किंग क्षेत्र का अधिक प्रभावी एवं सुव्यवस्थित उपयोग सुनिश्चित किया जा सके।

रिम्स-2 परियोजना को लेकर प्रशासन और जनप्रतिनिधि की बैठक

प्रातः नागपुरी संवाददाता

पिठोरिया। प्रस्तावित रिम्स-2 परियोजना को लेकर मंगलवार को पिठोरिया थाना परिसर में प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण बैठक हुई। डीएसपी अमर कुमार पांडे और इंस्पेक्टर असीत कुमार मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में थाना क्षेत्र की बारह पंचायतों के मुखिया और स्थानीय जनप्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में हंदूर, मालसरिंग, चंदवे, पिठोरिया, राड़हा, बाढ़ू, काटमकुली, इंचपीडड़ी, ऊपर कोनकी, कोकदोरो और सत कनादु पंचायत के मुखिया ने हिस्सा लिया। प्रशासन ने रिम्स-2 के महत्व और क्षेत्र के विकास पर इसके सकारात्मक प्रभावों की जानकारी दी।

मुखियाओं ने परियोजना से प्रभावित रैयतों और विस्थापित परिवारों के हितों की सुरक्षा की मांग जोर-शोर से उठाई। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि प्रभावित लोगों को नौकरी में प्राथमिकता, अस्पताल परिसर में दुकानों का आवंटन और उचित मुआवजा मिलना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि विस्थापित परिवारों की समस्याओं को गंभीरता से सरकार तक पहुंचाया जाए, ताकि विकास के साथ अधिकारों की भी रक्षा हो। डीएसपी अमर कुमार पांडे ने कहा कि सरकार की विकास योजनाओं को आगे बढ़ाना सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि कोई भी समस्या या मांग प्रशासन के समक्ष रखें, नियमानुसार समाधान किया जाएगा। पुलिस ने लोगों से विकास कार्यों में बाधा नहीं डालने और रिम्स-2 निर्माण को शांतिपूर्ण तरीके से आगे बढ़ने देने की अपील की। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि परियोजना से जुड़ी सभी वैधानिक प्रक्रियाओं का पालन होगा। स्थानीय लोगों के हितों का पूरा ध्यान रखा जाएगा।

आजसू ने भगवान बिरसा मुंडा का शहादत दिवस मनाया, दी श्रद्धांजलि

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

सिल्ली। आजसू पार्टी ने मंगलवार को भगवान बिरसा मुंडा की शहादत दिवस मनाया। प्रखंड के गोड़ाडी पंचायत के माम्हनी बिरसा चौक चौक स्थित अमर शहीद भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर जिप उपाध्यक्ष वीणा चौधरी, प्रमुख जितेन्द्र बड़ाइक, पुर्व मुखिया डबलु महली, मुखिया सावन देवी, पंसस चैती देवी, ग्राम प्रधान सुरेंद्र सिंह मुंडा समेत आज कार्यकताओं ने फुल माला चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित दी एवं 2 मिनट का मोहन धारण कर उनके बलिदान को याद किया। मौके पर जिप उपाध्यक्ष, प्रमुख एवं अन्य सदस्यों ने प्रतिमा परिसर में वृक्षारोपण भी किया। जिप उपाध्यक्ष वीणा चौधरी एवं प्रखंड प्रमुख ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा को देश के महान स्वतंत्रत सेनानियों में माना जाता है। वे अपने क्रांतिकारी चिंतन से आदिवासी समाज की दशा और दिशा बदलकर नए सामाजिक और राजनीतिक युग का सूत्रपात किया। ब्रिटिश सरकार के काले कानूनों का उन्होंने पुरजोर विरोध किया। जिससे परेशान ब्रिटिश सरकार ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल में बंद कर दिया। भगवान बिरसा मुंडा कमजोरों के हक और अधिकार की लड़ाई लड़ते हुए 9 जून 1900 ई को शहीद हो गए। हम सभी को भगवान बिरसा के बताए मार्ग पर चलकर उनके सपनों का साकार करने की जरूरत। इस मौके पर सुखराम बेदिया, लखींदर बेदिया, नकुल मुंडा, पूर्णधर सिंह मुंडा आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त

खूंटी में श्रद्धा और संकल्प के साथ मनाई गई भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि

खूंटी। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि मंगलवार को खूंटी में श्रद्धा, सम्मान और संकल्प के साथ मनाई गई। आदिवासी समन्वय समिति, जल-जंगल-जमीन संस्कृति बचाओ समिति, सरना सोतो संगोम समिति, संयुक्त ग्राम सभा समिति और परम्परागत ग्राम सभा समन्वय समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकताओं, पारंपरिक ग्राम प्रतिनिधियों और बिरसाइत समाज के लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत ऐतिहासिक कचहरी मैदान स्थित भगवान बिरसा मुंडा की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण और श्रद्धासुमन अर्पित कर की गई। इसके बाद आदिवासी परंपराओं के अनुरूप पूजा-अर्चना संपन्न हुई। उपस्थित लोगों ने धरती आबा को नमन करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने और जल, जंगल, जमीन तथा आदिवासी अस्मिता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहने का संकल्प लिया। इस अवसर पर आयोजित सभा में वक्ताओं ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, उनके सामाजिक सुधार आंदोलनों और अंग्रेजी शासन के विरुद्ध चलाए गए ऐतिहासिक उलगुलान आंदोलन पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि बिरसा मुंडा केवल एक स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना, आत्मसम्मान और जनजातीय अधिकारों के प्रतीक थे। उनके संघर्षों ने आदिवासी समाज को नई पहचान और दिशा दी। आदिवासी समन्वय समिति के संयोजक मार्शल बरला ने अपने संबोधन में छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम (सीएनटी एक्ट), संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम (एसपीटी एक्ट), भारतीय संविधान की पांचवीं अनुसूची तथा पेसा कानून के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि ये प्रावधान आदिवासी समुदाय के अधिकारों और संसाधनों की सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं तथा इन्हें प्रभावी ढंग से लागू किए जाने की आवश्यकता है। आदिवासी समन्वय समिति के जिलाध्यक्ष चंद्र प्रभात मुंडा ने भगवान बिरसा मुंडा के विचारों के राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक आयामों पर अपने विचार रखते हुए कहा कि उनका दर्शन आज भी आदिवासी समाज को संगठित और जागरूक बनाए रखने में मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहा है।

शहादत दिवस पर डीसी और एसपी ने भगवान बिरसा मुंडा को किया नमन

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। भगवान बिरसा मुंडा की 126 वीं शहादत दिवस के अवसर पर मंगलवार को अड़की प्रखंड अंतर्गत उलिहातू स्थित भगवान बिरसा मुंडा जन्मस्थली में जिला प्रशासन की ओर से श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त मो जावेद हुसैन और पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा केवल झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। उन्होंने अपने अदम्य साहस, संघर्ष और बलिदान से जनजातीय समाज को नई चेतना प्रदान की और स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। उनके विचार और आदर्श आज भी समाज को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। ?उपायुक्त ने भगवान बिरसा मुंडा के वंशजों से मुलाकात कर उनके जीवन, संघर्ष और बलिदान को

स्मरण किया। उन्होंने कहा कि खूंटी की इस पावन धरती पर भगवान बिरसा मुंडा जैसे महानायक का जन्म होना पूरे जिले के लिए गौरव की बात है। उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने स्थानीय बच्चों से मिल, उन्हें विद्यालय जाने और अच्छी शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया। ?पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग और उप विकास आयुक्त प्रवीण कुमार प्रकाश ने भी भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष, त्याग और बलिदान को स्मरण करते हुए उन्हें राष्ट्र एवं समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन युवाओं को समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है। ?कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक एवं अन्य पदाधिकारियों ने भगवान बिरसा मुंडा कॉम्प्लेक्स स्थित उनकी आदमकद प्रतिमा पर भी माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उल्लेखनीय है कि भगवान बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को उलिहातू में हुआ था। उन्होंने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध जनजातीय समाज को संगठित कर उलगुलान आंदोलन का नेतृत्व किया और मात्र 25 वर्ष की आयु में 09 जून 1900 को रांची कारा में शहीद हो गए। उनका जीवन और बलिदान आज भी देशवासियों को प्रेरित करता है। ?इस अवसर पर उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, प्रभारी अनुमंडल पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी-सह-प्रभारी पदाधिकारी गोपनीय शाखा, जिला खेल पदाधिकारी, सहायक अभियंता भवन प्रमंडल, प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित जिला एवं प्रखंड स्तरीय अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

बिरसा मुंडा शहादत दिवस पर मनाया गया बलिदान दिवस

सोनाहातू। प्रखंड के नीमडीह गांव में स्थित धरती आबा बिरसा मुंडा की प्रतिमा स्थल पर मंगलवार को बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुखिया विकास मुंडा ने किया। लोगों ने भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। मुखिया विकास मुंडा ने कहा कि देश की स्वतंत्रता के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले महानायक बिरसा मुंडा जी का योगदान अविस्मरणीय है। आदिवासी अस्मिता, जल-जंगल-जमीन और स्वराज के लिए जो संघर्ष किया, वह आज भी हम सबके लिए प्रेरणा है। उनका जीवन और बलिदान आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति, साहस और सामाजिक एकता का पाठ पढ़ाता रहेगा। कार्यक्रम में उमेश महतो, हरिहर महतो, नरेश महतो, विकास मुंडा, सुखलाल मुंडा, लखींदर मुंडा, बसंत मुंडा आदि मौजूद थे। इधर आजसू पार्टी प्रखंड कमिटी के द्वारा बरसालडीह, सोनाहातू ब्लॉक,नीमडीह,चोगा गांव में जाकर बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किया। मौके पर पूर्व जिप अध्यक्ष सुकरा मुंडा, संजय महतो,श्याम महतो, सुषेण प्रमाणिक, जीवाधन मुंडा, खेत्रमोहन सिंह मुंडा, सावना महली, जयसिंह मुंडा, रमेश महतो, बिपिन पाल आदि मौजूद थे।

राहे में किसान सभा और माकपा ने शहीद बिरसा उलगुलान दिवस मनाया

राहे। झारखंड राज्य किसान सभा एवं माकपा के तत्वावधान में राहे के नुरू गांव में शहीद बिरसा मुंडा शहादत दिवस के अवसर पर बिरसा उलगुलान दिवस मनाया गया एवं जल, जंगल, जमीन, खनिज संपदा ,सीएनटी-एसपीटी एक्ट की रक्षा का लिया गया शपथ। शहीद बिरसा मुंडा प्रतिमा पर माल्यार्पण के पश्चात संबोधित करते हुए झारखंड राज्य किसान सभा के महासचिव सुफल महतो ने कहा शहीद बिरसा मुंडा के रास्ते ही लूट, घोटाला, भ्रष्टाचार का खात्मा व समता,भाई चारा की बहाली संभव है, मोदी के 12 वर्षों के राज में सर्वाधिक महंगाई, बेरोजगारी,नीजिकरण, किसान आत्महत्याए बढ़ा है, आजादी के बाद देश सबसे गंभीर संकट में आ गया है। सार्वजनिक कारखाना, रेलवे, हवाई अड्डे, बंदरगाह, सार्वजनिक संपत्ति अंबानी - अंबानी के हाथों सौंपा जा रहा है, पेट्रोलियम, गैस, यूरिया खाद की गंभीर संकट व मुल्य वृद्धि से देश की जनता परेशान हैं। मौके पर झारखंड राज्य किसान कौंसिल सदस्य जयपाल सिंह मुंडा, बिसमबर महतो, उमेश महतो, अंचल कौंसिल सदस्य श्रवण मुंडा, शंकर मुंडा, राजू मुंडा, बुद्धदेव मुंडा, संजय मुंडा, मनसा मुंडा, सोमरा मुंडा, महाबीर मुंडा, महावीर कुम्हार, बुरू मुंडा, राशमनी कुमारी, किरण कुमारी, सहचरी कुमारी, हरी कुमारी, करमी देवी, लखीमनी देवी, पविता देवी, सुमित्रा देवी, कमिला देवी, पुरनी देवी, रोपनी देवी, शिला देवी, शांति देवी, मंजुड़ा देवी, विकास मुंडा पूर्णचंद्र महतो, गहन मुंडा, शिशुपाल मुंडा, यादव कुम्हार, कृष्ण मुंडा, सुदर्शन मुंडा, भोथु मुंडा, सुखराम मुंडा, मुकुंद मुंडा आदि मौजूद थे। अध्यक्षता ग्राम प्रधान श्रवन मुंडा ने किया।

तजना मुक्तिधाम में चला सफाई अभियान

जनप्रतिनिधियों ने किया श्रमदान और पौधारोपण

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। विश्व पर्यावरण सप्ताह के अवसर पर खूंटी नगर पंचायत ने सामाजिक जिम्मेदारी और पर्यावरण संरक्षण का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए तजना मुक्ति धाम में सफाई अभियान चलाया। नगर पंचायत के अधिकारियों और कर्मचारियों के अलावा जनप्रतिनिधियों और ने भी सफाई अभियान में भाग लिया। नगर पंचायत अध्यक्ष रानी टूटी एवं उपाध्यक्ष शशांक शेखर के नेतृत्व में आयोजित इस विशेष अभियान में विभिन्न वार्डों के पार्षद अनूप साहू, खालिद हुसैन, कविता वर्मा, दिनेश कुमार, शिखा भगत, हेमंत कुमारी, अनिता टूटी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। सभी ने मुक्तिधाम परिसर में श्रमदान करते हुए साफ-सफाई की और परिसर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अभियान के उपरांत पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बेल, नीम सहित कई उपयोगी एवं छायादार प्रजातियों के पौधे लगाए गए। उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने पौधों की देखरेख एवं संरक्षण का भी संकल्प लिया।

उग्रवादी हिंसा में मृत व्यक्तियों के आश्रितों से संबंधित मामलों की समीक्षा

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। उपायुक्त मो जावेद हुसैन की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उग्रवादी हिंसा में मृत व्यक्तियों के आश्रितों को अनुग्रह-अनुदान और सरकारी सेवा में नियोजन से संबंधित जिला अनुकम्पा समिति की बैठक मंगलवार को आयोजित की गई। बैठक के दौरान कुल 07 मामलों की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्णय लिए गए। उपायुक्त ने सभी लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने और रिपोर्ट प्राप्त करने का निर्देश दिया, ताकि प्रभावित परिवारों को समय पर राहत एवं सहायता

उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी प्रक्रियाओं को पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ पूर्ण किया जाए और पात्र आश्रितों को नियमानुसार लाभ दिया जाए। बैठक में पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग, उप विकास आयुक्त प्रवीण कुमार प्रकाश, प्रभारी अनुमंडल पदाधिकारी, अपर समाहर्ता, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला कोषागार पदाधिकारी, प्रभारी पदाधिकारी सामान्य शाखा, कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य विभाग सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

पिठोरिया सेंट्रल मोहर्रम कमेटी की बैठक संपन्न

प्रातः नागपुरी संवाददाता

पिठोरिया। सेंट्रल मोहर्रम कमेटी की बैठक पिठोरिया अंजुमन के सदर सज्जाद खलीफा की अध्यक्षता में दर्जी मुहल्ला स्थित प्रधान कार्यालय में मोहर्रम 2026 की तैयारियों को लेकर हुई। मौके पर कमेटी के सभी पदधारी और पिठोरिया अंजुमन के पदधारी उपस्थित थे। बैठक में पुरानी कमेटी को भंग करके सर्वसम्मति से नई कमेटी का गठन किया गया। नई कमेटी में सदर सुभान अंसारी, सेक्रेटरी आफताब अंसारी, खजांची मेराज अंसारी को बनाया गया। बैठक को संबोधित

करते हुए सेन्ट्रल मोहर्रम कमेटी के नवनिर्वाचित सदर सुभान अंसारी ने कहा कि 12 जून को सेन्ट्रल मोहर्रम कमेटी के तत्वावधान मे शाम साढ़े चार बजे से क्षेत्र के सभी मोहर्रम कमेटी के खलीफा और पदधारियों के साथ मोहर्रम 2026 की तैयारी और जुलुस से सम्बंधित बैठक की जाएगी। सदर सुभान अंसारी ने आगे कहा कि जुलूस आपसी भाईचारे, अनुशासन और सौहार्दपूर्ण वातावरण में निकाला जाएगा। उन्होंने युवाओं से नशाखोरी से दूर रहने की अपील की। बैठक में सुभान अंसारी, अंजुमन के सदर सज्जाद खलीफा, अंजुमन के सेकेट्री फिरोज आलम, खजांची आसिफ आलम, सरवर खान, साहबान अंसारी, खुर्शीद खलीफा, अबरार खलीफा, मुर्शिद खान, कलाम खलीफा, शाहरुख खलीफा, मुजाहिद आलम, सरफराज अंसारी, टीपू खान, उस्ताद खान, अफरोज अंसारी, सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

हॉकी सितारों का भव्य स्वागत, एशिया कप विजेताओं का सम्मान

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। जापान में आयोजित अंडर-18 एशिया कप हॉकी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन करने वाले खूंटी के होनहार खिलाड़ियों का मंगलवार को हॉकी संघ खूंटी की ओर से भव्य स्वागत किया गया। एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में आयोजित समारोह में खिलाड़ियों के सम्मान में उत्साह और गौरव का अद्भुत माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम में स्वर्ण पदक विजेता भारतीय अंडर-18 पुरुष हॉकी टीम के सदस्य आशीष तानी पूर्ति और प्रेमचंद सोय और कांस्य पदक विजेता भारतीय अंडर-18 महिला हॉकी टीम की खिलाड़ी श्रुति कुमारी, सुगन सांगा और नीलम टोपनो का

गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। खिलाड़ियों के स्टेडियम पहुंचते ही ढोल-नगाड़ों की थाप, फूल-मालाओं और तिरंगे के साथ उनका स्वागत किया गया। पूरे परिसर में उत्सव जैसा माहौल बना रहा। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विधायक रामसूर्या मुंडा ने खिलाड़ियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया और उनकी उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि इन खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, कड़ी मेहनत और समर्पण के बल पर न केवल खूंटी जिले, बल्कि पूरे झारखंड और देश का गौरव बढ़ाया है। उनकी सफलता आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। विधायक ने कहा कि सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद इन खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान स्थापित की है, जो पूरे समाज के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार और खेल विभाग खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने और उनकी प्रतिभा को निखारने के लिए हरसंभव सहयोग देंगे। इस अवसर पर हॉकी संघ खूंटी के अध्यक्ष अशोक भगत सहित संघ के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, खेल प्रेमी, सामाजिक कार्यकर्ता सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

तीरंदाज सुरभि को भारत सरकार सालाना 8 लाख रुपए देगी

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

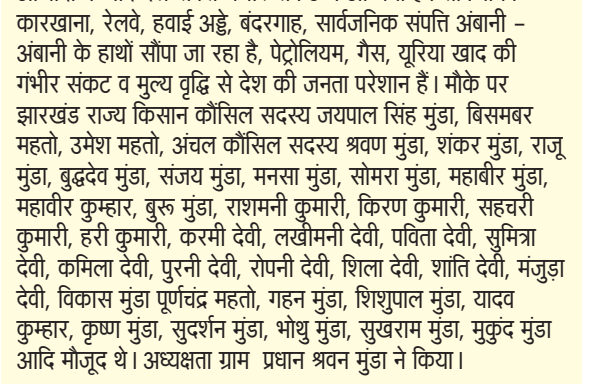

सिल्ली। बिरसा मुंडा आर्चरी सेंटर की तीरंदाज सुरभि पाल को भारत सरकार की ओर से सालाना 8 लाख रुपए देगी। ये उन्हें सम्मान राशि उनके खेलो इंडिया में चयन होने पर दिया जा रहा है। बिरसा मुंडा आर्चरी सेंटर के कोच शिशिर महतो ने जानकारी दे हुए बताया कि सिल्ली प्रखंड की दूसरी और बिरसा मुंडा तीरंदाजी सेंटर की दसवीं खिलाड़ी सुरभि पल का चयन भारत सरकार की स्कीम में हुई है। इनके प्रदर्शन को बेहतर करने के लिये सालाना 8 लाख इनकी उच्च ट्रेनिंग और सुविधा पर करेगी 8 साल तक कुल 40 लाख रुपए खर्च कर इनको ओलंपिक स्तर पर उनके प्रदर्शन को बेहतर करने लिए और ओलंपिक स्तर तक के पहुंचने के लिए मदद करेगी इसके पूर्व भी सेंटर की मधुमिता कुमारी, सविता कुमारी, बबीता कुमारी, ज्योति कुमारी, सोनाली बखला, भावना कुमारी, अभिषेक कुमार, रोहित कुमार, तमन्ना कुमारी शामिल है। इस उपलब्धि पर एकेडमी के सभी पदाधिकारी और कोच और खिलाड़ी ने बधाई दी है।

बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर विधायक ने दी श्रद्धांजलि

खूंटी। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि के अवसर पर तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया ने मंगलवार को कर्रा प्रखंड के जलंगा गोविंदपुर पहुंचकर भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और झामुमो कार्यकताओं ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर विधायक सुदीप गुड़िया ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा केवल एक महान स्वतंत्रता सेनानी नहीं थे, बल्कि वे जल, जंगल और जमीन की रक्षा, आदिवासी समाज के अधिकार, स्वाभिमान और अस्मिता के सबसे बड़े प्रतीक हैं। उन्होंने अपने अल्प जीवनकाल में शोषण, अन्याय और दमन के खिलाफ संघर्ष कर समाज को नई दिशा दी। उनका त्याग, बलिदान और संघर्ष आज भी देशभर के करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष राहुल केशरी, झामुमो प्रखंड सचिव विनोद उरांव, प्रखंड उपाध्यक्ष लछुवा लोहरा, मुखिया छत्री हेमरोम, सोसन होरो, शम्भू शर्मा, नामजन होरो, दिलीप होरो, बाका लकड़ा, सुदेश होरो, सुनील धान, कार्तिक उरांव, रोशन उरांव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रांची पहुंचने पर एशिया कप विजेताओं का हुआ भव्य स्वागत

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। जापान के काकामीगाहारा में आयोजित अंडर-18 एशिया कप 2026 में शानदार प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाने वाले झारखंड के आठ हॉकी खिलाड़ियों का सोमवार को रांची पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर खिलाड़ियों के स्वागत के लिए खेल प्रेमियों और हॉकी झारखंड के पदाधिकारियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने 29 मई से 6 जून तक आयोजित प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर एशिया में भारत का परचम लहराया, जबकि भारतीय महिला हॉकी टीम ने कांस्य पदक अपने नाम कर देश को एक और बड़ी उपलब्धि दिलाई। स्वर्ण पदक विजेता पुरुष टीम में झारखंड के आशीष तनी पूर्ति और प्रेमचंद शामिल रहे। वहीं कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय महिला टीम में झारखंड की संदीपा कुमारी, पुष्पा मांझी, सुगन सांगा, खिली कुमारी, नीलम टोपनो और श्रुति कुमारी ने महत्वपूर्ण योगदान देकर राज्य का मान बढ़ाया। दिल्ली में आयोजित हॉकी इंडिया के सम्मान समारोह में शामिल होने के बाद सभी खिलाड़ी अपने गृह राज्य लौटे। रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर उनके स्वागत के लिए पारंपरिक झारखंडी संस्कृति की झलक देखने को मिली। खिलाड़ियों के हाथ धोकर उनका अभिनंदन किया गया तथा फूल-मालाएं पहनाकर सम्मानित किया गया। एयरपोर्ट परिसर खिलाड़ियों के स्वागत नारों और उत्साह से गूंज उठा। इस अवसर पर हॉकी झारखंड के महासचिव विजय शंकर सिंह, अशोक भगत, आश्रिता लकड़ा, दशरथ महतो, हॉकी कोच करुणा पूर्ति, दूलारी टोपनो, मनीष समेत बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे। झारखंड के खिलाड़ियों की इस उपलब्धि ने एक बार फिर साबित किया है कि राज्य प्रतिभाओं की धरती है और यहां के खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का नाम रोशन करने की क्षमता रखते हैं। खिलाड़ियों की सफलता से प्रदेश के युवा खिलाड़ियों को भी नई प्रेरणा मिलेगी।

लालखटंगा में भगवान बिरसा मुंडा की आदमकद प्रतिमा का अनावरण

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। धरती आबा एवं जनजातीय समाज के महानायक भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर खिजरी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत लालखटंगा पंचायत स्थित रिंग रोड परिसर में उनकी आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया गया। इस अवसर पर झारखंड भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम के पहान चरखा पहान एवं प्रकाश मुंडा द्वारा पारंपरिक विधि-विधान एवं पूजा-अर्चना के साथ किया गया। पूजा संपन्न होने के पश्चात भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण किया गया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।

राज्यसभा सांसद ने कहा कि लालखटंगा में स्थापित यह आदमकद प्रतिमा केवल एक स्मारक नहीं, बल्कि समाज और विशेष रूप से युवाओं के लिए प्रेरणा का केंद्र बनेगी। यह प्रतिमा नई पीढ़ी को अपने गौरवशाली इतिहास, संस्कृति, परंपराओं और अधिकारों के प्रति जागरूक करने का कार्य करेगी। इस अवसर पर पूर्व मुखिया रितेश उरांव, ग्राम प्रधान राजेश टोप्पो, भाजपा जिलाध्यक्ष विनय धीरज महतो, उपमुखिया अजय मुंडा, अनिरुद्ध पाण्डेय, गोपाल चौधरी, संतोष पांडा, अबुआ अधिकार मंच के वेदांत कौशल, दीपक मुंडा, महादेव मुंडा, गोरखनाथ सिंह, प्रमोद सिंह, लक्ष्मण मुंडा, राजू नायक, समीर राय, सुनील मुंडा, राजेन्द्र ठाकुर, रूपल कच्छप, सविता देवी, सुशील उरांव, मीरा खलखो, सुनीता कश्यप सहित जनजातीय समाज के गणमान्य लोग, भाजपा पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त

सरकारी गवाह बने नक्सली को हाई कोर्ट से मिली जमानत

रांची। पूर्व मंत्री और तमाड़ के तत्कालीन विधायक रमेश सिंह मुंडा हत्याकांड मामले में वर्ष 2016 से जेल में बंद नक्सली राम मोहन सिंह मुंडा उर्फ मोचू को झारखंड उच्च न्यायालय से बड़ी राहत मिली है। मामले में सरकारी गवाह (एप्रूवर) बन चुके राम मोहन सिंह मुंडा को लगभग दस वर्ष बाद जमानत मिल गई है। उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति रंगन मुखोपाध्याय की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने उसकी जमानत याचिका स्वीकार करते हुए रिहाई का आदेश दिया। मामले की सुनवाई के दौरान राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की ओर से अधिवक्ता अमित कुमार दास और अधिवक्ता सौरव कुमार ने पक्ष रखा। राम मोहन सिंह मुंडा पर नक्सली साजिश रचने और हत्या में शामिल होने का आरोप है। यह मामला बुंडू थाना कांड संख्या 65/2008 से संबंधित है।

गुमला की लापता बच्ची मामले में हाई कोर्ट में हुई सुनवाई

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय में मंगलवार को वर्ष 2018 से लापता गुमला की छह वर्षीय बच्ची की बरामदगी से जुड़े मामले में महत्वपूर्ण सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान गुमला के पुलिस अधीक्षक (एसपी), चैनपुर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) तथा मामले के अनुसंधानकर्ता (आईओ) अदालत में उपस्थित हुए और जांच की प्रगति से संबंधित जानकारी न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि मामले में एक महिला आरोपित का नार्को टेस्ट कराने के लिए संबंधित निचली अदालत से अनुमति मांगी गई है। इस संबंध में बुधवार को सुनवाई निर्धारित है और अनुमति मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। राज्य सरकार ने जांच प्रक्रिया पूरी करने के लिए अदालत से अतिरिक्त समय देने का अनुरोध किया। इसके बाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद और न्यायमूर्ति प्रदीप श्रीवास्तव की खंडपीठ ने मामले की अगली सुनवाई के लिए नई तिथि निर्धारित की।

भगवान बिरसा मुंडा के आदर्श सदैव करते रहेंगे मार्गदर्शन : राज्यपाल

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने मंगलवार को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने रांची स्थित लोक भवन तथा बिरसा चौक पहुंचकर बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उनके संघर्ष, त्याग तथा जनजातीय समाज के उत्थान में दिए गए योगदान को स्मरण किया। लोक भवन में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने जनजातीय समाज के उत्थान, स्वाभिमान और राष्ट्रहित के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ संघर्ष करते हुए आदिवासी समाज को अपने अधिकारों और अस्मिता की रक्षा के लिए संगठित किया। उनका अदम्य साहस, त्याग और संघर्ष आज भी समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए प्रेरणास्रोत बना हुआ है। इसके बाद राज्यपाल बिरसा चौक पहुंचे, जहां उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान उन्होंने कहा कि धरती आबा बिरसा मुंडा का जीवन संघर्ष, सेवा और समर्पण की अद्वितीय गाथा है। उन्होंने जनजातीय समाज में आत्मसम्मान, स्वाभिमान और जागरूकता का संचार करते हुए राष्ट्रभक्ति और सामाजिक चेतना की मिसाल प्रस्तुत की। राज्यपाल ने कहा कि बिरसा मुंडा ने अपने अल्प जीवनकाल में जिस साहस और दृढ़ता के साथ अन्याय तथा शोषण के विरुद्ध आवाज उठाई, वह भारतीय इतिहास का गौरवशाली अध्याय है। उनके नेतृत्व में चले आंदोलनों ने न केवल आदिवासी समाज को नई दिशा दी, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम की चेतना को भी मजबूत किया। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा के आदर्श, विचार और जीवन-मूल्य आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करते रहेंगे। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर सभी को समाज के वंचित, कमजोर और पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए कार्य करना चाहिए। साथ ही राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय और सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन हमें यह संदेश देता है कि समाज और देश के प्रति समर्पण, आत्मसम्मान तथा न्याय के लिए संघर्ष ही सच्ची राष्ट्रसेवा का मार्ग है। उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें याद करना केवल श्रद्धांजलि अर्पित करना नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लेना भी है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने भी भगवान बिरसा मुंडा के योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

बीएलओ और एचएलओ किये गये सम्मानित

रांची। छात्र क्लब ग्रुप एवं मानव अधिकार मिशन (मून राइट्स) के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को कचहरी रोड स्थित मंदिर परिसर में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) एवं जनगणना कार्य में लगे बीएलओ, एचएलओ तथा सर्वे कार्य से जुड़े सहयोगियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मानव अधिकार मिशन झारखंड प्रदेश के रामगढ़ जिला अध्यक्ष रूपेश कुमार गुप्ता ने की। इस अवसर पर सर्वे कार्य में सहयोगी शुभम चौधरी, एचएलओ नमिता देवी, करमा उरांव, भगीरथ महतो तथा बीएलओ-प्रगणक कुलदीप शर्मा एवं भीमश्री कुमारी को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अवधेश कुमार शर्मा, अशोक कुमार राणा, अधिवक्ता एम.एस. जाफरी, अधिवक्ता गुलाब रब्बानी, पूर्व वार्ड सदस्य नूर हसन, दीपक राणा सहित अन्य लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समारोह में उपस्थित लोगों ने जनगणना एवं पुनरीक्षण कार्य से जुड़े कर्मियों के योगदान की सराहना की।

एमवीआई भर्ती मामला : हाई कोर्ट ने 12 जून तक नियुक्ति पत्र जारी करने का दिया आदेश

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय ने मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर (एमवीआई) नियुक्ति मामले में नियुक्ति पत्र जारी नहीं किए जाने को लेकर दायर अवमानना याचिका पर मंगलवार को सुनवाई करते हुए राज्य सरकार के प्रति कड़ा रुख अपनाया। अदालत ने आदेश दिया कि 12 जून तक सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र जारी किए जाएं, अन्यथा संबंधित अधिकारियों के खिलाफ अवमानना मामले में आरोप गठित किए जाएंगे। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति दीपक रोशन की अदालत में हुई। सुनवाई के दौरान अदालत के पूर्व आदेश के अनुपालन में राज्य परिवहन आयुक्त व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित हुए। राज्य सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि याचिकाकर्ताओं की नियुक्ति का मामला अभी मंत्रिमंडल (कैबिनेट) की स्वीकृति के लिए लंबित है, इसलिए निर्णय लेने के लिए कुछ और समय की आवश्यकता है। हालांकि, अदालत ने सरकार की इस दलील को स्वीकार नहीं किया और कहा कि नियुक्ति पत्र जारी करने का आदेश दो वर्ष पहले ही दिया जा चुका है, लेकिन अब तक उसका पालन नहीं किया गया। अदालत ने सरकार द्वारा समय मांगने के आग्रह को खारिज करते हुए कहा कि आदेशों के अनुपालन में लगातार हो रही देरी को अब और बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। अदालत ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि 12 जून तक नियुक्ति पत्र जारी नहीं किए गए तो अवमानना मामले में प्रतिवादियों के खिलाफ आरोप तय करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। मामले की अगली सुनवाई 12 जून को निर्धारित की गई है।

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में भगवान बिरसा मुंडा को दी श्रद्धांजलि

रांची। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक एवं बिरसाइत धर्म के प्रवर्तक भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बीएयू के कुलपति डॉ एससी दुबे एवं वरिष्ठ पदाधिकारियों ने कृषि महाविद्यालय परिसर स्थित उनकी आदमकद प्रतिमा पर पुष्प एवं माला अर्पित किया। बीएयू में वर्ष 1990 में स्थापित अष्टधातु की इस प्रतिमा का निर्माण मुंबई के प्रसिद्ध मूर्तिकार एसएल सोना वाडकर ने किया था। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में विश्वविद्यालय के वरीय पदाधिकारी डॉ डीके शाही, डॉ पीके सिंह, डॉ रमेश कुमार, डॉ एस कर्माकर, डॉ बीके अग्रवाल, डॉ एके पांडेय, प्रो डीके रूसिया, डॉ शैलेश चट्टोपाध्याय, डॉ कौशल कुमार, डॉ निरंजन लाल, डॉ बीके झा आदि शामिल थे।

संतोष कॉलेज ऑफ टीचर्स ट्रेनिंग एंड एजुकेशन में व्याख्यान जारी

रांची। संतोष कॉलेज ऑफ टीचर्स ट्रेनिंग एंड एजुकेशन द्वारा आयोजित की जा रही व्याख्यान श्रृंखला के दूसरे दिन मंगलवार को डिजिटल शिक्षा और जनजातीय क्षेत्रों में इसके दूरगामी प्रभावों पर सत्र का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान श्रृंखला के मुख्य वक्ता केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड के शिक्षा विभाग के प्रख्यात शिक्षाविद् डॉ. एम.के. दास थे। उन्होंने जनजातीय क्षेत्रों में शैक्षिक पहुंच के विस्तार के लिए मूक और एलएमएस का विकास विषय पर अपना व्यावहारिक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

साहित्य संगम संस्थान झारखंड इकाई का पुनर्गठन

रांची। साहित्य संगम संस्थान की झारखंड प्रांतीय इकाई का विधिवत पुनर्गठन किया गया। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ निवेदिता श्रीवास्तव 'गार्गी' को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। पूनम वर्मा 'अनूप' को प्रदेश सचिव, ऋतुराज वर्षा को मीडिया प्रभारी बनाया गया है।

सीसीएल के लाल एवं लाड़ली योजना के तीन विद्यार्थी जेईई एडवांस्ड में सफल

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। सीसीएल की कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल के अंतर्गत संचालित सीसीएल के लाल और सीसीएल की लाड़ली योजना के तीन विद्यार्थियों ने जेईई एडवांस्ड 2026 में सफलता पाई है। वर्ष 2024-2026 में योजना से आयुष कुजूर (पिस्का नगड़ी, रांची) ने एसटी श्रेणी में 1242वीं रैंक, माही प्रिया प्रसाद (टंडवा, चतरा) ने ओबीसी श्रेणी में 11173वीं रैंक और मेघा कुमारी (रामगढ़, झारखंड) ने एसटी श्रेणी में 3673वीं रैंक प्राप्त की है। आयुष कुजूर के पिता श्री राजेश उरांव किसान हैं। उनकी माता श्रीमती संगीता देवी गृहिणी हैं। माही प्रिया प्रसाद के पिता महादेव प्रसाद स्वरोजगार से जुड़े हैं। उनकी माता श्रीमती रेशम देवी शिक्षिका हैं। मेघा कुमारी के पिता प्रेम कुमार मुंडा किसान हैं। उनकी माता श्रीमती झिमा देवी आंगनवाड़ी सेविका हैं।

रांची नगर निगम ने तीन विकास योजनाओं का किया शिलान्यास

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। शहर में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने और स्थानीय नागरिकों को बेहतर बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने की दिशा में रांची नगर निगम ने मंगलवार को तीन महत्वपूर्ण विकास योजनाओं की शुरूआत की। इन योजनाओं का विधिवत शिलान्यास रांची की महापौर रोशनी खलखो ने कांके विधायक सुरेश बैठा की उपस्थिति में किया। शिलान्यास कार्यक्रम के तहत वार्ड संख्या 01 स्थित द्वारिका विहार सोसायटी में पीसीसी पथ के नवीनीकरण, आरसीसी नाली निर्माण तथा पेवर ब्लॉक बिछाने के कार्य का शुभारंभ किया गया। इसके अलावा ब्रह्मचारी नगर में राम मंदिर से अमित कुमार के घर तथा अमित उपाध्याय के घर तक पीसीसी पथ एवं आरसीसी नाली निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया गया। वहीं वार्ड संख्या 02 में ट्रेड फ्रेंड्स शॉप के पीछे स्थित विभिन्न गलियों में पीसीसी पथ सुधार कार्य की भी शुरूआत की गई। इन परियोजनाओं के पूरा होने से क्षेत्र के लोगों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलने के साथ जल निकासी व्यवस्था में भी सुधार होगा। इस अवसर पर वार्ड संख्या 01 के पार्षद नकुल तिर्की, वार्ड संख्या 02 की पार्षद सविता कच्छप, कुंदन सिंह सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे। महापौर रोशनी खलखो ने कहा कि रांची नगर निगम शहर के सभी वार्डों में चरणबद्ध तरीके से आधारभूत सुविधाओं का विस्तार कर रहा है। सड़कों, नालियों और अन्य जनसुविधाओं के विकास के माध्यम से नागरिकों को बेहतर शहरी सुविधाएं उपलब्ध कराना निगम की प्राथमिकता है। वहीं विधायक सुरेश बैठा ने कहा कि विकास कार्यों के माध्यम से क्षेत्र की लंबे समय से लंबित आवश्यकताओं को पूरा किया जा रहा है, जिससे स्थानीय लोगों को सीधा लाभ मिलेगा।

ब्राह्मण आयोग गठन समेत नौ सूत्री मांगों को लेकर राज्यपाल से मिला प्रतिनिधिमंडल

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। ब्राह्मण महासभा झारखंड और अंतर्राष्ट्रीय ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को झारखंड के राज्यपाल से मुलाकात कर ब्राह्मण समाज से जुड़ी विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने राज्य में ब्राह्मण आयोग के गठन सहित सामाजिक, शैक्षणिक एवं धार्मिक हितों से संबंधित नौ सूत्री मांगों पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की। ब्राह्मण महासभा झारखंड के संयोजक मनोज कुमार पांडेय तथा अंतर्राष्ट्रीय ब्राह्मण समाज के केंद्रीय अध्यक्ष सुनील कुमार पांडेय के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को सौंपे ज्ञापन में ब्राह्मण समाज के कल्याण के लिए अलग ब्राह्मण आयोग गठित करने की मांग रखी। इसके साथ ही धार्मिक न्यास परिषद में झारखंड के साधु-संतों को प्रतिनिधित्व देने की भी मांग की गई। ज्ञापन में राज्य के मठ-मंदिरों में सेवा दे रहे पुजारियों को राज्यकर्मियों के अनुरूप न्यूनतम 25 हजार रुपये मासिक मानदेय देने तथा आर्थिक रूप से कमजोर ब्राह्मण परिवारों के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति योजना लागू करने का अनुरोध किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने बीपीएल श्रेणी के ब्राह्मण परिवारों को आवास सुविधा उपलब्ध कराने और उनकी बेटियों के विवाह के लिए 10 लाख रुपये की सहायता राशि देने की मांग भी उठाई। इसके अलावा भगवान परशुराम जयंती (अक्षय तृतीया) के अवसर पर राज्यव्यापी अवकाश घोषित करने तथा राजधानी रांची में भगवान परशुराम मंदिर, धर्मशाला, गौशाला एवं अन्य धार्मिक गतिविधियों के लिए 11 एकड़ भूमि उपलब्ध कराने की मांग भी ज्ञापन में शामिल रही। प्रतिनिधिमंडल ने गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष पद पर ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधि की नियुक्ति तथा कक्षा एक से दसवीं तक संस्कृत विषय को पुनः अनिवार्य रूप से लागू करने की मांग भी राज्यपाल के समक्ष रखी। प्रतिनिधिमंडल की बात सुनने के बाद राज्यपाल ने उन्हें आश्वस्त किया कि उनकी मांगों को विचारार्थ राज्य सरकार के समक्ष भेजा जाएगा तथा समाज के कल्याण से जुड़े विषयों पर सकारात्मक पहल करने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने राज्यपाल को गीता पुस्तक, शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। प्रतिनिधिमंडल में विपिन पांडेय, रोशन मिश्रा और देवचरण पांडेय भी शामिल थे।

सरला बिरला विश्वविद्यालय के छात्रों को यूएई में मिला प्लेसमेंट

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय ने एक बार फिर अपने उत्कृष्ट प्लेसमेंट रिकॉर्ड में नया अध्याय जोड़ते हुए बी.टेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (2022-2026) बैच के दो छात्रों को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) स्थित प्रतिष्ठित प्रौद्योगिकी कंपनी यूरुसिस में उच्च वेतनमान पर प्लेसमेंट दिलाने में सफलता प्राप्त की है। विश्वविद्यालय के छात्र अभिराज आर्यन को एईडी 124,400 प्रति वर्ष (लगभग 32.50 लाख प्रतिवर्ष) और शशांक पांडेय को एईडी 118,400 प्रति वर्ष (लगभग 31.00 लाख प्रतिवर्ष) का आकर्षक प्लेसमेंट ऑफर प्राप्त हुआ है।

वेतन पैकेज के अतिरिक्त दोनों छात्रों को लगभग 39 लाख का बीमा कवरेज, आवास भत्ता, भारत से आने-जाने के लिए हवाई यात्रा सुविधा, टूरिस्ट वीजा सहायता, एमिरेट्स आईडी एवं अन्य आवश्यक प्रोसेसिंग सहायता (डामन ब्रॉन्ज कवरेज सहित) और उबर/परिवहन भत्ता जैसी सुविधाएं भी कंपनी द्वारा प्रदान की जाएंगी। इस अंतरराष्ट्रीय प्लेसमेंट अवसर को उपलब्ध कराने में सी नीयर के सीईओ मोहित कादयान का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की प्रतिभा, परिश्रम एवं विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जा रही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उद्योगोन्मुखी प्रशिक्षण का परिणाम है। सरला बिरला विश्वविद्यालय लगातार अपने विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। विश्वविद्यालय का प्लेसमेंट विभाग देश-विदेश की अग्रणी कंपनियों के साथ सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। वर्तमान प्लेसमेंट सत्र में कॉग्निजेंट, टीसीएस, कोटक लाइफ, कोडयंग सहित अनेक प्रतिष्ठित कंपनियां भर्ती प्रक्रिया में भाग ले रही हैं। पिछले वर्षों में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को ईवाई, डेलॉइट, टीसीएस, बिरला ओपस, जीई एयरोस्पेस, आईटीसी होटल्स, एक्सिस बैंक, बर्जर पेंट्स, एशियन पेंट्स, बजाज फाइनेंस, इंडस टावर्स, सीएट टायर्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, स्टरलाइट इलेक्ट्रिक, यूरुसिस, पिकयोरट्रेल, इन्फो एज सहित अनेक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कंपनियों में अवसर प्राप्त हुए हैं। इस वर्ष अब तक विश्वविद्यालय के 375 से अधिक छात्रों का सफलतापूर्वक प्लेसमेंट हो चुका है। कई कंपनियों के चयन परिणाम अभी आने शेष हैं। एसबीयू के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान, महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक, कुलपति प्रो सी जगनाथन एवं राज्यसभा सांसद सह निदेशक प्लानिंग एंड डेवलपमेंट डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने अभिराज आर्यन एवं शशांक पांडेय को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई दी। उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

सीसीएल में तीन दिवसीय क्षमता निर्माण एवं जागरुकता कार्यक्रम शुरू

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। सीसीएल के मानव संसाधन विकास (एचआरडी) विभाग 9 जून, 2026 से खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम पर तीन दिवसीय क्षमता निर्माण एवं जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य अधिनियम में किए गए हालिया संशोधनों के संबंध में अधिकारियों को जागरूक करना और नियामकीय प्रावधानों की बेहतर समझ विकसित करना है। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में सीसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (तकनीकी/संचालन) चंद्र शेखर तिवारी, महाप्रबंधक (एचआरडी) एम.एफ. हक, विभागाध्यक्ष (सुरक्षा) मेजर मनीष राज और अतिथि संकाय रिटायर आईपीएस विपुल शुक्ला उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के महाप्रबंधक, स्टाफ ऑफिसर (एचआर), स्टाफ ऑफिसर (माइनिंग), परियोजना पदाधिकारी, खान प्रबंधक एवं अन्य संबंधित अधिकारी भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम में 40 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर निदेशक (मानव संसाधन) ने एम.एम.डी.आर अधिनियम के महत्व को रेखांकित करते हुए इसके प्रावधानों के अनुपालन की आवश्यकता पर बल दिया। निदेशक (तकनीकी/संचालन) ने कहा कि अवैध खनन के प्रति जागरुकता संगठनात्मक हितों की सुरक्षा एवं विधिसम्मत खनन संचालन सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

निर्देश के बाद भी अंचल कार्यालय नहीं कर रहा दाखिल खारिज

उपायुक्त ने जनसुनवाई के माध्यम से सुनी आमजनों की समस्याएं

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

गढ़वा। उपायुक्त पशुपतिनाथ मिश्रा ने मंगलवार को समाहरणालय सभागार में जनसुनवाई का आयोजन किया। इसमें आए फरियादियों की समस्याएं बारी-बारी से सुनी गई। उसके निष्पादन के लिए उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारी को निर्देश दिया।

उक्त जनसुनवाई में मेराल प्रखंड के संगबरिया निवासी संजय कुमार ने अपने ही गांव के ब्रह्मदेव साह पर आम रास्ता की भूमि को रैयती भूमि कह कर गलत तरीके से भवन निर्माण का कार्य किए जाने की शिकायत की है। उन्होंने बताया कि उक्त व्यक्ति का जमीन सड़क के किनारे है, परंतु बाजबरदस्ती गलत तरीके से सड़क की भूमि के हिस्से पर भी भवन निर्माण कराया जा रहा है। इस संबंध में संबंधित अंचलाधिकारी को आवेदन दिया गया था। जांच के बाद निर्माण कार्य रोक दिए जाने की बात कही गई थी, परंतु ब्रह्मदेव साह द्वारा निर्माण कार्य नहीं रोका गया है।

सदर प्रखंड के कल्याणपुर निवासी जुबैर अंसारी ने नामांतरण के संबंध में अपना आवेदन समर्पित किया है। उन्होंने बताया कि अंचल अधिकारी को नामांतरण के लिए आवेदन समर्पित किया गया था, जिसे विभिन्न कारण बताते हुए दाखिल खारिज अस्वीकृत कर दिया गया। अपील करने पर भूमि सुधार उप समाहर्ता ने दाखिल खारिज करने के लिए आदेशित किया। बारंबार अनुरोध के बाद भी अंचल कार्यालय द्वारा अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

चिनिया प्रखंड के ग्राम सीदे निवासी ग्रामीण जनता- करीमन कोरवा, राजेश कोरवा, रेशमा देवी, चंदा समद आदि ने सामूहिक रूप से हस्ताक्षरित आवेदन समर्पित करते हुए ग्राम पंचायत बेता के ग्राम सीदे में आंगनवाड़ी सेविका/सहायिका के पद पर चुनाव कराने के लिए ग्रामसभा कराने का अनुरोध किया है। ग्राम पंचायत बेता का ग्राम सीदे आदिम जनजाति बाहुल्य क्षेत्र है। आंगनबाड़ी सेविका/सहायिका का चयन नहीं होने के कारण इस क्षेत्र के गर्भवती महिलाओं को पोषाहार नहीं मिल पा रहा है, जिससे गर्भवती महिलाओं को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

मेराल प्रखंड के दुलदुलवा निवासी रामाधार साह ने सड़क निर्माण में अधिग्रहित किए गए भूमि के विरुद्ध मुआवजा राशि का भुगतान नहीं किए जाने की शिकायत की है।

कुडू थाना में जनता दरबार आयोजित ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गईं

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

लोहरदगा। पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी की अध्यक्षता में कुडू थाना परिसर में जनता दरबार का आयोजन मंगलवार को किया गया। इस दौरान अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी श्रद्धा केरकेट्टा, अंचलाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी कुडू, किस्को अंचल के पुलिस निरीक्षक कुडू थाना प्रभारी अजीत कुमार उपस्थित रहे। जनता दरबार में प्रखंड क्षेत्र के ग्रामीण बड़ी संख्या में शामिल हुए! अपनी समस्या एवं शिकायतों को पुलिस अधीक्षक के समक्ष रखा। पुलिस अधीक्षक ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई कर शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाएगा! प्रशासन आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए सदैव तत्पर है।

संक्षिप्त

भगवान बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

पूर्वी सिंहभूम। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के शहादत दिवस के अवसर पर पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से मंगलवार को साकची स्थित भगवान बिरसा मुंडा प्रतिमा स्थल पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष परविंदर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकताओं और नेताओं ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और उनके संघर्ष, त्याग और बलिदान को याद किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष परविंदर सिंह ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा केवल आदिवासी समाज के महानायक नहीं थे, बल्कि वे देश के स्वतंत्रता संग्राम के एक महत्वपूर्ण योद्धा, समाज सुधारक और जनजागरण के अग्रदूत थे। उन्होंने ब्रिटिश शासन की दमनकारी नीतियों, शोषण और अन्याय के खिलाफ संघर्ष का नेतृत्व किया और जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए ऐतिहासिक आंदोलन खड़ा किया। उन्होंने आदिवासी समाज में फैली सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ भी जागरूकता अभियान चलाया और लोगों को आत्मसम्मान, शिक्षा तथा संगठन की शक्ति का संदेश दिया।

फैसले से नाखुश पक्ष एएसओ को कार्यालय से खींचकर ले गया कमिश्नर कार्यालय

दुमका। गोड्डा जिले के तेतरिया गांव से जुड़े वर्ष 824/2018 के एक भूमि विवाद मामले को लेकर दुमका स्थित बंदोबस्त कार्यालय में जमकर हंगामा हुआ। पीड़ित पक्ष ने असिस्टेंट सेटलमेंट ऑफिसर को अपने कार्यालय से निकालकर कमिश्नर के कार्यालय में खींचकर लाया गया जहां कमिश्नर के सचिव के सामने प्रस्तुत किया गया। पीड़ित पक्ष का टाइटल सूट से जुड़े मामले में एएसओ (सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी) ने विपक्षी पक्ष उदय कृष्ण सिंह के पक्ष में सेटलमेंट स्वीकृत किए जाने से नाराज सुकरी देवी और उनके समर्थक आक्रोशित हो गए। इसी दौरान लोगों ने एएसओ को कार्यालय से बाहर निकालते हुए कमिश्नर कार्यालय तक ले गए। घटना के दौरान एक महिला एएसओ के पैरों पर गिरती हुई भी दिखाई दी कि उनलोगों के साथ न्याय क्यों नहीं हुआ। मामले की गंभीरता को देखते हुए संथाल परगना प्रमंडलीय आयुक्त के सचिव ने नगर थाना प्रभारी और एसडीपीओ को तत्काल कार्यालय बुलाया।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत डालसा का जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

बाल विवाह समाज के विकास में सबसे बड़ी बाधा : शेष नाथ सिंह

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

लातेहार। नालसा एवं झालसा, रांची के निर्देश पर डालसा लातेहार ने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जिले के मनिका, लातेहार, बालुमाथ, बरवाडीह सहित विभिन्न जगहों पर विशेष कानूनी साक्षरता और जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज से बाल विवाह जैसी सामाजिक कुप्रथा को पूरी तरह से समाप्त करना और बाल संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान आम लोगों, ग्रामीणों और स्कूली बच्चों के बीच बाल विवाह निषेध अधिनियम और बच्चों के कानूनी अधिकारों से संबंधित पंपलेट और बुकलेट का वितरण किया गया। इसके माध्यम से समुदाय स्तर पर लोगों को बाल विवाह के खिलाफ आवाज उठाने और इसकी सूचना तुरंत प्रशासन या चाइल्डलाइन को देने के लिए प्रेरित किया गया। इस तरह की कोई भी सूचना मिलने पर नालसा के टॉल फ्री नं 15100 और चाइल्ड हेल्प नं 1098 पर सूचना देने की अपील कि गई। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, डालसा शेष नाथ सिंह ने समाज में बालिकाओं के समान अधिकारों और उनकी सुरक्षा पर बल दिया। उन्होंने कहा- बेटियां समाज की आधारशिला हैं। एक शिक्षित और सुरक्षित बालिका ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकती है। बाल विवाह न केवल एक कानूनी अपराध है, बल्कि यह एक मासूम के बचपन और उसके भविष्य की हत्या है।

श्री सिंह ने कहा कि लातेहार जिले का कोई भी कोना बाल विवाह जैसी कुप्रथा से कलंकित नहीं हो। एक स्वस्थ और समृद्ध समाज के निर्माण के लिए बाल विवाह को जड़ से मिटाना बेहद जरूरी है। जब तक हर नागरिक इस कुप्रथा के खिलाफ जागरूक नहीं होगा, तब तक हम बाल विवाह मुक्त भारत का सपना पूरा नहीं कर सकते। श्री सिंह ने जिला बाल कल्याण समिति, जिला बाल कल्याण पदाधिकारी, सीडीपीओ, जेजेबी, बाल विवाह पदाधिकारी सहित बच्चो से जुडे. सभी विभिगों से साथ मिलकर इस अभियान के तहत कार्य करने का अपील की।

बिरसा मुंडा शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

गढ़वा। भगवान बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर मंगलवार को सामाजिक परिवर्तन केन्द्र के तत्वावधान में संगवरिया स्थित नीलांबर-पीतांबर चौक पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता चन्द्रिका सिंह खरवार ने की। सभा में अनुसूचित जाति एवं जनजाति कर्मचारी संघ के अध्यक्ष रघुराई राम सहित पूर्व जिला परिषद सदस्य विरेन्द्र साव, शिक्षक भरदूल राम, मनी सिंह, सुभाष कुमार रवि, सुबेश्वर राम, बसपा प्रखंड अध्यक्ष उमाशंकर राम सहित अन्य लोगों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में संजय राम, अम्बिका सिंह, अमित कुमार, बुद्धप्रिय रंजन, जय प्रकाश कुमार, कर्मदेव राम, रामबली पासवान, नीलांबर-पीतांबर युवा क्लब के अध्यक्ष चंदेश्वर सिंह, सतीश कुमार, प्रभात कुमार सिंह, प्रमोद कुमार, रमय सिंह, अंकित कुमार, ब्रह्म प्रकाश सिंह, गणेश कुमार, मनोज सिंह, उपेन्द्र सिंह, राकेश सिंह, सूरज कुमार, मिथलेश कुमार चंद्रवंशी, अंकित कुमार साव सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन युवा नेता कुन्दन कुमार चंद्रवंशी ने किया।

मेयर संजीव सिंह ने जिप सदस्य के कार्यालय का किया उद्घाटन

धनबाद। तेतुलमारी टाउनशिप में जिला परिषद सदस्यत इजराफिल अंसारी के कार्यालय का उद्घाटन मेयर संजीव सिंह ने किया। इस अवसर पर मेयर ने बताया स्थानीय ग्रामीणों की सुविधा के लिए जिला परिषद कार्यालय का उद्घाटन किया गया है। यहां हर प्रकार की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। लोग अपनी शिकायत व समस्या लेकर इस कार्यालय में रख सकते हैं। मौके पर जिला परिषद सदस्यव इजराफिल अंसारी, आजाद मुखिया, भीमलाल रजक , राम रहीम,जिप सदस्य दिलीप चौधरी, समेत सैकड़ो ग्रामीण उपस्थित रहे।

रामपुर गोलीकांड के मुख्य आरोपित ने कोर्ट में किया सरेंडर

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पलामू। पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के रामपुर गोलीकांड के मुख्य आरोपित मंटू सिंह ने मंगलवार सुबह पलामू सिविल कोर्ट में सरेंडर कर दिया। पुलिस अब मंटू सिंह को रिमांड पर लेने की तैयारी में है। चैनपुर के थाना प्रभारी लालजी ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि मंटू सिंह को रिमाइंड पर लेकर मामले में पूछताछ की जाएगी। उल्लेखनीय है कि 23 मई को रामपुर में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। इस क्रम में गोली चलाए जाने से सिकंदर चौधरी नामक युवक की मौत हो गई थी, जबकि तीन लोग जख्मी हुए थे। इस संबंध में 17 लोगों के खिलाफ नामजद, जबकि 25 अन्य अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। इसी क्रम में मुख्य आरोपित मंटू सिंह ने न्यायालय में सरेंडर कर दिया। रामपुर गोलीकांड का मामला काफी हाई प्रोफाइल हो गया है। इस मामले में आरोपितों की गिरफ्तारी सहित अन्य मांगों को लेकर कई स्तरों पर आंदोलन किया जा चुका है। दोनों पक्षों के बीच काफी तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है।

उपायुक्त ने किया चाइल्ड केयर संस्थान समर्पण का औचक निरीक्षण

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

लोहरदगा। उपायुक्त संदीप कुमार मीना सदर प्रखंड के कुटमु स्थित चाइल्ड केयर संस्थान समर्पण का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उपायुक्त ने वहां विभिन्न आयु वर्ग के बच्चों के लिए उपलब्ध कमरों, शयन कक्ष, संस्थान का कार्यालय, परिसर आदि का निरीक्षण किया। कार्यरत मानव बल समेत अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं की गहन जानकारी ली। उपायुक्त ने बाल कल्याण समिति की चेयरपर्सन, संस्थान की अधीक्षक समेत सभी उपस्थिति कर्मियों के साथ बैठक कर संस्थान में बच्चों के ठहराव, उनकी काउंसेलिंग, उनका पठन-पाठन, रोस्टर के अनुसार शिक्षकों की स्थिति, बच्चों की सुरक्षा, बेड की व्यवस्था समेत अन्य निर्देश दिये। इस अवसर अवसर पर जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी बीरेंद्र कुमार, अनुरंजन कुमार, बाल कल्याण समिति की चेयरपर्सन कुंती देवी, समर्पण की अधीक्षक पूनम साहू व अन्य कर्मी उपस्थित थे।

कांड्रा चेक पोस्ट पर चला सघन वाहन जांच अभियान, चालकों को किया गया जागरूक

सरायकेला-खरसावां। जिला उपायुक्त के निर्देश पर मंगलवार को कांड्रा चेक पोस्ट पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व डीआरडीए निदेशक सह जिला परिवहन पदाधिकारी अजय तिर्की ने किया। इस दौरान सड़क सुरक्षा टीम एवं यातायात पुलिस ने संयुक्त रूप से विभिन्न वाहनों की जांच की। अभियान के तहत बस, टैक्सी, निजी कार एवं व्यावसायिक वाहनों की बारीकी से जांच की गई। अधिकारियों ने वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस, फिटनेस, परमिट, बीमा, प्रदूषण प्रमाण पत्र तथा सीट बेल्ट के उपयोग समेत मोटर वाहन अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के अनुपालन की जांच की। जांच के दौरान वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करते हुए यातायात नियमों का शत-प्रतिशत पालन करने की अपील की गई। अधिकारियों ने ओवरलोडिंग, तेज रफ्तार, बिना वैध दस्तावेज वाहन संचालन तथा अन्य नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी। जिला प्रशासन ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा आमजन में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से इस प्रकार के जांच एवं जागरूकता अभियान लगातार चलाए जा रहे हैं।

साधु बनकर ठगी करने वाले तीन आरोपित गिरफ्तार

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

हजारीबाग। जिले के बड़ा बाजार ओपी क्षेत्र के हुरहुरू में एक महिला से साधु के भेष में सोने के जेवर ठगकर फरार हुए तीन शातिर अपराधियों को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान रोहतास जिले के अमझोर थाना क्षेत्र निवासी मलेट्री लाठौर, अखिलेश लाठौर और तितई लाठौर के रूप में हुई है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपितों के पास से ठगे गए सोने के जेवर और अन्य सामान भी बरामद किए हैं। सदर, हजारीबाग के एसडीपीओ रूपक कुमार सिंह ने बताया कि 08 जूनको हुरहुरू निवासी गुड़िया देवी के पति ने पुलिस को सूचना दी थी कि तीन व्यक्ति साधु के वेश में उनके घर आए और धार्मिक बातों में उलझाकर उनकी पत्नी से सोने का जेवर (जीतिया) ठगकर फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस के वरीय अधिकारियों को मामले की जानकारी दी गई, जिसके बाद उनके निर्देश पर एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच की और स्थानीय लोगों से पूछताछ के आधार पर संदिग्धों की तलाश शुरू की। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि तीन संदिग्ध साधु एक ऑटो में सवार होकर भाग रहे हैं। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए क्षितिज अस्पताल के पास वाहन की घेराबंदी कर तीनों संदिग्धों को पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान उनके जवाब संदिग्ध पाए जाने पर पुलिस ने तलाशी ली। तलाशी में गुड़िया देवी से ठगा गया सोने का जीतिया, मोती लगा माला और सोने जैसे दिखने वाले सात छोटे-छोटे लॉकेट बरामद हुए। इसके बाद तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया।

क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर जिप सदस्य ने किया प्रदर्शन

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम। जिला परिषद सदस्य संख्या-9 पूर्णिमा मलिक ने मंगलवार को अपने क्षेत्र की बुनियादी समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर उपायुक्त कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया। उन्होंने परसुडीह, हरहरगुट्टू और करनडीह इलाके में सफाई व्यवस्था, सड़क निर्माण और जल निकासी से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप करने की अपील की। पूर्णिमा मलिक ने कहा कि इन क्षेत्रों में लंबे समय से सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं है, जिसके कारण जगह-जगह कचरा जमा हो रहा है। साथ ही नालों की नियमित सफाई नहीं होने से कई स्थानों पर जलजमाव और गंदे पानी के बहाव की समस्या उत्पन्न हो गई है। उन्होंने मांग की कि बागबेड़ा की तरह परसुडीह, हरहरगुट्टू और करनडीह में भी जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति के माध्यम से नियमित सफाई व्यवस्था लागू की जाए। उन्होंने बरसात के मौसम को देखते हुए जुगसलाई नगर परिषद से विशेष स्वच्छता अभियान चलाने की भी मांग की। उन्होंने शीतला चौक से व्यंगबिल तक प्रस्तावित सड़क निर्माण कार्य में हो रही देरी पर भी चिंता व्यक्त की। उनका कहना था कि लगभग तीन वर्ष पूर्व इस सड़क का शिलान्यास किया गया था, लेकिन अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है। सड़क की खराब स्थिति के कारण लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। उन्होंने बरसात शुरू होने से पहले सड़क निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान पूर्णिमा मलिक ने कहा कि क्षेत्रवासियों की समस्याओं को लगातार प्रशासन के समक्ष रखा जा रहा है, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं निकाला गया तो स्थानीय लोगों के सहयोग से व्यापक जनआंदोलन शुरू किया जाएगा।

बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर डीसी व एसपी ने किया माल्यार्पण

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

लोहरदगा। स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर मंगलवार को श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त संदीप कुमार मीना एवं पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी सहित जिले के अन्य पदाधिकारी ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।

पदाधिकारियों ने जिले में शंख नदी के समीप स्थित और पुराना समाहरणालय परिसर में स्थापित भगवान बिरसा मुण्डा की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उनके संघर्ष, त्याग और राष्ट्र के प्रति योगदान को स्मरण किया। कहा कि उनका जीवन आज भी समाज को अन्याय के विरुद्ध संघर्ष तथा अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त राज महेश्वरम, परियोजना निदेशक आइटीडीए सुषमा नीलम सोरेंग, अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार समेत विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

पलामू में बढ़े हुए किराए की सूची जारी

11 जून से नन एसी बस रांची का किराया 350 और एसी बस के लिए 425 रुपए

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पलामू। पलामू जिला ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने बढे.हुए किराए की नई सूची जारी कर दी है। इसकी जानकारी देते हुए पलामू जिला ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष रुद्र प्रताप सिंह ने मंगलवार को बताया कि बढ़े हुए किराया की सूची उपायुक्त और सदर एसडीएम को उपलब्ध करा दिया गया है। उन्होंने बताया कि 11 जून से किराया वसूल किए जाएंगे। एसोसिएशन के सचिव सत्येंद्र सिंह उर्फ मंगल सिंह ने बताया डालटनगंज से रांची का किराया 300 की जगह अब 350, रूपए और एसी बस का कराया 425 रुपए लिए जाएंगे। चंदवा के लिए 160 की जगह अब 185, लातेहार 112 की जगह अब 130, मनिका 70 की जगह अब 80, सतबरवा के लिए 50 की जगह अब 58 रुपए वसूल किए जाएंगे। इसी तरह डालटनगंज से लेस्लीगंज 32 की जगह अब 37, पांकी 80 की जगह अब 92, लोहरसी 93 की जगह अब 107, बहेरा 96 की जगह अब 110 रुपए वसूल किए जाएंगे। इसी तरह डालटनगंज से पाटन 50 की जगह 58, नावाजयपुर 70 की जगह 80, किसुनपुर 52 की जगह 60, मनातू 105 की जगह 120, चक 122 की जगह 140, बगेईया 80 की जगह 92 रुपए किराया वसूल किए जाएंगे। इसी तरह डालटनगंज से छतरपुर 80 की जगह 92, जपला 131 की जगह 150, हैदरनगर 142 की जगह 163, हरिहरगंज 122 की जगह 140, अम्बा 135 की जगह 155, औरंगाबाद 170 की जगह 195, डेहरी 215 की जगह 248, सासाराम 245 की जगह 282 रुपए किराया वसूल किए जाएंगे। इसी तरह डालटनगंज से कुटमु 35 की जगह 40, बरवाडीह 52 की जगह 60 डालटनगंज से मंडल 105 की जगह 121, बेतला 45 की जगह 52, छिपादोहर 70 की जगह 80, गारु 100 की जगह 115, महुंआडांड 182 की जगह 210, चटकपुर 200 की जगह 230, नेतरहाट 250 की जगह 287 रुपए भाड़ा लिए जाएंगे।

भारतमाला परियोजना के खिलाफ ग्रामीणों का हंगामा

प्रदूषण और मजदूरी को लेकर जताई नाराजगी

प्रदूषण मानकों की अनदेखी का आरोप, सुरक्षा व्यवस्था पर भी उठे सवाल

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

हंटरगंज। प्रखंड की बलूरी पंचायत अंतर्गत दुदु गांव में चल रहे भारतमाला परियोजना के कार्यों को लेकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। ग्रामीणों ने प्रदूषण, गंदगी, मजदूरी भुगतान तथा सुरक्षा व्यवस्था की कमी को लेकर विरोध जताते हुए संबंधित एजेंसी और प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि परियोजना में लगे भारी वाहनों के लगातार आवागमन से गांव में धूल का गुबार उड़ रहा है, जिससे लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। सड़क किनारे रहने वाले परिवारों का कहना है कि दिनभर धूल के कारण उनका जीवन प्रभावित हो रहा है और बच्चों, बुजुर्गों तथा मरीजों के स्वास्थ्य पर इसका प्रतिकूल असर पड़ रहा है। ग्रामीणों ने ध्वनि प्रदूषण का मुद्दा भी उठाया। उनका कहना है कि दिन-रात चल रहे वाहनों और मशीनों के शोर से लोगों की नींद प्रभावित हो रही है।

संक्षिप्त

ट्रैक्टर के इंजन पलटने से चालक की मौत

चतरा। सदर थाना क्षेत्र के अंतर्गत लोवागड़ा में मिट्टी भरने के क्रम में अचानक ट्रैक्टर का इंजन उठ गया। जिससे चालक दब गया और उसकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई। मृतक की पहचान लोवागड़ा गांव के विजय दांगी के पुत्र मनीष कुमार बताया जा रहा है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जबकि पूरे गांव में शोक की मातम है

अज्ञात ट्रक की चपेट में आने से युवक की मौत, चालक फरार

चतरा। जिले के प्रतापपुर थाना क्षेत्र के जमुआ में मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में अज्ञात ट्रक की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, घटना की सूचना मिलते ही प्रतापपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रतापपुर पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। लेकिन अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान बिहार के बाराचट्टी निवासी बबलू कुमार सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह प्रतापपुर में एक लॉन कंपनी में कार्यरत थे। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं पुलिस मामले की जांच में जुट गई है तथा फरार ट्रक और चालक की तलाश की जा रही है।

महिला का पर्स छीनकर भाग रहे दो अपराधी गिरफ्तार

धनबाद। धनबाद में सरायढेला पुलिस ने झपटमारी की एक घटना का त्वरित खुलासा करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अपराधी के पास से बाइक, लूटे गए पर्स और उसमें रखा रुपया और दो मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया है। मंगलवार को इस संबंध जानकारी देते डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर प्रकाश सोय ने बताया कि सरायढेला थाना प्रभारी मंजीत कुमार को सूचना मिली कि बिना नंबर की पल्सर बाइक पर सवार दो युवक एक महिला का लेडीज पर्स छीनकर फरार हो रहे हैं। पीड़िता जोशना देवी, जो राजगंज थाना क्षेत्र के बगदाहा गांव की रहने वाली हैं।

गृह रक्षक बहाली रिकॉर्ड समय में पूरी, औपबंधिक मेधा सूची जारी

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

धनबाद। धनबाद में गृह रक्षकों की नव-नामांकन प्रक्रिया को रिकॉर्ड समय में पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और कदाचार मुक्त तरीके से संपन्न कर लिया गया है। झारखंड गृह रक्षा वाहिनी, धनबाद के तत्वावधान में संचालित इस बहाली प्रक्रिया की औपबंधिक मेधा सूची जारी कर दी गई है। उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देश पर संचालित इस भर्ती अभियान के तहत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के योग्य महिला एवं पुरुष अभ्यर्थियों के चयन के लिए औपबंधिक मेधा सूची जिला प्रशासन की वेबसाइट पर प्रकाशित की गई है। इस बार की भर्ती प्रक्रिया तकनीकी सुगमता और कड़े प्रशासनिक नियंत्रण के कारण विशेष रूप से चर्चा में रही। शारीरिक जांच परीक्षा और हिन्दी लेखन क्षमता परीक्षा में हजारों अभ्यर्थियों ने भाग लिया। पूरी प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा और निष्पक्षता के ऐसे पुख्ता इंतजाम किए गए कि किसी भी प्रकार की अनियमितता या कदाचार की एक भी शिकायत सामने नहीं आई। शारीरिक और लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की तकनीकी दक्षता जांच के लिए विषय विशेषज्ञों की टीम की ओर से विशेष परीक्षा आयोजित की गई। इसके बाद सभी अभ्यर्थियों की योग्यताओं और अर्हताओं की समीक्षा कर ग्रामीण और शहरी श्रेणी की अंतिम संशोधित औपबंधिक मेधा सूची पोर्टल पर अपलोड की गई। उपायुक्त आदित्य रंजन ने इस सफल और पारदर्शी बहाली प्रक्रिया के लिए सभी अधिकारियों, तकनीकी विशेषज्ञों, पुलिस बल और परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। हालांकि जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह केवल औपबंधिक चयन सूची है। दस्तावेज सत्यापन, चरित्र सत्यापन या चिकित्सीय जांच में किसी भी प्रकार की त्रुटि या अयोग्यता पाए जाने पर संबंधित अभ्यर्थी की उम्मीदवारी किसी भी स्तर पर रद्द की जा सकती है।

एसआईआर को लेकर कांग्रेस की बैठक आयोजित

मतदाताओं को जागरूक करने का आह्वान

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

चाईबासा। प्रस्तावित जिला कांग्रेस कमिटी ,प०सिंहभूम की निर्धारित मासिक बैठक कांग्रेस जिलाध्यक्ष रंजन बोयपाई की अध्यक्षता में मंगलवार को कांग्रेस भवन, चाईबासा में हुई। कांग्रेसियों ने सर्वप्रथम धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन कर विनम्र श्रद्धासुमन अर्पित किया। पिछला बैठक की सम्पुष्टि , एसआईआर तथा संगठन के व्यापक हित से संबंधित चर्चा की गई। बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश महासचिव संगठन एवं प्रशिक्षण सुनीत शर्मा , प्रदेश महासचिव सह जिला प्रभारी धर्मेन्द्र सोनकर उपस्थित थे। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश महासचिव संगठन एवं प्रशिक्षण सुनीत शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत मतदाता होता है। इसलिए प्रत्येक पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में शामिल होना और किसी भी योग्य मतदाता का नाम सूची से वंचित नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि एसआईआर अभियान के माध्यम से मतदाता सूची को और अधिक पारदर्शी एवं त्रुटिरहित बनाया जा रहा है। कांग्रेस के पदाधिकारियों और कार्यकताओं की जिम्मेदारी है।

चंपाई सोरेन की बेटी दुखनी सोरेन ने भगवान बिरसा मुंडा को दी श्रद्धांजलि

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि के अवसर पर मंगलवार को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन की पुत्री दुखनी सोरेन भाजपा नेता सुबोध झा और सहयोगियों के साथ भुईयांडीह स्थित बिरसा मुंडा चौक पहुंचीं। यहां उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद दुखनी सोरेन अपने समर्थकों के साथ भुईयांडीह स्थित झारखंड आंदोलनकारी और पूर्व मंत्री दुलाल भुईयां के आवास पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने दुलाल भुईयां से शिष्टाचार मुलाकात कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। मुलाकात के दौरान क्षेत्र के सामाजिक, राजनीतिक और जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। पूर्व मंत्री दुलाल भुईयां ने दुखनी सोरेन का अंगवस्त्र देकर स्वागत किया।

स्वास्थ्य विभाग के राज्यस्तरीय टीम ने रेफरल हॉस्पिटल तोरपा का किया औचक निरीक्षण

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

तोरपा/खूंटी। स्वास्थ्य विभाग के राज्य स्तरीय टीम ने औचक निरीक्षण कर वेक्टर बोर्न डिजिज (वीबीडी)के तहत चल रहे कार्यों का रेफरल हॉस्पिटल तोरपा,खूंटी में औचक निरीक्षण किया । उक्त निरीक्षण के क्रम में तोरपा खास के शांति नगर और बांस टोली में चल रहे कीटनाशी छिड़काव का जायजा लिया गया । निरीक्षण के क्रम में विभिन्न घरों का निरीक्षण किया गया साथ ही साथ ग्रामीणों से मच्छर जनित रोगों से बचने के उपाय भी राज्य के टीम के द्वारा ग्रामीणों को बतलाया गया । इसके बाद राज्य की टीम के द्वारा रेफरल हॉस्पिटल तोरपा के लैब का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के क्रम में लैब में संधारित मलेरिया रजिस्टर से मलेरिया पॉजिटिव आए मलेरिया रोगियों से टेलीफोनिक वातार्लाप कर उनसे जांच के बारे में जानकारी लिया गया। इसके अलावा स्टॉक रजिस्टर का भी जांच किया गया। निरीक्षण में राज्य से आई कंसल्टेंट साग्या सिंह और नीलम सिंह ने तोरपा,खूंटी में चल रहे वैक्टर बॉर्न डिजीज के कार्यों की सराहना की साथ ही तोरपा में पदस्थापित सभी बहुउद्देशीय कार्यकर्ता(पुरुष) के टीम के कार्यों की सराहना करते हुए सभी कर्मियों के बधाई दी। उन्होंने कहा कि इसी तरह टीम वर्क करते हुए टास-2 क्वालीफाई करवाने की बात पर जोर दिया। राज्य स्तरीय टीम के द्वारा रेफरल हॉस्पिटल तोरपा,खूंटी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी से भी मुलाकात के क्रम में वीबीडी की कार्यों की सराहना उनके द्वारा किया गया । कार्यक्रम में जिले से बीबीडी कंसल्टेंट अनुप्रिया होरो, रेफरल हॉस्पिटल तोरपा अंतर्गत पद स्थापित सभी बहुउद्देशीय कार्यकर्ता पवन कुमार, बीरेंद्र महली, कुणाल कुमार, अरुण कुमार, शिवनारायण महतो, सहिया पार्वती देवी एवं एमटीएस स्वप्निल टोपनो टीम के साथ क्षेत्र भ्रमण में शामिल थे।

टाटा स्टील ने किया फुल स्केल इमरजेंसी एक्सरसाइज का आयोजन

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम। टाटा स्टील एविएशन सर्विसेज ने मंगलवार को जमशेदपुर के सोनारी स्थित एयरपोर्ट पर फुल स्केल इमरजेंसी एक्सरसाइज (एफएसईई) का सफल आयोजन किया। यह अभ्यास नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) की ओर से निर्धारित सिविल एविएशन रिक्वायरमेंट्स (सीएआर) के अनुरूप संपन्न कराया गया। जमशेदपुर एयरपोर्ट एक लाइसेंस प्राप्त सार्वजनिक उपयोग श्रेणी का एयरोड्रोम है, जिसका संचालन टाटा स्टील एविएशन की ओर से किया जाता है। नियामक प्रावधानों के तहत एयरपोर्ट पर समय-समय पर फुल स्केल इमरजेंसी एक्सरसाइज आयोजित की जाती है, ताकि आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों का आकलन किया जा सके और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वित प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जा सके। इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य एयरपोर्ट की आपातकालीन प्रतिक्रिया योजनाओं की प्रभावशीलता का परीक्षण करना, विभिन्न हितधारकों के बीच समन्वय की जांच करना था। इसके साथ ही वास्तविक परिस्थितियों में बेहतर प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए सुधार के संभावित क्षेत्रों की पहचान भी की गई। मॉक ड्रिल में जिला प्रशासन के प्रतिनिधियों, पुलिस विभाग, एयरपोर्ट सुरक्षा कर्मियों, टाटा स्टील फायर एंड सिक्योरिटी सर्विसेज, नगर अग्निशमन विभाग, सरकारी स्वास्थ्य एजेंसियों, टाटा मेन हॉस्पिटल की चिकित्सा टीमों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। अभ्यास के दौरान मीडिया प्रबंधन की जिम्मेदारी टाटा स्टील के कॉरपोरेट कम्युनिकेशन विभाग ने संभाली। पूरे मॉक ड्रिल की योजना, संचालन और निगरानी टाटा स्टील के सीनियर एग्जीक्यूटिव एविएशन ऑपरेशंस केके पांडेय के नेतृत्व में की गई। अभ्यास के दौरान प्राप्त अनुभवों और अवलोकनों के आधार पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी, जिसे समीक्षा और अनुपालन के लिए डीजीसीए को सौंपा जाएगा।

विकास के दावों के बीच आज भी चुआं का दूषित पानी पीने को विवश हेमरा के ग्रामीण

चतरा के हेमरा में नल जल योजना बनी हाथी का दांत अधिकारी उदासीन

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

चतरा। विकास के बड़े-बड़े दावों के बीच आज भी जिले में पेयजल की समस्या से दूर दराज के ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रामीणों को दो-चार होना पड़ता है। विकास की बड़ी-बड़ी बातें की जाती है मगर आम जनमानस तक विकास पहुंचते पहुंचते योजनाएं बीच रास्ते में दम तोड़ देती है। ऐसी ही एक बानगी कान्हाचट्टी प्रखंड क्षेत्र के राजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत हेमरा गांव का है जहां आज भी पेयजल की समस्या ग्रामीणों के लिए यक्ष प्रश्न बनी हुई है। 100 घरों की इस बस्ती में लगभग 650 लोगों की आबादी रहती है जो ग्रीष्म के इस भीषण गर्मी में पेयजल की समस्या से जूझ रही है। इस गांव के लोग आज भी चुएं के पानी से अपनी दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

टंडवा में ट्रांसपोर्टिंग रोड के समर्थन में उमड़ा रैयतों का सैलाब, झामुमो नेता बोले- विरोध करने वाले दलाल सुधर जाएं

चतरा। टंडवा में एनटीपीसी केरेडारी कोल माइंस से वृन्दा मुख्य सड़क तक निमार्णाधीन कोयला ट्रांसपोर्टिंग रोड का विवाद गहरा गया है। दो दिन पूर्व हुए विरोध प्रदर्शन के जवाब में सोमवार को आधा दर्जन गांवों के रैयतों ने वृन्दा देवी मंडप के पास एक विशाल महाजुटान सह ग्रामसभा का आयोजन किया। इस महासभा में स्थानीय किसानों और पंचायत प्रतिनिधियों ने एक स्वर में रोड निर्माण का पुरजोर समर्थन किया ।ग्रामसभा की अध्यक्षता कबरा पंचायत के मुखिया सह झामुमो जिला अध्यक्ष नीलेश उर्फ सोनू सिन्हा ने की, जिसमें टंडवा अंचलाधिकारी (सीओ) गौरव राय भी शामिल हुए। कढमदीरी, सिसय, उरदा, खधैया, वृन्दा और गोपदा गांव के प्रभावित किसानों ने कहा कि इस रोड के बनने से इलाके में रोजगार के नए दरवाजे खुलेंगे। सभा को संबोधित करते हुए झामुमो जिला अध्यक्ष नीलेश सिन्हा विरोधियों पर जमकर बरसे। उन्होंने दो टूक चेतावनी देते हुए कहा कि रोड का विरोध करने वाले दलाल वक्त रहते सुधर जाएं, वरना रैयत उन्हें खदेड़ देंगे। मौके पर मौजूद टंडवा सीओ गौरव राय ने साफ किया कि रैयती जमीन पर सड़क निर्माण के लिए किसान पूरी तरह स्वतंत्र हैं, बशर्ते सरकारी जमीन आने पर नियमानुसार मुआवजा देना होगा। दरअसल, एनटीपीसी द्वारा 800 करोड़ की लागत से कोयला डिस्पैच करने की इस योजना का ठेका जेआरएल ट्रांसपोर्ट कंपनी के पास है। कंपनी ने साढ़े पांच किलोमीटर की सड़क के लिए 300 किसानों से 11 साल की लीज पर जमीन ली है। वहीं, नक्कास कंपनी भी इसी क्षेत्र में सक्रिय है। जमीन लीज और ठेके के इसी कॉरपोरेट वर्चस्व के चलते क्षेत्र में भारी गुटबाजी और विरोध का दौर चल रहा है।

स्पीड ब्रेकर को लेकर पुलिस ने लगाया इम वाहन चालकों से नियम बरतने की अपील

गिद्धौर (चतरा)। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने एवं घनी आबादी वाले क्षेत्रों में वाहनों की गति नियंत्रित करने के उद्देश्य से गिद्धौर पुलिस ने थाना परिसर के समीप तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पास बनाए गए स्पीड ब्रेकर पर चेतावनी स्वरूप इम लगवाया है। इससे वाहन चालकों को दूर से ही स्पीड ब्रेकर की जानकारी मिल सकेगी और दुर्घटनाओं की संभावना कम होगी। मंगलवार को गिद्धौर थाना क्षेत्र में चलाए गए सघन वाहन जांच अभियान के दौरान पुलिस ने दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों के कागजातों की जांच की ।अभियान के दौरान वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट पहनकर बाइक चलाने तथा चारपहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने के लिए जागरूक किया गया ।पुलिस अधिकारियों ने कहा कि यातायात नियमों का पालन कर ही सड़क दुर्घटनाओं को काफी हद तक रोका जा सकता है ।थाना प्रभारी पुरुषोत्तम अग्निहोत्री ने बताया कि थाना क्षेत्र में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं एवं घनी आबादी वाले इलाकों में लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्पीड ब्रेकर पर इम लगाए गए हैं, ताकि वाहन चालक पहले से सतर्क हो सकें ।उन्होंने कहा कि यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले एवं तेज गति से वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी ।उन्होंने आम लोगों से सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने तथा सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने की अपील की। पुलिस द्वारा आगे भी नियमित रूप से वाहन जांच अभियान चलाया जाएगा।

संपादकीय

संदेश की राजनीति...

राज्यसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा के साथ ही राजनीतिक दलों की प्राथमिकताएं और भविष्य की रणनीतियां भी सामने आने लगी हैं। भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस, दोनों ने जिन नामों पर भरोसा जताया है, वे केवल संसदीय प्रतिनिधित्व का प्रश्न नहीं हैं, बल्कि राजनीतिक संदेश, सामाजिक समीकरण और संगठनात्मक प्राथमिकताओं का भी प्रतिबिंब हैं। यही कारण है कि राज्यसभा की यह चुनावी प्रक्रिया राष्ट्रीय राजनीति में विशेष महत्व रखती है। भाजपा ने अपनी सूची में संगठन के प्रति समर्पित नेताओं के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक और क्षेत्रीय वर्गों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने का प्रयास किया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि पार्टी केवल वर्तमान राजनीतिक स्थिति को बनाए रखने पर नहीं, बल्कि भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखकर अपने आधार का विस्तार करने की दिशा में काम कर रही है। विशेष रूप से गुजरात, राजस्थान और पूर्वोत्तर राज्यों में उम्मीदवारों का चयन सामाजिक संतुलन और राजनीतिक संदेश दोनों को साधने वाला दिखाई देता है। ओडिशा में हाल ही में भाजपा में शामिल हुए देबाशीष सामंतराय को उम्मीदवार बनाना इस चुनाव का सबसे चर्चित फैसला है। यह निर्णय बताता है कि भाजपा क्षेत्रीय दलों के प्रभाव वाले राज्यों में अपनी राजनीतिक पैठ बढ़ाने के लिए आक्रामक रणनीति अपना रही है। यह केवल एक उम्मीदवार का चयन नहीं, बल्कि यह संकेत भी है कि भाजपा भविष्य में ओडिशा की राजनीति में और अधिक निर्णायक भूमिका निभाना चाहती है। दूसरी ओर, कांग्रेस ने अनुभवी और संगठन से जुड़े नेताओं पर भरोसा जताया है। मल्लिकार्जुन खरगे को दोबारा राज्यसभा भेजना नेतृत्व की स्थिरता का प्रतीक है, जबकि पवन खेड़ा और मीनाक्षी नटराजन जैसे नेताओं को अवसर देकर पार्टी ने यह संदेश दिया है कि वह संगठनात्मक मजबूती और वैचारिक प्रतिबद्धता को महत्व देती है। कांग्रेस के लिए यह चुनाव केवल सीटों का नहीं, बल्कि अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता को मजबूत करने का भी अवसर है। राजनीतिक दृष्टि से भाजपा के कुछ मौजूदा केंद्रीय मंत्रियों को दोबारा राज्यसभा उम्मीदवार नहीं बनाए जाने का निर्णय भी महत्वपूर्ण है। इससे यह संकेत मिलता है कि पार्टी आने वाले समय में संगठन और सरकार दोनों स्तरों पर बदलाव की तैयारी कर सकती है। भारतीय राजनीति में ऐसे फैसले अक्सर बड़े राजनीतिक संकेत लेकर आते हैं और इनके प्रभाव का आकलन आने वाले महीनों में होगा। राज्यसभा में भाजपा और उसके सहयोगी दलों की स्थिति पहले से मजबूत है, फिर भी पार्टी सीटों के चयन में पूरी सावधानी बरत रही है। इसका कारण केवल संख्याबल बढ़ाना नहीं, बल्कि विभिन्न राज्यों में राजनीतिक विस्तार और सामाजिक आधार को मजबूत करना है।

दुनिया के 3.4 अरब लोगों के पास नहीं है सुरक्षित घर

देवेंद्रराज सुथार

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट ने ऐसी वैश्विक समस्या की ओर ध्यान आकर्षित किया है, जो तेजी से आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक संकट का रूप लेती जा रही है। इसके अनुसार विश्व की लगभग 40 फीसद आबादी, यानी लगभग 3.4 अरब लोग सुरक्षित, पर्याप्त और किफायती आवास से वंचित हैं। इनमें से एक अरब से अधिक लोग कच्ची बस्तियों, झुग्गी-झोपड़ियों अथवा अत्यंत खराब आवासीय परिस्थितियों में जीवनयापन के लिए विवश हैं। यह स्थिति तब है जब दुनिया तकनीकी प्रगति, आर्थिक विकास और शहरी विस्तार का दावा कर रही है। स्पष्ट है कि विकास की चमक के पीछे एक बड़ा वर्ग ऐसा है, जिसके सिर पर छत तक नहीं है। संयुक्त राष्ट्र की विश्व शहर रिपोर्ट 2026इ का विषय वैश्विक आवास संकट- कार्रवाई के मार्गइ है। यह विषय केवल शहरी नियोजन का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता, पर्यावरणीय स्थिरता और मानवीय गरिमा से जुड़ा हुआ है। आवास का संकट अब केवल गरीब देशों तक सीमित नहीं है। विकसित देशों में भी घरों की कीमतों, बढ़ते किराए और सीमित आवास उपलब्धता ने लाखों लोगों को प्रभावित किया है। इसलिए आज आवास को केवल एक संपत्ति या आर्थिक वस्तु के रूप में नहीं, बल्कि एक बुनियादी मानव अधिकार के रूप में देखने की जरूरत है। भारत के संदर्भ में यह रिपोर्ट विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण है। भारत विश्व की सबसे तेजी से शहरीकरण करने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। संयुक्त राष्ट्र के अनुमानों के अनुसार 2050 तक भारत की लगभग आधी आबादी शहरों में निवास करेगी। वर्तमान में भी करोड़ों लोग बेहतर रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन की संभावनाओं की तलाश में गांवों से शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। मगर शहरी अवसंरचना और आवासीय योजनाएं तेजी से बढ़ती आबादी की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित नहीं हो पाई हैं। ऐसे में एक ओर गगनचुंबी इमारतें खड़ी हो रही हैं, वहीं दूसरी ओर लाखों लोग झुग्गी-झोपड़ियों और अस्थायी बस्तियों में रहने के लिए मजबूर हैं।

> *अन्नामलाई ने अपने नए आंदोलन वी द लीडर की घोषणा करते हुए साफ कर दिया कि उनका उद्देश्य केवल एक और राजनीतिक दल खड़ा करना नहीं, बल्कि राजनीति की भाषा और संस्कृति को बदलना है। उन्होंने परिवारवाद और व्यक्तिपूजा की राजनीति पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि किसी भी विधायक, सांसद या मंत्री का पद स्थायी नहीं होना चाहिए। यह बयान तमिलनाडु की उस परंपरागत राजनीति पर करारा प्रहार है जिसमें कुछ परिवारों और सीमित चेहरों के इर्दगिर्द सत्ता घूमती रही है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अन्नामलाई ने राजनीति में तकनीकी विशेषज्ञों, युवाओं और सामान्य नागरिकों की भागीदारी पर जोर दिया है। उन्होंने युवाओं से राजनीति में आने की अपील करते हुए कहा कि अब आम आदमी की नई पीढ़ी की राजनीति की नींव रखी जा रही है।*

एक सच यह भी है कि कई लोग अपने लिए घर खरीदने की स्थिति में भी नहीं हैं। वैश्विक स्तर पर मकान की कीमत और आय का अनुपात लगातार बढ़ रहा है। वर्ष 2010 में जहां यह अनुपात 9.3 था, वहीं 2023 में यह बढ़कर 11.2 हो गया। मध्य और दक्षिण एशिया में यह आंकड़ा 16.8 तक पहुंच चुका है। इसका अर्थ यह है कि औसत आय वाले व्यक्ति के लिए घर खरीदना पहले की तुलना में कहीं अधिक कठिन हो गया है। भारतीय महानगरों में स्थिति और भी गंभीर है। मुंबई और दिल्ली जैसे शहरों में संपत्ति की कीमतें सामान्य आय वाले परिवारों की पहुंच से बाहर होती जा रही हैं। जमीन की बढ़ती कीमतों, निर्माण लागत और निवेश आधारित रियल एस्टेट मॉडलइ ने आवास को बुनियादी आवश्यकता से अधिक निवेश का माध्यम बना दिया है। आवासीय असमानता का प्रभाव केवल घर खरीदने तक सीमित नहीं है। विश्व के लगभग 44 फीसद परिवार अपनी आय का 30 फीसद से अधिक हिस्सा आवास पर खर्च कर रहे हैं। यह स्थिति परिवारों की वित्तीय स्थिरता को प्रभावित करती है। जब आय का बड़ा हिस्सा किराये या गृह ऋण की किस्तों में खर्च हो जाता है, तब शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और अन्य आवश्यक जरूरतों पर खर्च सीमित हो जाता है। इससे गरीबी का दुश्चक्र और मजबूत होता है। भारत में भी महानगरों में रहने वाले लाखों निम्न और मध्यवर्गीय परिवार इसी समस्या का सामना कर रहे हैं। भारतीय शहरों में किफायती आवास की उपलब्धता तेजी से घट रही है। गौरतलब है कि देश के आठ प्रमुख शहरों में किफायती आवास परियोजनाओं की हिस्सेदारी 2018 में 52 फीसद थी, जो 2025 तक घटकर केवल 17 फीसद रह गई। इसके पीछे मुख्य कारण जमीन-जायदाद बाजार का उच्च आय वर्ग की ओर झुकाव है। निजी भवन निमार्ता अधिक लाभ कमाने के लिए महंगी आवास परियोजनाओं को प्राथमिकता देते हैं। नतीजा, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों और निम्न आय समूहों के लिए आवास विकल्प सीमित होते जा रहे हैं। यह स्थिति सामाजिक असमानता को और गहरा करती है। भारत के अधिकांश बड़े शहरों में लाखों लोग अनौपचारिक बस्तियों में रहते हैं। इनमें स्वच्छ पेयजल, शौचालय, सीवर, स्वास्थ्य सेवाएं और भूमि स्वामित्व का अभाव होता है। यहां रहने वाले लोग लगातार बेदखली, बीमारी और प्राकृतिक आपदाओं के खतरे का सामना करते हैं। शहरी अर्थव्यवस्था का महत्त्वपूर्ण हिस्सा होने के बावजूद ये नागरिक अक्सर नीतिगत प्राथमिकताओं से बाहर रह जाते हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना सभी के लिए आवासइ के लक्ष्य के साथ शुरू की गई थी। इसके अलावा, क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडीइ योजना ने मध्य और निम्न आय वर्ग को गृह ऋण प्राप्त करने में सहायता प्रदान की है। किफायती किराए वाले आवास परिसर, स्मार्ट सिटी मिशन, अमृत योजना तथा विभिन्न राज्य स्तरीय योजनाएं भी आवासीय सुविधाओं के विस्तार में योगदान दे रही हैं। हालांकि कई चुनौतियां अब भी बनी हुई हैं। कई बार आवास निर्माण तो हो जाता है, लेकिन रोजगार केंद्रों से दूरी, परिवहन सुविधाओं की कमी और सामाजिक अवसंरचना के अभाव के कारण लोग वहां बसना नहीं चाहते। इसलिए आवास नीति को केवल घर निर्माण तक सीमित न रखकर समग्र शहरी विकास से जोड?ा आवश्यक है। आवास वित्त की समस्या भी गंभीर है। यथास्थान उन्नयन, सामुदायिक भागीदारी, भूमि अधिकारों की सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार अधिक प्रभावी रणनीति सिद्ध हो सकती है। अहमदाबाद की स्लम नेटवर्किंग परियोजना जैसे उदाहरण बताते हैं कि समुदाय की भागीदारी से बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। भविष्य की आवास नीति में जलवायु परिवर्तन को केंद्रीय स्थान देना होगा। ऊर्जा-कुशल भवन, हरित निर्माण सामग्री, वर्षा जल संचयन, सौर ऊर्जा और आपदा-प्रतिरोधी निर्माण तकनीकों को बढ़ावा देना समय की मांग है। इससे न केवल पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित होगी, बल्कि दीर्घकाल में आवास की लागत भी कम हो सकती है।

आवास का प्रश्न केवल ईंट, सीमेंट और भूमि का प्रश्न नहीं है। यह मानव गरिमा और सामाजिक समानता का प्रश्न है। एक सुरक्षित और सम्मानजनक घर व्यक्ति को केवल आश्रय ही नहीं देता, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा के अवसरों तक पहुंच भी सुनिश्चित करता है। यदि किसी समाज में करोड़ों लोग आवासीय असुरक्षा में जीवन बिताने को विवश हैं, तो उस समाज के विकास को पूर्ण नहीं कहा जा सकता। शहरीकरण को केवल आर्थिक विकास के दृष्टिकोण से नहीं देखा जा सकता। यदि शहरों को भविष्य के विकास इंजन के रूप में स्थापित करना है, तो उन्हें अधिक समावेशी, न्यायसंगत और रहने योग्य बनाना होगा। भारत के लिए भी यह समय है कि वह आवास को कल्याणकारी कार्यक्रम की सीमा से बाहर निकालकर विकास नीति के केंद्र में स्थापित करे, क्योंकि किसी भी आधुनिक और विकसित राष्ट्र की पहचान केवल ऊंची इमारतों से नहीं, बल्कि इस बात से होती है कि उसके प्रत्येक नागरिक के सिर पर सुरक्षित, सम्मानजनक और किफायती छत उपलब्ध है।

- लेखक के निजी राय हैं।

समय का सबसे कठिन सबक है बिछड़ना

राजेंद्र मोहन शर्मा

बाकी सारे घाव तो किसी न किसी तरह ढक जाते हैं, उन पर वक्त की गर्द जम जाती है, अपनों की झूठी-सच्ची हमदर्दी का लेप लग जाता है और धीरे-धीरे उन्हें पूरी तरह से भरने का एक मुकम्मल भरम भी हो जाता है। हम इंसान उस ढके हुए जख्म की खाल को देखकर मन ही मन तसल्ली की एक लंबी सांस लेते हैं और खुद को गुमराह करते रहते हैं कि चलो, बुरा दौर बीत गया, अब रास्ते सीधे हैं। लेकिन समय जो घाव देता है, वह किसी मरहम की बिसात नहीं मानता। समय अपने दिए जख्मों को हमेशा हरा रखता है। जब भी हमारी जिंदगी अपनी आपाधापी में थोड़ा-सा संभलने की कोशिश करती है, वह चुपके से उन्हें हरा कर देगा। समय कोई शांत बहती हुई नदी नहीं है, जो किनारों को सहलाकर गुजर जाए। वह एक बेहद शातिर, सजग और बेरहम शिकारी है। जब हम अतीत के मलबे से निकलकर एक नई दुनिया बसाने की कोशिश में मुस्कुराने को हों, जब लगे कि हम वक्त की मार से बहुत आगे निकल आए हैं, ठीक उसी दौरान हमारे निकट से गुजरते पल पुरानी, भूली-बिसरी राहों से चुन-चुनकर नुकीले और जहरीले कांटे बटोर लाता है। वह हमारे कानों के बेहद पास आकर अपनी सर्द सांसों के साथ फुसफुसाता है कि मैंने जो घाव दिए हैं, तुम अपनी पूरी ताकत लगाकर भी उन्हें भरने की कोशिश मत करना। तुम्हारी हर कोशिश मेरी मुी में है। ऊपरी तौर पर जमी हुई वह ठंडी परत हमें कुछ पलों के लिए, कुछ दिनों के लिए, या शायद कुछ सालों के लिए एक दिखावे की तसल्ली तो दे सकती है, हमें यह झांसा दे सकती है कि अब सब शांत है, लेकिन वह भीतर की आदिम आग को कभी बुझा नहीं सकती। वह सिर्फ एक अस्थायी आवरण है, एक कमजोर पर्दा है।

जैसे ही स्मृतियों की कोई हल्की-सी सरसराहट होती है, या जिंदगी की राह में कोई नया अप्रत्याशित झटका लगता है, वह ऊपरी परत ताश के पत्तों की तरह भरभराकर ढह जाती है।

भीतर से खौलता हुआ, लाल-तप्त, पिघला हुआ लावा फिर से पूरी शिद्दत के साथ बाहर उबल आता है और हम इंसान को एक ही झटके में अहसास हो जाता है कि हम जहां से चले थे, आज भी ठीक उसी जगह बेबस खड़े हैं। अगर इस कड़वाहट को जीवन के यथार्थ पर कसकर देखा जाए, तो समय हमें इतने रूपों में तोड़ता है कि उनका कोई अंत नहीं है। जब वह हमारे किसी बेहद अजीज को, हमारी धड़कन के सबसे करीब रहने वाले इंसान को हमसे हमेशा-हमेशा के लिए छीन लेता है, तो वह जो खालीपन छोड़ जाता है, उसकी भरपाई कोई ताकत नहीं कर सकती। साल पर साल गुजरते जाते हैं, कैलेंडर बदलते हैं, लोग हमारे चेहरे को देखकर झूठा दिलासा देते हैं कि अब तो हमें इसकी आदत हो गई होगी, लेकिन सच सिर्फ हमारा अकेलापन जानता है कि वह दर्द वक्त के साथ कम होने के बजाय और ज्यादा गाढ़ा और गहरा होता चला गया है। उम्र के एक आखिरी पड़ाव पर आकर जब हम थककर पीछे मुड़कर देखते हैं, तो समय के हाथों छूटे हुए बड़े फैसले, गलतियां और खोए हुए सुनहरे अवसर एक स्थायी और कभी न मिटने वाली टीस बन जाते हैं। समय के ये न भरने वाले घाव ही वास्तव में हमें हमारी अंतिम सांस तक मनुष्यइ बनाए रखते हैं। अगर समय के दिए सारे जख्म पूरी तरह भर जाते, हम सब कुछ भूलकर पूरी तरह बेफिक्र और चैन से सो जाते, तो हम एक संवेदनशील और जीवंत प्राणी न रहकर पत्थर की एक बेजान मूरत बन जाते। यह कसक, यह लगातार सालने वाली टीस और भीतर चौबीसों घंटे सुलगता हुआ लावा ही हमारी जिंदा चेतना के सबसे बड़े प्रमाण हैं। समय का असल मकसद सिर्फ हमें दर्द देना नहीं है, बल्कि उस दर्द के बहाने हमें हर सुबह यह याद दिलाना भी है कि इस पूरी कायनात में कुछ भी स्थायी नहीं है। न हमारी ये छोटी-छोटी खुशियां, न हमारा झूठा अहंकार, न हमारा यह अस्थायी साम्राज्य और न ही हमारा चाहा हुआ चैन। वह एक निष्ठुर और कठोर उस्ताद की तरह जिंदगी के हर मोड़ पर हमारे पुराने जख्मों की खाल को अपने नाखूनों से कुरेदकर हमें हमारी असली औकात और इस पूरी जिंदगी की नश्वरता का तीखा पाठ पढ़ाता रहता है। हम इंसान के पास समय के इस बिछाए हुए जाल और उसके इस निर्मम चक्रव्यूह के सामने घुटने टेकने के अलावा कोई दूसरा विकल्प बचता ही नहीं है। रास्ता बस इतना ही रह जाता है कि हम इस डरावनी हकीकत को पूरी शिद्दत के साथ गले लगा लें। जब हम यह पूरी तरह मान लेते हैं कि समय के दिए ये गहरे घाव अब कभी नहीं भरेंगे, तो हम उन्हें जबरदस्ती भरने की वह नाकाम और थका देने वाली व्यर्थ कोशिशें हमेशा के लिए छोड़ देते हैं। हम उस दहकते हुए लावे के साथ, उस उठती हुई कसक के साथ और उस मद्धम दर्द के साथ ही अपनी सांसों का तालमेल बिठाकर जीना सीख लेते हैं। हमारे भीतर छिपी हुई जिजीविषा उस असहनीय दर्द को ही अपनी सबसे बड़ी ढाल और ताकत बना लेती है। घाव भरे न भरे, पर उस दर्द की भट्टी में जलकर जो व्यक्तित्व कुंदन की तरह निखरता है, वही समय के इस अंतहीन अट्टहास को सहने का माद्दा रखता है। समय रोज नए घाव देता रहेगा, भीतर का लावा सुलगता रहेगा और हम इंसान इसी कड़वी हकीकत के साए में मुस्कुराते हुए अपनी सांसों का सफर पूरा करते रहेंगे।

- लेखक के निजी राय हैं।

आज का पंचांग

दैनिक पंचांग

10 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.39 बजे से
चंद्र	मीन में	कर्क	07.52 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	10.08 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.20 बजे से
गुरु	कर्क में	तुला	14.31 बजे से
शुक्र	कर्क में	वृश्चिक	16.46 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.02 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	21.07 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.53 बजे से
		मीन	00.26 बजे से
		मेष	01.57 बजे से
		वृष	03.37 बजे से

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

बुधवार 2026 वर्ष का 161 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** कृष्ण
तिथि दशमी 00.58 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराभाद्रपदा 09.22 बजे को समाप्त। **योग** आयुष्मान 06.30 बजे तदनन्तर सौभाग्य 04.03 बजे रात्र को समाप्त। **करण** वणिज 13.53 बजे तदनन्तर विष्टि 00.58 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 00'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872736
जूलियन दिन 2461201.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज
तारीख 24

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8887

■	1		2	■	3		4	■
5		■		■		■	6	7
	■	■	8	9		10	■	
11		12	■		■	13		
■	■	14		■	15		■	■
16			■	17	■	18		19
	■	■	20		21	■	■	
22	23	■		■		■	24	
■	25			■	26			■

बाएँ से दाएँ

1. पाबंदी, संयम, पाश-3
3. मनुष्य, इंसान-3
5. शारीरिक ऊंचाई-2
6. नलका, टूंटी
8. प्रलय, महासंकट-4
11. दही से बना खाद्य पदार्थ-3
13. निर्माण, निर्मिती-3
14. हुनर, आर्ट-2
15. उम्मीद, आशा-2
16. खाना बनाना-3
18. असफल, अनुतीर्ण-3
20. आभास, भास-3
22. वध-2
24. जी, इच्छा, चित-2
25. सब्जी का सड़ना, बर्फ का पिघलना-3
26. याद करना-3

ऊपर से नीचे

1. हड़ताल, स्थिर, रुका हुआ-2
2. लवण -3
3. विश्राम, राहत-3
4. मछली, मत्स्य, राशि चक्र की एक राशि-2
5. बूंद-3
7. शरमाना-3
9. दोस्त, मित्र-2
10. बहुत प्यासा होना-4
12. एकटक निहारना-3
16. शरण, आश्रय-3
17. सम्मान-2
19. चिंतन-3
20. मकान, इमारत-3
21. कमी, थोड़ा-3
23. तज देना-2
24. इंकार, मनाही-2

शब्द पहेली -8886 का हल

न	भ	■	न	र	म	■	मा	त
म	■	शा	म	■	द	म	■	प
क	न	क	■	ज	■	ना	प	ना
■	मा	■	ख	न	क	■	र	■
रा	ज	दा	र	■	स	रो	व	र
■	गा	■	ल	गा	म	■	रि	■
र	ह	न	■	ल	■	मि	श	न
म	■	ख	त	■	पा	त्र	■	जा
ल	य	■	वा	च	क	■	ता	त

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सुडोकू

सूडोकु नवताल- 7821 — मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7820 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

60 की उम्र में शादी करने में क्या दिक्कत?

आमिर खान और गौरी स्प्रैट शादी करने वाले हैं. 5 जुलाई को दोनों एक इंटिमेट सेरेमनी में परिवार और करीबी दोस्तों के बाद नए रिश्ते में बंध जाएंगे. अब राखी गुलज़ार ने 60 की उम्र पार करने के बाद शादी करने वाले आमिर को लेकर बयान दिया है. उन्होंने सवाल किया है कि 60 की उम्र में शादी करने में क्या दिक्कत है? उन्होंने इस दौरान आमिर खान की तारीफ की है. बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान दो शादियां टूटने के बाद अब तीसरी शादी करने जा रहे हैं. आमिर

अपनी पार्टनर गौरी स्प्रैट के साथ 5 जुलाई को शादी करेंगे. 60 साल की उम्र पार करने के बाद आमिर शादी कर रहे हैं, इस पर लीजेंड्री एक्ट्रेस राखी गुलज़ार ने रिएक्शन दिया है. 78 साल की राखी ने कहा है कि इंडस्ट्री में क्या कुछ चल रहा है वो इस बात को नहीं जानती क्योंकि वो इंडस्ट्री में एक्टिव नहीं हैं. उन्होंने ये भी कहा कि मैंने आमिर के साथ काम नहीं किया है. हालांकि उन्होंने इस दौरान आमिर खान की तारीफ की और उन्हें एक अच्छा इंसान बताया. उन्होंने कहा कि आमिर ने जिस तरह से शादी टूटने के बाद भी अपनी दोनों पूर्व पत्नियों के साथ रिश्ते को संभाला है, वो उनके बारे में बहुत कुछ कहता है. 61 साल की उम्र में शादी करने पर आमिर खान को लेकर कई निगेटिव बातें भी हो रही हैं. मगर राखी गुलज़ार का कहना है कि साथ और खुशियां उम्र से तय नहीं होती. आमिर के फैसले का साथ देते हुए राखी ने बात करते हुए कहा, '60 की उम्र में शादी करने में क्या दिक्कत है?

आमिर खान की तीसरी शादी पर विक्रम भट्ट ने कहा...

विक्रम बट्ट ने भी आमिर खान की इस शादी पर बात की है. वैरायटी इंडिया से चर्चा के दौरान फिल्म 'गुलाम' में उनके साथ काम करने वाले विक्रम भट्ट ने कहा, 'मुझे नहीं लगता है कि प्यार को पाने और सेटल होने की कोई उम्र होती है. ये उनकी जिंदगी और उनके ही पास इस बात का हक है कि वो इसे कैसे बिताना चाहते हैं. हल्के-फुल्के अंदाज़ में कहूं तो, मैं जितना आमिर को जानता हूं, हो सकता है वो सोशल एक्सपेरिमेंट पर काम कर रहे हों. '

तापसी को नहीं मिल रहे

खास तरह के रोल

शाहरुख को लेकर कही बड़ी बात; बोलीं- 'उम्र को लेकर भेदभाव...'

तापसी पन्नू बड़े पर्दे पर ऐसी फिल्में करती हैं, जो महिलाओं से जुड़े मुद्दे उठाती हैं। असल जिंदगी में भी हर मुद्दे पर वह बेबाकी से अपनी राय रखती हैं। हाल ही में तापसी पन्नू ने एक्ट्रेस के साथ उम्र को लेकर किए जा रहे भेदभाव पर बात की है। तापसी पन्नू ने हाल ही में एक अहम मुद्दे पर बात की है। वह महिला कलाकारों के साथ हो रहे भेदभाव का जिक्र करती हैं। खुद भी वह ऐसी ही चुनौती का सामना कर रही हैं। तापसी का कहना है कि बढ़ती उम्र के कारण उन्हें कुछ खास तरह के किरदार ऑफर ही नहीं हो रहे हैं, मेकर्स को लगता है कि वो ऐसे किरदारों के लिए बड़ी हैं।

शाहरुख खान का तापसी ने दिया उदाहरण

आगे तापसी पन्नू कहती हैं, 'साउथ में भी मेरे साथ ऐसा होता था। जैसे ही मुझे किसी सीनियर एक्टर के अपोजिट कास्ट किया जाता, यंग एक्टर मेरे साथ काम नहीं करना चाहते थे।' तापसी फिर बॉलीवुड का जिक्र करते हुए कहती हैं, 'शाहरुख खान के बारे में तो आप ऐसी बात कहने की हिम्मत भी नहीं कर सकते हैं।' इस तरह तापसी ने जाहिर किया दिया कि उम्र को लेकर भेदभाव सिर्फ एक्ट्रेसेस के साथ होता है, मेल एक्टर्स के करियर पर उम्र बढ़ने का कोई असर नहीं होता है।

सिनेमा इंडस्ट्री में होता है उम्र को लेकर भेदभाव

हालिया इंटरव्यू में तापसी पन्नू कहती हैं, 'जब तक आप इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाते हैं, तब तक आप 30 साल के हो चुके होते हैं। फिर वे कहते हैं कि आप रोमांटिक-कॉमेडी में काम करने के लिए उतने यंग नहीं हैं। लेकिन मेल एक्टर्स के मामले में ऐसा नहीं होता है। इंडस्ट्री में उम्र को लेकर भेदभाव एक बड़ी बात है।

शिल्पा शिंदे विवाद के बीच

हिना खान भूल गई अपनी पहली वेडिंग एनिवर्सरी

सोशल मीडिया पर फैंस ने दिलाया याद

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस Hina Khan और उनके पति रॉकी जायसवाल अपनी शादी की पहली वेडिंग एनिवर्सरी मना रहे हैं। हैरान कर देने वाली बात यह है कि दोनों अपनी एनिवर्सरी लगभग भूल ही गए थे, उनके चाहने वालों ने उनको यह खास दिन याद दिलाया। बात कुछ यूँ थीं कि शिल्पा शिंदे विवाद की वजह से हिना खान काफी सुर्खियों में चल रही हैं। इस विवाद की वजह से दोनों अपने इतने बड़े दिन को भूल ही गए थे। इसके बाद जब उनके फैंस और परिवार वालों ने शुभकामनाएं दी, इसके बाद से ही दोनों को अभी एनिवर्सरी का एहसास हुआ। '' ये रिश्ता क्या कहलाता है में अक्षरा का किरदार अदा कर घर-घर में पहचान बनाने वली हिना ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि- लोग कहते हैं कि यह बहुत खास दिन है, लेकिन मुझे लगता है कि हमारे लिए हर दिन खास होता है..

तारीखें मायने नहीं रखतीं, पल मायने रखते हैं और जन्मदिन के अलावा हमें कुछ याद भी नहीं रहता, हमेशा से ऐसा ही रहा है। हमारे परिवारों और शुभचिंतकों का शुक्रिया कि उन्होंने हमें याद दिलाया कि यह हमारा पहला (दिन) है।''

हिना-रॉकी की पहली एनिवर्सरी

हिना खान ने 6 जून 2026 की रात अपने इंस्टाग्राम पर कई खूबसूरत तस्वीरें शेयर कीं। पहली तस्वीर में एक कार्ड नजर आया, जिस पर लिखा था– 'हैप्पी एनिवर्सरी माय लव।

सच हुआ डेजी शाह का बचपन का सपना

बॉलीवुड एक्ट्रेस डेजी शाह आखिरी बार 'बिहू अटैक' में नजर आई थीं. इसके बाद एक्ट्रेस का सबसे बड़ा सपना पूरा हो गया है, जिसे वो बचपन से देखते हुए आई थीं. डेजी शाह जल्द ही एक फिल्म में IPS ऑफिसर का किरदार निभाते हुए नजर आएंगी. बॉलीवुड एक्ट्रेस डेजी शाह अपने सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और उनकी पोस्ट अक्सर वायरल होती रहती हैं. वर्कफ्रंट पर देखें तो डेजी शाह आखिरी बार हालिया रिलीज फिल्म 'बिहू अटैक' में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने लीड रोल निभाया था. डेजी शाह को सलमान खान की फिल्म 'जय हो' से अलग पहचान इंडस्ट्री में मिली. डेजी शाह अब बड़े पर्दे पर धमाका करने के लिए तैयार हैं. डेजी जल्द ही ऐसा किरदार निभाती हुई नजर आएंगी, जो उन्होंने कभी पहले नहीं किया. डेजी शाह अपकमिंग फिल्म में आईपीएस ऑफिसर का रोल प्ले करते हुए दिखेंगी. डेजी शाह बड़े पर्दे पर एक नई चुनौती के लिए तैयार हैं. एक्ट्रेस अपकमिंग फिल्म 'डीजीपी कश्मीर' में एक आईपीएस अधिकारी का रोल प्ले करने वाली हैं. हाल ही में फिल्म का टीजर लॉन्च किया गया, जहां इसकी पूरी स्टारकास्ट शामिल हुई. इससे पहले भी डेजी शाह पुलिस की भूमिका निभा चुकी हैं लेकिन इस बार वो आईपीएस ऑफिसर बनने जा रही हैं, जिसके लिए वो काफी एक्साइटेड हैं.

डेजी शाह की अपकमिंग फिल्म

डेजी शाह ने अपनी अपकमिंग फिल्म में आईपीएस ऑफिसर के रोल पर बात करते हुए कहा, 'मैंने पहले एक पुलिस वाले की भूमिका निभाई थी, लेकिन अब मैं यहां तक पहुंच गई हूं. जो बात इसे और भी खास बनाती है वो है कि ये फिल्म कश्मीर में हुई कई सच्ची घटनाओं से इस्पायर्ड है. बचपन में मैंने एक आईपीएस ऑफिसर बनने का सपना देखा था.' इम्तियाज भट्ट के डायरेक्शन में बनी 'डीजीपी कश्मीर' घाटी में सुरक्षा बलों और पुलिस अधिकारियों संघर्ष और बलिदान पर आधारित है.

कृष्णा बोले-

राहुल रॉय की 300 गर्लफ्रेंड्स थीं

सुनते ही आशिकी एक्टर शरमा गए

भारती ने पूछा- कभी पकड़े नहीं गए थे?

आशिकी फेम एक्टर राहुल रॉय टीवी रियलिटी शो 'लाफ्टर शेफ्स - अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट सीजन 3' के '90ह्य नॉस्टैल्जिया स्पेशल' एपिसोड में शनिवार को नजर आए। वह शो में स्पेशल गेस्ट के तौर पर शामिल हुए और कंटेस्टेंट निया शर्मा के साथ कुकिंग करते दिखाई दिए। एपिसोड के दौरान अंकिता लोखंडे और तेजस्वी प्रकाश ने राहुल रॉय के लोकप्रिय गानों पर उनके साथ डांस भी किया। शो में 90 के दशक की यादों को लेकर कई मजेदार बातचीत हुई। इसी दौरान कृष्णा अभिषेक ने राहुल रॉय से पूछा, 'राहुल सर, हमने सुना है कि आपकी 300 गर्लफ्रेंड्स थीं।' यह सवाल सुनकर राहुल रॉय शरमा गए। वहीं विक्की जैन, अभिषेक कुमार, करण कुंद्रा और एल्विश यादव भी उनकी ओर देखने लगे। इसके बाद भारती सिंह ने मजाक में कहा, 'समर्थ (समर्थ जुरेल) और अभिषेक, सुन लो, तुम्हें एक नहीं मिलती और इनके पास 300 गर्लफ्रेंड्स थीं।' इस पर कृष्णा ने भी चुटकी लेते हुए कहा, 'इनको एक मिलती है तो वह भी दोनों को छोड़कर चली जाती है। '

12 घंटे चला था ऑडिशन

500 लड़कियों को पछाड़ने के बाद अमीषा पटेल को मिली थी 'गदर'

बॉलीवुड अभिनेत्री अमीषा पटेल ने अपने करियर की शुरुआत में ही जबरदस्त पहचान बनाई थी। खासकर उनकी फिल्म 'गदरः एक प्रेम कथा' में उनका किरदार सकीना आज भी लोगों के दिलों में जिंदा है। इस किरदार के लिए अमीषा ने 500 से ज्यादा लड़कियों के बीच बाजी मारी थी और कई घंटों ऑडिशन दिया था। अमीषा पटेल का जन्म 9 जून 1975 को मुंबई में एक गुजराती परिवार में हुआ था। उन्होंने मुंबई में अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की और बाद में उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका चली गईं। उन्होंने टफ्ट्स यूनिवर्सिटी से अर्थशास्त्र की पढ़ाई की। पढ़ाई में वह इतनी तेज थीं कि उन्होंने गोल्ड मेडल तक हासिल किया और कॉलेज की हेड गर्ल भी बनीं। एक टॉपर स्टूडेंट होने के बावजूद उनका मन फिल्मों की दुनिया की ओर खींचता चला गया। भारत लौटने के बाद उन्होंने थिएटर से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। वह प्रसिद्ध रंगकर्मी सत्यदेव दुबे के थिएटर ग्रुप से जुड़ीं, जहां उन्होंने अभिनय की बारीकियां सीखीं। इसके साथ ही उन्होंने मॉडलिंग और विज्ञापन जगत में भी कदम रखा। साल 2000 में अमीषा के करियर को बड़ा मोड़ मिला, जब उन्हें निर्देशक राकेश रोशन की फिल्म 'कहो ना... प्यार है' में काम करने का अवसर मिला। फिल्म में उनके साथ ऋतिक रोशन मुख्य भूमिका में थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफल रही।

इसी फिल्म ने अमीषा को रातों-रात स्टार बना दिया। उनकी मासूमियत और स्क्रीन प्रेजेंस को दर्शकों ने खूब पसंद किया। इसी सफलता के बाद, उन्होंने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी काम किया और तेलुगु फिल्म 'बद्री' में नजर आईं। हालांकि, उन्हें सबसे ज्यादा लोकप्रियता 2001 में रिलीज हुई फिल्म 'गदरः एक प्रेम कथा' से मिली। फिल्म में निभाया गया उनका 'सकीना' का किरदार आज भी दर्शकों के बीच लोकप्रिय है। इस फिल्म के लिए उनका चयन आसान नहीं था। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस भूमिका के लिए बड़ी संख्या में अभिनेत्रियों का ऑडिशन लिया गया था, जिसके बाद अमीषा का चयन हुआ था। कहा जाता है कि इस रोल के लिए 500 से ज्यादा लड़कियों ने ऑडिशन दिया था। इतना ही नहीं, अमीषा ने करीब 12 घंटे तक लगातार ऑडिशन दिया था। इसके बाद 2002 में उनकी फिल्म 'हमराज' रिलीज हुई, जिसने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया। लेकिन इसके बाद उनके करियर में उतार-चढ़ाव आने शुरू हो गए।

9 साल में हुआ साढ़े तीन करोड़ का तगड़ा फायदा

अक्षय कुमार ने बोरीवली में 7.1 करोड़ में बेचे दो फ्लैट

सीआरई मैट्रिक्स के शेयर किए गए पेपर्स के मुताबिक, बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार ने मुंबई के बोरीवली स्थित ओबेरॉय स्काई सिटी में दो फ्लैट्स कुल 7.1 करोड़ रुपये में बेचे हैं। ऊपरी मंजिल पर स्थित दो अपार्टमेंट्स में से बड़ा अपार्टमेंट 1,101 वर्ग फुट के कारपेट एरिया में फैला है और इसे 5.75 करोड़ रुपये में बेचा गया है। इस सौदे में 28.75 लाख रुपये का स्टांप शुल्क लगा है और इसमें दो पार्किंग स्लॉट भी हैं।

उसी मंजिल पर दूसरे अपार्टमेंट का कारपेट एरिया 252 वर्ग फुट है और यह 1.35 करोड़ रुपये में बिका। पेपर्स से पता चलता है कि खरीदार ने स्टांप शुल्क के रूप में 6.75 लाख रुपये का भुगतान किया, जिसमें एक पार्किंग स्लॉट भी शामिल था। दोनों प्रॉपर्टीज सुवर्णा रूपेशकुमार सकपाल ने 2 जून, 2026 को खरीदा है। रिकॉर्ड बताते हैं कि अक्षय कुमार ने नवंबर 2017 में इन अपार्टमेंट्स को इनक्लाइन रियल्टी प्राइवेट लिमिटेड से खरीदा था। बड़ा अपार्टमेंट 3 करोड़ रुपये में खरीदा गया, जबकि छोटा अपार्टमेंट 67.55 लाख रुपये में खरीदा गया। यानी अगर देखा जाए तो, 9 साल में उन्हें इन दो प्रॉपर्टीज से कुल साढ़े 3 करोड़ का प्रॉफिट हुआ।

पिछले साल भी बेचे अपार्टमेंट

अक्षय कुमार और सुवर्णा रूपेशकुमार सकपाल दोनों ने फिलहाल इस पर कोई बात नहीं की है। ये हालिया सौदे मुंबई में अक्षय कुमार की चल रही रियल एस्टेट से कमाई करने की रणनीति को और मजबूत करते हैं। गौरतलब है कि एक्टर ने पिछले साल भी बोरीवली ईस्ट के इसी एरिया में दो सटे हुए अपार्टमेंट कुल 7.10 करोड़ रुपये में बेचे थे।

गांव-गांव पहुंच रही एएनसी सेवाएं, सुरक्षित मातृत्व अभियान के 10 साल पूरे

एजेंसी

किशनगंज। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) के 10 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मंगलवार को किशनगंज जिले के सदर अस्पताल समेत सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।
इस दौरान बड़ी संख्या में गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क प्रसव पूर्व जांच (एएनसी) की गई तथा सुरक्षित मातृत्व, पोषण, एनीमिया नियंत्रण और संस्थागत प्रसव के संबंध में आवश्यक परामर्श दिया गया।
कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गर्भावस्था के दौरान संभावित जोखिमों की समय पर पहचान कर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सुरक्षित बनाना रहा। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार नियमित एएनसी जांच के माध्यम से उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था (एचआरपी) की पहचान कर समय रहते आवश्यक उपचार और चिकित्सकीय हस्तक्षेप सुनिश्चित किया जा रहा है।
सिविल सर्जन डॉ. राज कुमार चौधरी ने बताया कि अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं का रक्तचाप, वजन, हीमोग्लोबिन, मूत्र जांच सहित अन्य आवश्यक परीक्षण किए गए। जिन महिलाओं में किसी प्रकार का जोखिम पाया गया, उन्हें विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श दिलाने तथा आवश्यकता पड़ने पर उच्च स्वास्थ्य संस्थानों में रेफर करने की व्यवस्था भी की गई। उन्होंने कहा कि इससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में मदद मिल रही है।
जिलाधिकारी विशाल राज ने कहा कि किसी भी समाज के विकास का आधार स्वस्थ माताएं और स्वस्थ शिशु होते हैं। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान ने गांव-गांव तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाई है और गर्भवती महिलाओं को समय पर जांच एवं परामर्श उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने सभी गर्भवती महिलाओं से नियमित एएनसी जांच कराने और सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने की अपील की। कार्यक्रम को सफल बनाने में आशा कार्यकताओं, एएनएम, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. अनवर हुसैन ने बताया कि जमीनी स्तर पर स्वास्थ्यकर्मियों के प्रयासों से अभियान का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने गर्भवती महिलाओं को संतुलित आहार, आयरन-फोलिक एसिड की नियमित खुराक, टीकाकरण और किसी भी असामान्य लक्षण पर तुरंत स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की सलाह दी।

जिला के विभिन्न प्रखंड में सहयोग शिविर का आयोजन

एजेंसी

बेगुसराय। बिहार सरकार के निर्देश एवं जिला प्रशासन, बेगूसराय के तत्वावधान में आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान तथा सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से दिनांक 09 जून, 2026 को जिले की विभिन्न पंचायतों में चौथे सहयोग शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। शिविरों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर अपनी समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। बरौनी प्रखंड की बथौली एवं मैदाबभनगामा पंचायत, बेगूसराय प्रखंड की चिलमिल एवं लरुआरा पंचायत, वीरपुर प्रखंड की वीरपुर पूर्व एवं जगदर पंचायत, मटिहानी प्रखंड की मटिहानी-1 एवं मटिहानी-2 पंचायत, बलिया प्रखंड की बृहत्संगपुर पंचायत, साहेबपुर कमाल प्रखंड की सनहा पश्चिम एवं सनहा पूर्वी पंचायत, डंडारी प्रखंड की डंडारी पंचायत, चेरिया बरियारपुर प्रखंड की सकरबासा पंचायत, खोदावंदपुर प्रखंड की बरियारपुर पूर्वी पंचायत, छौड़ाही प्रखंड की अमारी पंचायत, बछवाड़ा प्रखंड की भगवानपुर, चमथा-3 एवं विशनपुर पंचायत, गढ़पुरा प्रखंड की रजौड़ एवं कोरियामा पंचायत, नावकोठी प्रखंड की इकरपुर पंचायत, तेघड़ा प्रखंड की गौड़ा-2 पंचायत, भगवानपुर प्रखंड की तकिया पंचायत तथा मंसूरचक प्रखंड की मंसूरचक पंचायत में सहयोग शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में राजस्व, ग्रामीण विकास, पंचायती राज, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, विद्युत, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण, आपूर्ति, मनरेगा, आवास योजना सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। प्राप्त आवेदनों का विभागवार पंजीकरण किया गया।

संक्षिप्त समाचार

ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

अररिया। अररिया गलगलिया नई रेल लाइन में सिकटी प्रखंड क्षेत्र अन्तर्गत बरदाहा रेलवे हाल्ट से पश्चिम मंगलवार दोपहर को एक महिला की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। घटना बरदाहा पेट्रोल पंप के समीप हुई।कहा जाता है कि महिला रेल पटरी पार कर रही थी।इसी क्रम में चलती ट्रेन के चपेट में आ गई और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।जिसके बाद स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा बरदाहा रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर समेत अररिया जीआरपी और आरपीएफ को इसकी सूचना दी। मृतक महिला की पहचान डेढ़ुआ पंचायत के डेढ़ुआ गांव के वार्ड संख्या 8 की रहने वाली माला देवी पति बुद्धलाल शर्मा के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर रेल थाना पुलिस के साथ बरदाहा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। घटना की सूचना मृतका के परिजनों को भी दी गई है। आरपीएफ के अधिकारी ने शव के पोस्टमार्टम कराए जाने की बात कही।

जाम की समस्या से निजात को लेकर कौआकोल बाजार में चला बुलडोजर

नवादा। नवादा जिले के कौआकोल बाजार में लगातार लगने वाले जाम की समस्या से लोगों को राहत दिलाने के उद्देश्य से मंगलवार को प्रशासन ने अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। इस दौरान जेपी चौक से आश्रम मोड़ तक सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को जेसीबी मशीन की सहायता से हटाया गया। अभियान का नेतृत्व अंचलाधिकारी (सीओ) मनीष कुमार ने किया। उनके साथ पुलिस बल की टीम, बीपीआरओ शमा वानो, थानाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह तथा अपर थानाध्यक्ष अविनाश कुमार भी मौजूद रहे। प्रशासनिक टीम को बाजार में पहुंचते ही दुकानदारों और अतिक्रमणकारियों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रशासन ने बताया कि अतिक्रमित स्थलों को पहले ही चिन्हित कर लिया गया था तथा कई बार माइकिंग के माध्यम से दुकानदारों और लोगों को अतिक्रमण हटाने की चेतावनी दी गई थी। बावजूद इसके कई लोगों ने स्वयं अतिक्रमण नहीं हटाया, जिसके बाद प्रशासन को सख्त कार्रवाई करनी पड़ी। जेसीबी के साथ प्रशासनिक टीम को देखकर कई दुकानदार स्वयं ही अपनी दुकानों के बाहर रखे सामान को हटाकर अंदर रखने लगे।

बिहार में उद्योग लगाना हुआ आसान, 30 दिनों में उद्योग लगाने को मिलेगी स्वीकृति : मुख्यमंत्री

एजेंसी

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक में बिहार को तीव्र औद्योगिक विकास, व्यापक रोजगार सृजन और आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से ऐतिहासिक निर्णय लिया गया। इसमें बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन अधिनियम, 2016 के अंतर्गत राज्य निवेश प्रोत्साहन पर्षद सचिवालय को एकल नोडल एजेंसी के रूप में प्राधिकृत करते हुए उसे व्यापक प्रशासनिक एवं विधिक शक्तियां प्रदान करने की स्वीकृति दी गई।
इस बाबत मंगलवार को मुख्यमंत्री ने बयान जारी कर कहा कि बिहार में निवेशकों के लिए उद्योग लगाना आसान हुआ है। उन्हें सरल, पारदर्शी और समयबद्ध व्यवस्था सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि उद्योगों की स्थापना से जुड़ी प्रक्रियाओं को आसान कर निवेशकों को अनावश्यक विलंब तथा प्रशासनिक जटिलताओं से पूरी तरह मुक्ति मिले। उन्होंने कहा कि अब राज्य निवेश प्रोत्साहन पर्षदसचिवालय द्वारा किसी आवेदन की तकनीकी जांच एवं अनुशंसा किए जाने के बाद संबंधित सक्षम प्राधिकार को 30 दिनों के भीतर अथवा निर्धारित समय-सीमा के अंदर स्वीकृति प्रदान करना अनिवार्य होगा। यह व्यवस्था केवल प्रशासनिक निर्देश नहीं, बल्कि विधिक रूप से बाध्यकारी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कोई विभाग अथवा सक्षम प्राधिकार निर्धारित समय-सीमा के भीतर निर्णय लेने में विफल रहता है, तो निवेशकों के हितों की रक्षा करते हुए राज्य निवेश प्रोत्साहन पर्षद सचिवालय द्वारा 'डीम्ड क्लीयरेंस' जारी कर दिया जाएगा। इस स्वीकृति का अनुपालन संबंधित विभाग के लिए अनिवार्य होगा तथा उस पर पुनर्विचार की कोई शक्ति नहीं होगी।
व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न तकनीकी एवं विनियामक विभागों के सक्षम अधिकारियों को सीधे रक्छइ सचिवालय में प्रतिनियुक्त किया जाएगा। ये सभी अधिकारी औद्योगिक विकास आयुक्त के प्रत्यक्ष प्रशासनिक नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण में कार्य करेंगे, जिससे सभी निर्णय एक ही मंच पर त्वरित रूप से लिए जा सकेंगे। यह निर्णय राज्य को आत्मनिर्भर और विकसित बिहार के लक्ष्य की ओर और अधिक गति प्रदान करेगा।
मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार उद्योगों की स्थापना, संचालन एवं विस्तार से संबंधित सभी अनुमतियों के लिए व्यापक मानक संचालन प्रक्रियाएँ भी निर्धारित करेगी। इससे स्वीकृति प्रक्रिया में पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि औद्योगिक विकास ही बिहार की आर्थिक समृद्धि, युवाओं के लिए रोजगार और राज्य के समग्र विकास का सबसे मजबूत आधार है। बिहार को देश और दुनिया के निवेशकों के लिए सबसे भरोसेमंद और पसंदीदा इंवेटमेंट डेस्टिनेशन बनाना राज्य सरकार का संकल्प है।

अंतरराष्ट्रीय समपार दिवस के अवसर पर स्काउट एंड गाईड ने किया नुक्कड़ नाटक का मंचन

गरहरा (बेगूसराय)। मंडल रेल प्रबंधक सोनपुर अमित शरण के निर्देश पर ईस्ट सेंट्रल रेलवे भारत स्काउट एंड गाईड जिला संघ गरहरा के द्वारा बछवाड़ा से बरौनी रेल खंड पर गेट नंबर 07 स्पेसल पर संरक्षा एवं सुरक्षा पर आधारित 09 जून को अंतरराष्ट्रीय समपार दिवस के अवसर पर नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया।अपर मंडल रेल प्रबंधक सुमन कुमार तांती एवं डॉ कमल कुमार भगत जिला आयुक्त स्काउट के नेतृत्व में किया गया।वही नुक्कड़ नाटक का संचालन स्काउट मास्टर संजय कुमार मल्लिक एवं भानु प्रताप संरक्षा सलाहकर ने किया।मौके पर नुक्कड़ नाटक का थीम था ₹जीवन है अनमोल₹ के माध्यम से आम राहगीरों को बताया जा रहा था कि कभी भी रेलवे समपार फाटक पार करें तो दाये एवं बाये देखे तभी गुमटी को पार करें, नही तो कभी भी दुर्घटना हो सकती है ।मौके पर स्काउट कलाकारों में चंदन कुमार, सत्रुधन प्रसाद, रेणु सिंह, अंकु कुमारी, रूबी कुमारी, बबली कुमारी, विशाल कुमार, देव कुमार, आयन्स कुमार, शुभम कुमार,अजय कुमार, सचिन कुमार, रोहित कुमार, चंदन कुमार, रौशन कुमार ने अपनी प्रस्तुति दी।कलाकारों ने बताया कि कोई बारात पार्टी गाड़ी में बैठ कर शादी समारोह में भाग लेने जा रहा था और जबरदस्ती से गेट खुलवाया और पार करने लगा तभी कोई ट्रैन पार किया और दुर्घटना घट गई।और सभी लोग घायल हो गये तभी स्काउट के सदस्य आकर सभी को नजदीक के अस्पताल में ले जाकर प्राथमिक उपचार करवाया।आप सभी से अनुरोध है कि कृपया रेलवे नियम का पालन करे।और अपने परिवार के साथ खुशाली की जिंदगी जिए। मौके पर जिला सचिव जीवानंद मिश्र, डीओसी मनीष कुमार, मो महताब, फणीश कुमार उपस्थित थे।

भूमि अधिग्रहण के विरोध में किसानों का प्रदर्शन

एजेंसी

भागलपुर। जिले के कहलगांव प्रखंड स्थित अंतिचक पंचायत में विक्रमशिला केंद्रीय विश्वविद्यालय और उससे जुड़ी परियोजनाओं के लिए किए जा रहे भूमि अधिग्रहण का स्थानीय किसानों ने विरोध किया है। किसानों ने अपनी जमीन के बदले उचित मुआवजा देने की मांग को लेकर मंगलवार को प्रदर्शन किया और प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। प्रदर्शन कर रहे किसानों का कहना है कि सरकार की ओर से तय किया गया मुआवजा वर्तमान बाजार मूल्य के मुकाबले काफी कम है। उनका कहना है कि कृषि भूमि ही उनकी आजीविका का मुख्य साधन है और कम मुआवजे में जमीन देने से उनके परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो जाएगा। किसानों ने कहा कि वे विकास कार्यों के विरोधी नहीं हैं। लेकिन उनकी जमीन का उचित मूल्य मिलना चाहिए कि प्रदर्शन के दौरान किसानों ने प्रशासन से बाजार दर के अनुसार मुआवजा तय करने की मांग की। किसानों ने चेतावनी दी कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता तब तक वे अपनी जमीन अधिग्रहण के लिए नहीं देंगे। वहीं इस मुद्दे को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है और किसान प्रशासन से जल्द समाधान की उम्मीद कर रहे हैं।

टॉप-10 अपराधियों में शामिल कुख्यात सिंटू यादव गिरफ्तार

एजेंसी

भागलपुर। नवगछिया पुलिस को अपराध नियंत्रण के अभियान में बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस जिले के टॉप-10 अपराधियों की सूची में शामिल कुख्यात अपराधी सिंटू यादव को अवैध हथियार और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया गया है। उसकी गिरफ्तारी से क्षेत्र के लोगों ने राहत की सांस ली है। उक्त आशय की जानकारी मंगलवार को नवगछिया एसपी वैभव शर्मा ने दी। एसपी ने बताया कि सिंटू यादव की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम का गठन किया गया था। टीम लगातार उसके संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही थी और तकनीकी एवं मानवीय सूचना के आधार पर उसकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि खरीक थाना क्षेत्र के अंबो भगवती स्थान के समीप वह किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में मौजूद है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इलाके की घेराबंदी की और सिंटू यादव को दबोच लिया। गिरफ्तार अपराधी की पहचान खरीक थाना क्षेत्र के नवटोला भवनपुर निवासी सिंटू यादव (पिता- महेंद्र यादव) के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके पास से एक देशी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए।

सहयोग शिविर में प्रशासन की बड़ी उपलब्धि 75 मामलों का शत-प्रतिशत निष्पादन

तेघड़ा/ बेगूसराय। अनुमंडल पदाधिकारी तेघड़ा राकेश कुमार के नेतृत्व में चलाए जा रहे सहयोग शिविर अभियान के तहत बछवाड़ा प्रखंड की चमथा-3 पंचायत में आयोजित सहयोग शिविर में प्रशासन ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। शिविर के दौरान प्राप्त 75 मामलों का शत-प्रतिशत निष्पादन कर आमजनों को त्वरित राहत प्रदान की गई। सहयोग शिविर का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान उनके पंचायत स्तर पर ही उपलब्ध कराना है, ताकि लोगों को विभिन्न कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। इसी उद्देश्य के अनुरूप विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने शिविर में उपस्थित होकर प्राप्त आवेदनों की जांच की तथा पात्र मामलों का मौके पर ही निष्पादन सुनिश्चित किया। अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार ने कहा कि सहयोग शिविर सरकार और प्रशासन की एक जनकल्याणकारी पहल है, जिसका मुख्य उद्देश्य आम लोगों को त्वरित, पारदर्शी एवं सुलभ प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को योजनाओं का लाभ समय पर मिले तथा उसकी समस्याओं का समाधान शीघ्र हो। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि सहयोग शिविर में प्राप्त आवेदनों का गंभीरतापूर्वक निष्पादन किया जाए तथा किसी भी मामले को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन जनता की समस्याओं के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है और प्रत्येक जरूरतमंद तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना ही इस अभियान का मूल उद्देश्य है। चमथा-3 पंचायत में आयोजित इस शिविर की सफलता से स्थानीय लोगों में संतोष का माहौल देखा गया। लोगों ने पंचायत स्तर पर ही समस्याओं के समाधान की व्यवस्था को सराहते हुए इसे जनहित में अत्यंत उपयोगी पहल बताया। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार सहयोग शिविरों के माध्यम से विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्र, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, राशन कार्ड, राजस्व एवं अन्य जनकल्याणकारी मामलों से संबंधित समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। अनुमंडल पदाधिकारी के नेतृत्व में चल रहे इस अभियान से आम जनता और प्रशासन के बीच विश्वास और संवाद भी मजबूत हो रहा है।

वीरपुर अनुमंडल अस्पताल में सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत 87 गर्भवती महिलाओं की हुई जांच

एजेंसी

सुपौल। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत मंगलवार को वीरपुर अनुमंडल अस्पताल में विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में खबर भेजे जाने तक 87 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श, दवाएं एवं स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान की गई। अस्पताल परिसर में गर्भवती महिलाओं की सुविधा के लिए विभिन्न जांच काउंटर बनाए गए थे। प्रशिक्षित एएनएम और स्वास्थ्यकर्मियों ने स्वास्थ्य कार्ड की जांच के साथ आवश्यक चिकित्सकीय परीक्षण किए। शिविर में महिलाओं की लंबी कतारें देखी गईं और स्वास्थ्यकर्मियों ने व्यवस्थित तरीके से सभी जांच प्रक्रियाएं पूरी कराईं। अनुमंडल अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. सुशील कुमार ने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार के निर्देशानुसार प्रत्येक माह की नौ तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत विशेष जांच शिविर आयोजित किया जाता है। इसका उद्देश्य गर्भवती महिलाओं और गर्भस्थ शिशु के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी कर सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करना है। शिविर के दौरान ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, हीमोग्लोबिन, एचआईवी, हेपेटाइटिस, यूरिन जांच और ब्लड ग्रुप सहित गर्भावस्था से संबंधित सभी आवश्यक जांचें निःशुल्क की गईं। जांच के बाद महिलाओं को आवश्यक दवाएं भी उपलब्ध कराई गईं। चिकित्सकों ने गर्भवती महिलाओं को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने, पौष्टिक एवं संतुलित आहार लेने, आयरन और कैल्शियम की दवाओं का सेवन करने तथा किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या होने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लेने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि नियमित जांच से गर्भावस्था के दौरान संभावित जोखिमों की समय रहते पहचान कर सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित किया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान जांच के बाद महिलाओं के लिए नाश्ता और स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था भी की गई थी। शिविर में डॉ. शैलेन्द्र दीपक, डॉ. एस. रहमान, एएनएम, लैब टेक्नीशियन सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। स्वास्थ्य विभाग ने अभियान को मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण पहल बताते हुए अधिक से अधिक गर्भवती महिलाओं से इसका लाभ उठाने की अपील की।

सुपौल में 74 समेकित स्वास्थ्य शिविरों का शुभारंभ, घर-घर तक पहुंचेगी स्वास्थ्य सेवाएं : डीएम

एजेंसी

सुपौल। जिले में आम लोगों को उनके घर के नजदीक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में मंगलवार को एक महत्वपूर्ण पहल की शुरूआत की गई। जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, बिहार स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी (बीएसएसीएस) तथा बिहार ग्रामीण जागरूकता अभियान समिति (बीजीजेएएस) के संयुक्त तत्वावधान में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में कुल 74 समेकित स्वास्थ्य शिविरों का शुभारंभ किया गया। किशनपुर प्रखंड के मलाढ़ पंचायत में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का उद्घाटन जिलाधिकारी सावन कुमार ने किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि स्वस्थ शरीर ही किसी भी व्यक्ति के समग्र विकास की आधारशिला है। यदि व्यक्ति स्वस्थ रहेगा तभी वह शिक्षा, रोजगार और सामाजिक जीवन में बेहतर योगदान दे सकेगा। उन्होंने कहा कि समय-समय पर स्वास्थ्य जांच और चिकित्सकीय परामर्श लेना अत्यंत आवश्यक है, लेकिन कई बार ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए जिले में समेकित स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया है, ताकि लोगों को उनके घर के समीप ही गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। जिलाधिकारी ने आशा कार्यकताओं, आंगनबाड़ी सेविकाओं, जीविका दीदियों तथा अन्य फ्रंटलाइन कर्मियों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए उनसे अधिक से अधिक लोगों को शिविरों तक लाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता के बिना किसी भी स्वास्थ्य अभियान को पूरी सफलता नहीं मिल सकती। साथ ही उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों, मुखिया एवं अन्य जनप्रतिनिधियों से भी इस जनहितकारी अभियान में सक्रिय सहयोग देने की अपील की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिविल सर्जन ने कहा कि जिले के सभी 74 शिविरों में प्रशिक्षित चिकित्सकों, नर्सों, लैब तकनीशियनों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की टीम तैनात की गई है।

भवानंदपुर में निकली भव्य कलश शोभायात्रा, भागवत कथा ज्ञान यज्ञ शुरू

एजेंसी

वीरपुर (बेगूसराय)। वीरपुर प्रखंड की भवानंदपुर पंचायत में नौ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के शुभारंभ पर मंगलवार को 251 कन्याओं के साथ भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा दुर्गा स्थान स्थित कथा स्थल से निकलकर गांव के विभिन्न मार्गों होते हुए मुजफ्फरा इमली घाट पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलशों में पवित्र जल भरकर कथा स्थल पर स्थापना की गई।नई पारंपरिक वेशभूषा में सजी 251 कन्याएं सिर पर कलश लेकर शोभायात्रा में शामिल हुईं। धार्मिक जयघोष और भजन-कीर्तन से पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में सराबोर रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्थानांतरण ग्रामीण सह आयोजन समिति के सदस्य के ओम प्रकाश सिन्हा, मनोरंजन कुमार सिंह, विकास सिन्हा, राहुल कुमार, सुजीत कुमार का सराहनीय सहयोग रहा। मौके पर में उप प्रमुख सुबोध पासवान, पूर्व प्रमुख फूलन देवी, अजय झा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।आयोजकों ने बताया कि वृंदावन की कथा वाचक वैदेही शरण जी नौ दिनों तक श्रीमद्भागवत कथा का वाचन करेंगी।

संक्षिप्त

शांति वार्ता के बीच बंदूकधारियों का हमला, नाइजीरिया में 39 लोगों का अपहरण

अबूजा, एजेंसी। नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में शांति वार्ता के दौरान सशस्त्र हमलावरों ने 39 लोगों का अपहरण कर लिया। पुलिस प्रवक्ता याजीद अबूबकर के अनुसार, कुल 47 ग्रामीण एक कुख्यात अपहरण गिरोह के सरगना के माता-पिता से सुलह और शांति वार्ता के लिए मिले थे। इसी दौरान गिरोह का सरगना अपने साथियों के साथ वहां पहुंचा और अधिकांश लोगों को अगवा कर ले गया। यह सामूहिक अपहरण रविवार को मगामिन डिङ्गी समुदाय में हुआ, जो मरादुन क्षेत्र के अंतर्गत आता है। उत्तरी नाइजीरिया के कई इलाकों में लगातार हो रहे हमलों और कमजोर सुरक्षा व्यवस्था के कारण स्थानीय समुदाय अक्सर सशस्त्र गिरोहों के साथ सीधे बातचीत और समझौते का रास्ता अपनाते हैं। लोगों का मानना है कि सेना उन्हें पर्याप्त सुरक्षा देने में विफल रही है। नाइजीरिया इस समय गंभीर सुरक्षा संकट का सामना कर रहा है। खासकर देश के उत्तरी हिस्सों में एक दशक से अधिक समय से जारी उग्रवाद, फिरौती के लिए अपहरण करने वाले सशस्त्र गिरोहों और अवैध खनन गतिविधियों ने हालात को और जटिल बना दिया है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, पूर्वोत्तर नाइजीरिया में जारी विद्रोह और हिंसा के कारण हजारों लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि लाखों लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं।

क्यूबा के पास 6.1 तीव्रता का भूकंप; फ्लोरिडा और मेक्सिको तक झटके महसूस हुए

मंटुआ , एजेंसी। क्यूबा के उत्तर-पश्चिमी तट के पास सोमवार को 6.1 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (स्त्रस्) के मुताबिक, भूकंपका केंद्र पश्चिमी क्यूबा के मंटुआ शहर से करीब 104 किलोमीटर दूर समुद्र में था। इसकी गहराई लगभग 26 किलोमीटर दर्ज की गई। भूकंप के झटकों से क्यूबा के कई इलाकों में इमारतें हिल गईं और लोग घरों व दफ्तरों से बाहर निकल आए। राजधानी हवाना समेत कई शहरों में कंपन महसूस किया गया। झटकों का असर अमेरिका के फ्लोरिडा तक पहुंचा। मियामी, फोर्ट लॉडरडेल और ऑरलैंडो के आसपास के इलाकों में भी लोगों ने कंपन महसूस होने की जानकारी दी। एहतियात के तौर पर कुछ सरकारी कार्यालय खाली कराए गए। मेक्सिको के युकातान प्रायद्वीप, कैंकून, प्लाया डेल कारमेन और टुलुम में भी झटके महसूस किए गए। हालांकि क्यूबा, अमेरिका और मेक्सिको में कहीं से भी बड़े नुकसान या जनहानि की खबर नहीं है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस इलाके में इतने शक्तिशाली भूकंप बेहद दुर्लभ हैं। 1880 के बाद पहली बार इतनी तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया है। भूकंप के बाद सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। हालांकि अधिकारियों ने लोगों को आफ्टरशॉक की संभावना को देखते हुए सतर्क रहने की सलाह दी है।

रावलकोट में पाकिस्तानी रेंजर्स और प्रदर्शनकारियों में झड़प, गोलीबारी में 11 की मौत

रावलकोट , एजेंसी। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर एक बार फिर से भारी अशांति और भयानक हिंसा की चपेट में आ गया है। यहां सक्रिय नागरिक संगठन जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी पर कड़े प्रतिबंध के बाद हालात बहुत ज्यादा बिगड़ गए हैं। रावलकोट में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई भयंकर झड़पों में 11 लोगों की मौत हो गई है। इस खौफनाक हिंसा में 70 से अधिक लोग बुरी तरह से घायल भी बताए जा रहे हैं। यह भारी हिंसा ऐसे समय में भड़की है जब पूरे क्षेत्र में 9 जून को पूर्ण बंद का बड़ा आह्वान किया गया था। रॉयटर्स के अनुसार हालात तब बिगड़े जब समर्थक एक अस्पताल की मोर्चरी के बाहर बड़ी संख्या में इकट्ठा हुए। वहां संगठन के एक कार्यकर्ता का शव रखा गया था जिसकी पहले हुई गोलीबारी में मौत हो गई थी। भीड़ को हटाने के लिए पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने कड़ी कार्रवाई की जिससे बवाल बढ़ गया।पुलिस और सुरक्षाबलों की कार्रवाई : पूंछ सेक्टर के कमिश्नर सरदार वहीद खान ने बताया कि इस खौफनाक हिंसा के दौरान कई जानें गई हैं। कुछ उपद्रवियों ने सीधे सुरक्षा बलों पर अपनी गोलीबारी शुरू कर दी थी जिसके बाद यह भयानक जवाबी कार्रवाई हुई। पुलिस प्रमुख लियाकत मलिक ने साफ बताया कि 23 सुरक्षाकर्मी और करीब 50 प्रदर्शनकारी बुरी तरह से घायल हुए हैं। हिंसा को रोकने के लिए कई लोगों को हिरासत में लिया गया है। इस ताजा और उग्र आंदोलन की सबसे बड़ी वजह विधानसभा में 12 आरक्षित सीटों को लेकर लिया गया फैसला है। 45 सदस्यीय विधानसभा में ये सीटें उन शरणार्थियों के लिए आरक्षित की गई हैं जो अन्य हिस्सों में रहते हैं। स्थानीय संगठनों का आरोप है कि इस नई व्यवस्था से उनका अपना राजनीतिक प्रतिनिधित्व काफी ज्यादा कमजोर होगा। उनका यह भी कहना है कि क्षेत्र के फैसलों पर सिर्फ स्थानीय लोगों का ही अधिकार होना चाहिए।

छत्तीसगढ़ में कंगना रनौत : सीएम साय के साथ देखी 'भारत भाग्य विधाता', नर्सों की वीरता को किया सलाम

रायपुर, एजेंसी। भाजपा सांसद और बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत अपनी फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की विशेष स्क्रीनिंग के लिए रायपुर पहुंचीं. शहर के जोरा स्थित मॉल में आयोजित स्क्रीनिंग में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, सांसद बृजमोहन अग्रवाल सहित मंत्री और विधायक भी विशेष स्क्रीनिंग शामिल हुए. फिल्म देखने के बाद मुख्यमंत्री ने कंगना के अभिनय की सराहना की और कहा कि यह फिल्म 26/11 मुंबई आतंकी हमले के दौरान कामा अस्पताल की नर्सों के साहस और समर्पण की गाथा है. वहीं एयरपोर्ट पर मीडिया से चर्चा करते हुए कंगना रनौत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की जमकर प्रशंसा की और उन्हें वैश्विक नेतृत्व का प्रतीक बताया.

फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' स्क्रीनिंग : भाजपा सांसद एवं अभिनेत्री कंगना रनौत अपनी नई फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की स्पेशल स्क्रीनिंग सीएम विष्णु देव साय के साथ देखी. इस दौरान कंगना रनौत और मुख्यमंत्री साय ने फिल्म के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की. रायपुर एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में कंगना रनौत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की खुलकर प्रशंसा की. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को लगातार जनसमर्थन मिल रहा है और वे विश्व के सबसे लोकप्रिय नेताओं में से एक बनकर उभर रहे हैं. कंगना ने कहा कि पूरी दुनिया नेतृत्व के लिए उनकी ओर देख रही है और भारत को विश्वगुरु के रूप में स्थापित होते हुए देखना गर्व की बात है.

पीएम मोदी के नेतृत्व की तारीफ कंगना रनौत ने की : 10 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले प्रधानमंत्री बनने के अवसर पर कंगना रनौत ने इसे देश के लिए गौरव का क्षण बताया. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को देशभर में जो सम्मान और लोकप्रियता मिल रही है, वह उनकी कार्यशैली और नेतृत्व क्षमता का परिणाम है, दुनिया उन्हें वैश्विक मार्गदर्शन के प्रतीक के रूप में देख रही है.

फिल्म भारत भाग्य विधाता' देखने की अपील की : अपनी फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' को लेकर कंगना रनौत ने लोगों से इसे देखने की अपील की. उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक फिल्म नहीं बल्कि सेवा, समर्पण और साहस की प्रेरणादायक कहानी है, जिसे हर भारतीय को देखना चाहिए.

नर्सों की वर्दी पर भी रखी राय : भारतीय अस्पतालों में नर्सों की वर्दी पर ब्रिटिश प्रभाव और उसे भारतीय स्वरूप देने के सवाल पर कंगना ने कहा कि यह उनकी व्यक्तिगत राय हो सकती है, लेकिन नर्सों के लिए सबसे बेहतर वही होगा जो वे स्वयं पसंद करें. उन्होंने कहा कि इस विषय पर निर्णय लेने का अधिकार और समझ सबसे अधिक नर्सों के पास ही है.

साय ने की फिल्म और कंगना के अभिनय की सराहना : फिल्म देखने के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कंगना रनौत का धन्यवाद करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी फिल्म की स्क्रीनिंग के लिए छत्तीसगढ़ को चुना, यह राज्य के लिए गौरव की बात है. मुख्यमंत्री ने कहा कि कंगना ने फिल्म में नर्स की भूमिका को बेहद प्रभावशाली ढंग से निभाया है.

26/11 के दौरान नर्सों के काम और उनके साहस को समर्पित है फिल्म : मुख्यमंत्री साय ने बताया कि 'भारत भाग्य विधाता' 26/11 मुंबई आतंकी हमले के दौरान कामा अस्पताल की नर्सों द्वारा दिखाई गई बहादुरी और सेवा भावना पर आधारित है. आतंकियों के हमले के बीच नर्सों ने जिस साहस के साथ घायलों की सेवा की, उसी प्रेरक कहानी को फिल्म के माध्यम से दर्शाया गया है. रायपुर में फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की स्क्रीनिंग केवल एक सिनेमाई आयोजन नहीं रही, बल्कि 26/11 के दौरान स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा दिखाई गई सेवा, साहस और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरक गाथा को सामने लाने का अवसर भी बनी.

रूस ने पाकिस्तान के साथ कर लिया बड़ा समझौता, दोनों देश मिलकर करेंगे मुकाबला

बिश्केक , एजेंसी। किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन के गृह और सार्वजनिक सुरक्षा मंत्रियों की अहम बैठक के दौरान पाकिस्तान और रूस के बीच एक बड़े समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। पाकिस्तानी गृह मंत्रालय के मुताबिक, दोनों देशों ने अवैध इमिग्रेशन और नशीले पदार्थों की तस्करी पर लगाम लगाने के लिए एक साथ मिलकर काम करने का फैसला किया है।

पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी इस विशेष बैठक में हिस्सा लेने के लिए बिश्केक में मौजूद थे। इस दौरे पर उन्होंने रूस के अलावा कई अन्य सदस्य देशों के नेताओं से भी मुलाकात की, जिसमें अफगानिस्तान से पनप रहे 'आतंकवाद' का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। पाकिस्तानी गृह मंत्रालय के अनुसार, गृह मंत्री मोहसिन नकवी और उनके रूसी समकक्ष व्लादिमीर कोलोकोल्त्सेव के बीच जिन समझौतों पर मुहर लगी है, वे इस प्रकार हैं- अवैध नागरिकों का डिपोर्टेशनः पाकिस्तान के गृह मंत्रालय द्वारा जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक, दोनों देश एक-दूसरे के यहां अवैध रूप से रह रहे नागरिकों की पहचान करने और उनकी वतन वापसी सुनिश्चित करने में एक-दूसरे की मदद करेंगे।

घुसपैठ पर लगामः अवैध इमिग्रेशन को रोकने के लिए दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाया जाएगा ताकि गैर-कानूनी तरीके से होने वाली आवाजाही को रोका जा सके। ड्रग्स तस्करी पर एक्शनः नशीले पदार्थों की हेराफेरी को जड़ से खत्म करने के लिए भी दोनों पक्षों के बीच एक अलग और महत्वपूर्ण समझौता हुआ है। इसके तहत ड्रग सिंडिकेट्स के खिलाफ साझा कार्रवाई की जाएगी। एससीओ के मंच का फायदा उठाते हुए पाकिस्तानी गृह मंत्री ने उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान और कजाकिस्तान के प्रतिनिधियों के साथ भी अलग-अलग बैठकें कीं। उज्बेक गृह मंत्री अजीज ताशपुलातो के साथ लॉ एन्फोर्समेंट एजेंसियों (कानून लागू करने वाली संस्थाओं) के बीच सहयोग और जॉइंट ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू करने पर चर्चा हुई।

जयपुर में मस्जिद-मजार समेत पांच धार्मिक स्थलों पर चला बुलडोजर, 19 घंटे बाद इंटरनेट सेवा बहाल

जयपुर , एजेंसी। राजस्थान की राजधानी जयपुर के जगतपुरा क्षेत्र में सोमवार को जयपुर विकास प्राधिकरण ने अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए कई अवैध ढांचों को ध्वस्त किया। यह अभियान नंदपुरी अंडरपास से रेलवे लाइन के समानांतर बनी सड़क को 80 फीट चौड़ा करने के मकसद से चलाया गया। कार्रवाई के दौरान 5 धार्मिक स्थलों सहित 125 से अधिक अवैध निर्माणों को हटाया गया। रविवार रात करीब 12 बजे से बंद इंटरनेट सेवा को सोमवार शाम 7 बजे बहाल कर दिया गया। प्रशासन ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए थे।

पूरे अभियान के दौरान करीब 3 हजार पुलिसकर्मी तैनात रहे। कई मार्गों पर बैरिकेडिंग कर लोगों की आवाजाही सीमित कर दी गई। इतना ही नहीं, नंदपुरी और आसपास के क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति अस्थायी रूप से रोक दी गई थी। स्थिति पर नजर रखने के लिए ड्रोन कैमरों का उपयोग किया गया। पुलिस ने छतों पर मौजूद लोगों से माइक के जरिए नीचे उतरने की अपील की और फोटो या वीडियो नहीं बनाने का अनुरोध भी किया। इस कार्रवाई को देखते हुए जयपुर के कई इलाकों में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं भी बंद कर दी गई थीं। जयपुर संभागीय आयुक्त वी. सरवन कुमार के आदेश पर रविवार रात 12 बजे से सोमवार रात 12 बजे तक 2त्न, 3त्न, 4त्न और 5त्न इंटरनेट सेवाएं निलंबित रखने का फैसला लिया गया था। हालांकि, हालात सामान्य होने के बाद सोमवार शाम करीब 7 बजे इंटरनेट सेवाएं फिर से शुरू कर दी गईं। इस दौरान कुछ टेलिकॉम कंपनियों की इंटरनेट सेवाएं ही बहाल हो सकीं। प्रशासन का कहना है कि सड़क चौड़ी होने से हरे कृष्णा मार्ग पर यातायात का दबाव कम होगा और नंदपुरी से जगतपुरा तक आवागमन अधिक सुगम हो जाएगा। इसके अलावा क्षेत्र की 50 से अधिक कॉलोनियों के निवासियों को मालवीय नगर, प्रधान मार्ग और अपेक्स सर्किल तक पहुंचने में बेहतर सुविधा मिलेगी।

इंटरनेट बंदी का प्रभाव जयपुर उत्तर और जयपुर पूर्व के कई थाना क्षेत्रों में देखने को मिला। इसका असर ऑनलाइन पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों के साथ-साथ ई-कॉमर्स से जुड़े लोगों पर भी पड़ा।

जंतर-मंतर के बाद अब पुणे यूनिवर्सिटी में आंदोलन!

अभिजीत दीपके का ऐलान, 11 जून को सड़कों पर दिखेंगे कॉकरोच

पुणे, एजेंसी। दिल्ली के जंतर-मंतर पर ऐतिहासिक आंदोलन के बाद कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके हाल ही में अपने गृह नगर संभाजीनगर पहुंचे। घर वापसी के तुरंत बाद, बिना समय गंवाए उन्होंने सीजेपी के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए अपना अगला बड़ा 'एक्शन प्लान' साझा किया है। दीपके ने इस संबंध में एक प्रभावी वीडियो और पोस्टर भी जारी किया है, जिसमें उन्होंने छात्रों से एकजुट होने की अपील करते हुए महाराष्ट्र की 'शिक्षा राजधानी' पुणे में महा-आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है।

पुणे यूनिवर्सिटी में 11 जून को हल्ला बोल : देश में हाल ही में नीट, सीबीएसई और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में सामने आई कथित धांधली और पेपर लीक के मामलों ने छात्रों के भविष्य पर सवालिया निशान लगा दिया है। इसी के विरोध में सीजेपी अब महाराष्ट्र में अपने

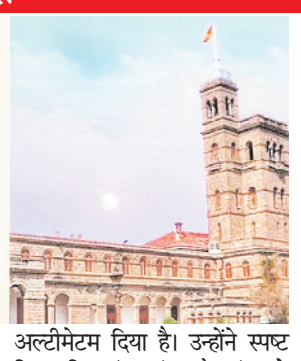

आंदोलन का विस्तार कर रही है। अभिजीत दीपके ने घोषणा की है कि आगामी 11 जून (गुरुवार) को शाम 4 बजे सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय परिसर में एक विशाल विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इस आंदोलन का मुख्य उद्देश्य केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगना है।

शिक्षा मंत्री को अल्टीमेटम और देशव्यापी रणनीति : अभिजीत दीपके ने अपने वीडियो संदेश में केंद्र सरकार को सीधा अल्टीमेटम दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जंतर-मंतर के मंच से उन्होंने शिक्षा मंत्री को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने के लिए आगामी शनिवार तक का समय दिया था। दीपके ने चेतावनी दी है कि यदि शनिवार तक इस्तीफा नहीं आता है, तो वे व्यक्तिगत रूप से देश के अलग-अलग राज्यों और प्रमुख शहरों का दौरा करेंगे और वहां के छात्रों को एकजुट करेंगे। यदि फिर भी सरकार की नींद नहीं खुली, तो देशभर के युवा एक बार फिर दिल्ली कूच करेंगे और 'कॉकरोच जनता पार्टी' के बैनर तले एक विशाल और ऐतिहासिक शांतिपूर्ण आंदोलन किया जाएगा। पड़ोसी देशों जैसे नेपाल और बांग्लादेश में हुए हिंसक छात्र आंदोलनों से तुलना किए जाने पर दीपके ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सीजेपी का यह आंदोलन पूरी तरह से लोकतांत्रिक, संवैधानिक और शांतिपूर्ण है। उन्होंने यह भी साफ किया कि यह मंच पूरी तरह से गैर-राजनीतिक है और भविष्य में भी किसी पारंपरिक राजनीतिक दल के साथ कोई औपचारिक गठबंधन नहीं करेगा। उनका कहना है कि कॉकरोच जनता पार्टी पूरी तरह से आज के युवा वर्ग यानी 'जेन-जी' के अधिकारों के लिए समर्पित है। आंदोलन की रूपरेखा साझा करते हुए दीपके ने अपने आधिकारिक एक्स और इंस्टाग्राम हैंडल पर लिखा, पुणे में मिलते हैं।

यूएफसी का व्हाइट हाउस में डेब्यू, ट्रंप के नेतृत्व में सजेगा फ्रीडम 250 का मंच

वॉशिंगटन, एजेंसी। अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप (यूएफसी) व्हाइट हाउस के साउथ लॉन में अपना पहला इवेंट आयोजित करने की तैयारी कर रही है। इसी बीच, अमेरिकी विदेश विभाग (स्टेट डिपार्टमेंट) द्वारा मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स की इस दिग्गज कंपनी के साथ स्पोर्ट्स डिप्लोमेसी साझेदारी शुरू करने का फैसला यह दिखाता है कि यह संगठन खेल, संस्कृति और राजनीति के क्षेत्र में कितनी बड़ी ताकत बन गया है। सेक्रेटरी ऑफ स्टेट मार्को रुबियो, यूएफसी के प्रेसिडेंट और सीईओ डाना व्हाइट के साथ 11 जून को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने वाले हैं। यह कार्यक्रम अमेरिका की 250वीं सालगिरह के जश्न के तहत 14 जून को व्हाइट हाउस में होने वाले 'यूएफसी फ्रीडम 250' से कुछ दिन पहले आयोजित होगा। इसे व्हाइट हाउस में आयोजित होने वाला पहला यूएफसी फाइट कार्ड बताया जा रहा है। आयोजकों के अनुसार, इस ऐतिहासिक फाइट नाइट में इलिया टोपुरिया और जस्टिन गेथजे के बीच चैंपियनशिप का मुख्य मुकाबला होगा, जबकि व्हाइट हाउस के साउथ लॉन में होने वाले को-मेन इवेंट में एलेक्स परेरा का सामना सिरिल गेन से होगा। यूएफसी की प्रचार सामग्री में इस कार्यक्रम को अमेरिका की 250वीं सालगिरह के जश्न के दौरान आयोजित होने वाला विशेष आयोजन बताया गया है। व्हाइट हाउस में होने वाला यह कार्यक्रम उस खेल के लिए एक यादगार पल माना जा रहा है, जिसे कभी अपनी पहचान और मान्यता पाने के लिए संघर्ष करना पड़ा था। 1993 में शुरू हुए यूएफसी ने मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स को एक ऐसे खेल से, जिसे आलोचक कभी मामूली और हिंसक 'ब्लडस्पोर्ट' (खून-खराबे वाला खेल) कहकर खारिज कर देते थे, बदलकर एक वैश्विक खेल और मनोरंजन कारोबार में तब्दील कर दिया है। आज यूएफसी का मालिकाना हक टीकेओ ग्रुप होल्डिंग्स के पास है, जो वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट (डब्ल्यूडब्ल्यूई) की भी मालिक कंपनी है और जिसने हाल ही में पैरामाउंट के साथ सात वर्षों के लिए 7.7 बिलियन डॉलर का अमेरिकी मीडिया अधिकार समझौता किया है। प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप और उनके कई राजनीतिक सहयोगियों के लिए यूएफसी केवल एक खेल संगठन नहीं है। यह युवा पुरुष मतदाताओं जैसे अहम राजनीतिक वर्ग के लिए प्रमुख सांस्कृतिक मंचों में से एक बनकर उभरा है। हाल के यूएफसी कार्यक्रमों में ट्रंप को एलन मस्क, रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर, तुलसी गैबार्ड, मार्को रुबियो, विवेक रामास्वामी और अन्य प्रमुख सहयोगियों के साथ देखा गया है। मीडिया रिपोर्ट्स में उद्धृत इंडस्ट्री डेटा के अनुसार, यूएफसी के लगभग तीन-चौथाई प्रशंसक पुरुष हैं, जिनमें से अधिकांश की उम्र 18 से 44 वर्ष के बीच है। यह वही वर्ग है जिसने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। डाना व्हाइट, जिनकी ट्रंप के साथ दशकों पुरानी दोस्ती है, ने कहा कि व्हाइट हाउस कार्यक्रम का मकसद देश की इस खास सालगिरह का जश्न मनाना है। व्हाइट ने 'द हॉलीवुड रिपोर्टर' से कहा, 'यह इतिहास के सबसे शानदार और ऐतिहासिक स्पोर्ट्स इवेंट्स में से एक होगा, और व्हाइट हाउस में प्रेसिडेंट ट्रंप द्वारा इसकी मेजबानी करना अमेरिका की 250वीं सालगिरह के जश्न को लेकर उनके विजन का सबूत है। व्हाइट ने कहा, 'असल में यह लड़ाई किस बारे में है और हम इसे व्हाइट हाउस में क्यों कर रहे हैं, इसकी वजह यह है कि यह अमेरिका का 250वां जन्मदिन है। रात की पहली लड़ाई से लेकर मुख्य मुकाबले तक, हम अमेरिका की कहानी बताएंगे।

ओमान के पास एमटी मैरीवेक्स जहाज में लगी भयंकर आग, सभी 24 भारतीय क्रू सुरक्षित

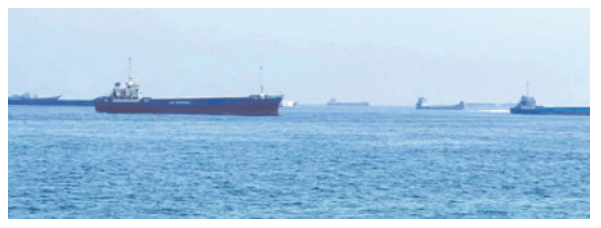

मस्कट , एजेंसी। मस्कट में भारतीय दूतावास ने एमटी मैरीवेक्स पर सवार सभी 24 भारतीय क्रू सदस्यों को पूरी तरह सुरक्षित बचाए जाने की आधिकारिक पुष्टि कर दी है। यह भयानक आग लगने की घटना होर्मुज स्ट्रेट के दक्षिण में सोमवार को घटी थी जिसके बाद चारों तरफ भारी अफरा-तफरी मच गई थी। दूतावास ने इस त्वरित और बेहद सफल रेस्क्यू ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए ओमान के अधिकारियों का विशेष रूप से बहुत धन्यवाद किया है। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि वे ओमानी अधिकारियों की तेज प्रतिक्रिया और क्रू को बचाने के लिए काफी शुक्रगुजार हैं।

इस गंभीर घटना के तुरंत बाद भारत सरकार और संबंधित मंत्रालय भी पूरी तरह से हरकत में आ गए और लगातार मामले पर पैनी नजर बनाए हुए हैं। अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग के दौरान बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने स्पष्ट बताया कि सोमवार दोपहर करीब 1:30 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार अभी तक प्राप्त हुई शुरुआती जानकारी के आधार पर एमटी मैरीवेक्स के सभी भारतीय क्रू मेंबर्स बिल्कुल सुरक्षित हैं। शिपिंग विभाग के डायरेक्टर ओपेश कुमार शर्मा ने कहा कि जहाज पर किसी बाहरी प्रोजेक्टाइल के लगने की पक्की और सटीक जानकारी जुटाई जा रही है।

जहाज के मालिकों से लगातार संपर्क जारी : शिपिंग विभाग और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी जहाज के मालिकों के साथ लगातार अपना संपर्क बनाए हुए हैं और पूरी सच्चाई जानने की कोशिश कर रहे हैं। ओपेश कुमार शर्मा ने बताया कि वे इस पूरी घटना की गहराई तक जाने के लिए विदेश मंत्रालय और ओमान में भारतीय मिशन के साथ भी संपर्क में हैं। ओमान में भारतीय दूतावास ने एक्स पर विस्तार से बताया कि मिशन इस जहाज से जुड़ी घटना की जांच कर रहा है जिसमें कई भारतीय क्रू सवार थे। वे नाविकों के उचित बचाव और पुख्ता सुरक्षा के लिए ओमानी अधिकारियों के साथ लगातार अपने गहरे संपर्क में बने हुए हैं। शिपिंग मंत्रालय अपने सभी नाविकों की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विदेश मंत्रालय और भारतीय नौसेना के साथ बहुत ही बेहतरीन तरीके से समन्वय कर रहा है।

नेतन्याहू से ट्रम्प बोले- संभलकर चलो, वरना अकेले पड़ जाओगे

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को ईरान पर बड़े हमले न करने की सलाह दी है। ट्रम्प को डर है कि अगर जंग बढ़ी तो अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौता खतरे में पड़ सकता है। ईरान और इजराइल के बीच तनाव बढ़ने के बाद ट्रम्प ने नेतन्याहू से फोन पर बात की। एक्सिओस की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प ने उनसे कहा, 'बीबी, संभलकर चलो, नहीं तो बहुत जल्द तुम अकेले पड़ जाओगे। ट्रम्प की चिंता है कि इजराइल के हमले अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत को पटरी से उतार सकते हैं। उनका मानना है कि दोनों देशों के बीच समझौते की संभावना अभी भी बनी हुई है। तनाव तब बढ़ा जब इजराइल ने बेरूत में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमला किया। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल पर मिसाइलें दागीं। बाद में इजराइल ने भी ईरान के अंदर सीमित हमले किए। अप्रैल में हुए सीजफायर के बाद ईरान ने इजराइल पर 30 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। जवाब में इजराइल ने ईरान के सैन्य ठिकानों, एयर डिफेंस सिस्टम और पेट्रोकेमिकल प्लांट पर हमले किए। बढ़ते सैन्य तनाव के बीच भारतीय दूतावास ने एडवाइजरी जारी कर भारतीयों से ईरान की यात्रा

टालने और वहां मौजूद लोगों से जल्द देश छोड़ने को कहा। यमन के हूती विद्रोहियों ने इजराइल से जुड़े जहाजों को निशाना बनाने की चेतावनी दी। इससे वैश्विक समुद्री व्यापार और तेल सप्लाई पर असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है। ईरान-इजराइल टकराव से तेल 3% से ज्यादा महंगाः तनाव बढ़ने के बाद ब्रेंट क्रूड 96.75 डॉलर प्रति बैरल और ड्ब्ल्यूटीआई 93.89 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया। बाजार को होर्मुज स्ट्रेट में सप्लाई बाधित होने का डर है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रम्प ने नेतन्याहू से ईरान पर पलटवार न करने को कहा। अमेरिकी और इजराइली रुख में मतभेद की चर्चाएं तेज हुईं, जबकि ट्रम्प ने कहा कि ईरान के साथ जो भी डील होगी, नेतन्याहू को माननी पड़ेगी। होर्मुज स्ट्रेट के पास सोमवार को अमेरिकी सेना का एक एएच-64 अपाचे हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया।न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, हेलिकॉप्टर में सवार दोनों क्रू मेंबर्स को सुरक्षित बचा लिया गया है। हालांकि दुर्घटना की वजह अब तक साफ नहीं हो सकी है। रिपोर्ट के अनुसार, जांचकर्ता यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि हेलिकॉप्टर ईरानी हमले का शिकार हुआ, किसी तकनीकी खराबी के कारण गिरा या इसके पीछे कोई अन्य कारण था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को ईरान के खिलाफ बड़े सैन्य अभियान से बचने की सलाह दी है। ट्रम्प ने कहा कि अगर इजराइल संघर्ष को और बढ़ाता है तो वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़ सकता है। ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव के बीच ट्रम्प ने नेतन्याहू से फोन पर बात की।

ऋतुराज के शतक के बाद गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से भारत ए टीम ने श्रीलंका ए को हराया

एजेंसी

दांबुला। ऋतुराज गायकवाड़ के शानदार शतक के बाद गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से भारत ए टीम ने श्रीलंका ए को त्रिकोणीय एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में 8 रनों से हरा दिय। इस मैच में ऋतुराज के शतक से भारतीय टीम ने श्रीलंका ए को जीत के लिए 278 रनों का लक्ष्य दिया था। जिसके जवाब में श्रीलंका ए टीम 269 रनों पर ही सिमट गयी। इस प्रकार भारतीय टीम ने 8 रनों से मुकाबला जीत लिया। श्रीलंका की ओर से सबसे अधिक 74 रन साहन अराचिगे ने बनाये। । 48वें ओवर में अंशुल कांबोज ने सहान अराचिगे को पेवेलियन भेज दिया। उस समय श्रीलंका ए को जीत के लिए केवल 10 गेंदों में 9 रन चाहिए थे और उसके पास तीन विकेट थे पर इसके बाद उसके बल्लेबाज टिक नहीं पाये। वानुजा सहान 23 रन बनाकर रनआउट हो गए। वहीं . मोहम्मद शिराज खाता खोले बिना आउट हुए और श्रीलंका ए की पूरी टीम 48.5 ओवर में 269 रन पर आउट हो गयी। भारत ए की ओर से से अरशद खान, अनुकूल रॉय, आयुष बदोनी, वपराज निगल ने दो-दो विकेट लिए। वहीं इससे पहले ऋतुराज के शानदार शतक से भारत ए टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 277 बनाये हैं। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह 2 और वैभव सूर्यवंशी 14 रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गये। इसके बाद प्रियांश आर्य और ऋतुराज गायकवाड़ ने पारी को संभाला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 53 रन बनाये। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए प्रियांश ने 32 गेंदों पर 32 रन बनाये। प्रियांश के आउट होने के बाद ऋतुराज और कप्तान तिलक वर्मा ने पारी संभाली और चौथे विकेट के लिए 150 रन बनाये। ऋतुराज ने 114 गेंदों पर 3 छक्कों और 6 चौकों की सहायता से 101 रन बनाये। कप्तान तिलक वर्मा ने भी 97 गेंदों पर 60 बनाये। आयुष बडोनी ने 24 और सुर्यांश शेड्गे ने 26 रन बनाए। इस प्रकार भारत ए टीम ने 50 ओवर में 6 विकेट पर 277 रन बनाए। वहीं श्रीलंका ए की ओर से मोहम्मद सिराज ने 2 विकेट जबकि चमिका करुणारत्ने, गारुका संकेथ, और वानुजा सहान ने 1-1 विकेट लिए।

पंड्या की वापसी का रास्ता साफ

BCCI की मंजूरी के बाद अफगानिस्तान सीरीज में खेलना तय

नई दिल्ली। टीम इंडिया और उसके फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पूरी तरह फिट हो गए हैं और उन्हें BCCI के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्पोर्ट्स साइंस टीम ने आगामी अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की ODI सीरीज में खेलने के लिए मंजूरी दे दी है। चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग में कुछ मुकाबलों से बाहर रहने के बाद हार्दिक पंड्या ने फिटनेस हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत की और अब वह 50 ओवर के क्रिकेट की चुनौती के लिए तैयार हैं। 32 साल के हार्दिक पंड्या की आईपीएल में पीठ में ऐंठन (back spasms) के कारण मुंबई इंडियंस के लिए कई मैच नहीं खेल पाए थे। वह दो जून 2026 से बेंगलुरु में ष्टश्वश्च में हैं। समाचार एजेंसी पीटीआई ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सूत्र के हवाले से लिखा, CoE में आने से पहले हार्दिक विदेश में छुट्टियां मना रहे थे। अगले पांच दिनों में उन्होंने कई मैच सिमुलेशन किए और 10 ओवर (पूरा कोटा) गेंदबाजी भी की। सूत्र ने बताया, हार्दिक पंड्या को कोई परेशानी नहीं हुई और जानकारी के मुताबिक सीओई में स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच ने अलग-अलग पैमानों पर उनके फिटनेस डेटा को मंजूरी दे दी है।

सोमवार आठ जून 2026 को भारत की पुरुष क्रिकेट टीम के सहायक कोच सितांशु कोटक ने कहा था कि भले ही उनके पास हार्दिक पंड्या की फिटनेस के बारे में कोई ताजा जानकारी नहीं है, लेकिन उन्हें लगता है कि यह ऑलराउंडर ठीक है।

खतरे में स्टोक्स की कप्तानी

- न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के बाद नाइट क्लब में बवाल

एटकिंसन भी थे साथ

नई दिल्ली। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान के तौर पर बेन स्टोक्स का भविष्य संकट में है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) सोमवार सुबह एक नाइट क्लब में हुई घटना की जांच कर रहा है। स्टोक्स के साथ गस एटकिंसन भी थे। वह भी जांच की घेरे में हैं। ईसीबी ने इस घटना को 'टीम प्रोटोकॉल का उल्लंघन' बताया है, जो लॉर्ड्स में पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड के खिलाफ इंग्लैंड की 115 रन की जीत के बाद हुई। ईएसपीएनक्रिकइंफो को पता चला है कि मामला इतना गंभीर है कि स्टोक्स की कप्तान जा सकती है। ईसीबी ने सोमवार शाम को कहा कि इस घटना को क्रिकेट नियामक को भेज दिया गया है और जांच के कारण स्टोक्स और एटकिंसन 17 जून को द ओवल में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट से बाहर हो सकते हैं। इस घटना में किसी भी खिलाड़ी को चोट नहीं आई। माना जा रहा है कि इस घटना में सारासेन्स रग्बी क्लब के खिलाड़ी शामिल थे, जो अपने सीजन के आखिर के जश्न में मौजूद थे।

ईसीबी ने क्या कहा?

घटना एटकिंसन और एक अनजान एकेडमी के खिलाड़ी के बीच हुए झगड़े की वजह से हुई। ईसीबी ने बयान में कहा, 'ईसीबी अभी न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के खत्म होने के बाद टीम प्रोटोकॉल के उल्लंघन की जांच कर रहा है। बेन स्टोक्स और गस एटकिंसन सोमवार सुबह एक नाइट क्लब में मौजूद थे,जब यह घटना हुई। हम अभी और जानकारी ढूंढ रहे हैं और दूसरे टेस्ट के लिए टीम के बारे में सही समय पर घोषणा की जाएगी। क्रिकेट नियामक को बता दिया गया है और जब भी मुमकिन होगा हम आगे जानकारी देंगे।'

अर्जुन तेंदुलकर का ऑलराउंड प्रदर्शन

3 विकेट झटके, 194 के स्ट्राइक रेट से ठोके 66 रन, अंधेरी जीता

नई दिल्ली। दिग्गज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर ने बल्ले और गेंद दोनों से कमाल का प्रदर्शन किया। उन्होंने आर्क्स अंधेरी को सोमवार (8 जून) को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में टी20 मुंबई लीग 2026 में बांद्रा ब्लास्टर्स को 9 विकेट से शानदार जीत दिलाई। अर्जुन ने पहले तीन ओवर में 11 रन देकर 3 विकेट लिए,जिसमें एक मेडन भी शामिल था। इससे बांद्रा ब्लास्टर्स 9 विकेट पर 144 रन बना सका।

फिर अर्जुन ने लक्ष्य का पीछा करते हुए नाबाद अर्धशतक जड़ा। उन्होंने 194 के स्ट्राइक रेट से रन ठोके। 145 रन का पीछा करते हुए आर्क्स अंधेरी ने दिव्यांश सकसेना (26) का तेज शुरुआत के बाद विकेट जल्दी खो दिया, लेकिन अर्जुन और मुशीर खान ने इसके बाद विकेट नहीं गिरने दिया। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए नाबाद 116 रन की साझेदारी की, जिसमें अर्जुन ने 34 गेंदों पर नाबाद 66 रन और मुशीर ने 38 गेंदों पर नाबाद 54 रन बनाए।

अर्जुन और मुशीर के बीच 68 गेंद पर 116 रनों की साझेदारी

अर्जुन और मुशीर के बीच 68 गेंद पर 116 रनों की साझेदारी हुई। इससे आर्क्स अंधेरी ने 9 विकेट और 37 गेंद बाकी रहते लक्ष्य हासिल कर लिया और एक बड़ी जीत हासिल की। अर्जुन ने अपनी पारी में 4 चौके और 5 छक्के लगाए। मुशीर ने 7 चौके और एक छक्का लगाया। आर्क्स अंधेरी अंक तालिका में दूसरे नंबर पर है। उसने 4 में से 3 मैच में जीत दर्ज की है। नॉर्थ मुंबई पैंथर्स ने 4 मैच में 4 जीत के साथ अंतिम-4 में जगह सुनिश्चित कर ली है।

सूर्यकुमार फिर गरजे, 200 के स्ट्राइक रेट से ठोके 72 रन

ट्रायम्फस नाइट्स एमएनई के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने सोमवार (9 जून) को एमएससी मराठा रॉयल्स के खिलाफ 36 गेंद पर 13 चौके और 1 छक्के की मदद से नाबाद 72 रन बनाए।

20 साल में पहली बार हुए चुनाव में दर्ज की ऐतिहासिक जीत

2030 तक रियल मैड्रिड के प्रेसिडेंट बने रहेंगे पेरेज

मैड्रिड। फ्लोरेंटिनो पेरेज 2030 तक रियल मैड्रिड के प्रेसिडेंट बने रहेंगे। दो दशकों में पहली बार हुए चुनाव में पेरेज ने शानदार जीत हासिल करते हुए अपनी कुर्सी बचाए रखी है। क्लब के इलेक्टोरल बोर्ड द्वारा सोमवार सुबह जारी आधिकारिक डेटा के मुताबिक, 79 साल के पेरेज ने कुल गिने गए वोटों में से 65 प्रतिशत वोट हासिल करके शानदार जीत हासिल की। पेरेज की उम्मीदवारी को क्लब के मेंबर-ओनर्स (सोसियोस) से 21,741 वोट मिले। पेरेज के चैलेंजर, 37 साल के रिन्यूएबल एनर्जी एंटरप्रेन्योर एनरिक रिक्वेल्मे को 11,814 वोट मिले, जो वोटर्स का 35 प्रतिशत है।

रियल मैड्रिड के इलेक्टोरल बोर्ड ने घोषणा करते हुए बताया कि 100 प्रतिशत इन-पर्सन और मेल-इन वोटों की गिनती के साथ, मिस्टर फ्लोरेंटिनो पेरेज की टीम ने रियल मैड्रिड के प्रेसिडेंट और बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के चुनाव जीत लिए हैं। पेरेज को 21,741 वोट मिले, जो कुल वोटों का 65 प्रतिशत है। वहीं, एनरिक रिक्वेल्मे की टीम को 11,814 वोट मिले, जो 35 प्रतिशत वोटों के बराबर हैं।

रविवार को रियल मैड्रिड सिटी बास्केटबॉल पवेलियन में इन-पर्सन और मेल-इन बैलेट के जरिए कुल 33,555 सदस्यों ने वोटिंग की।

दोबारा से प्रेसिडेंट चुने जाने के बाद पेरेज ने अपने भाषण में कहा, 'हम चुनाव जीत गए हैं और खिताब जीतते रहने के लिए काम करते रहेंगे। हम सभी पोलिंग स्टेशन पर जीते हैं और रियल मैड्रिड के चुनावों के इतिहास में दूसरा सबसे अच्छा नतीजा हासिल किया है। यह एक बहुत बढ़िया नतीजा है। 'फ्लोरेंटिनो पेरेज की जीत के बाद अब रियल मैड्रिड में बड़े बदलाव की तैयारी है। उनकी जीत का मतलब है कि सोमवार को जोस मोरिन्हो को क्लब का नया मैनेजर आधिकारिक रूप से घोषित किया जा सकता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, मोरिन्हो को टीम से जोड़ने के लिए रियल मैड्रिड पुर्तगाली क्लब बेनफिका को 1.5 करोड़ यूरो (15 मिलियन यूरो) की रिलीज फीस का भुगतान करेगा। अपने चुनाव अभियान के दौरान, पेरेज ने मोरिन्हो को वापस लाने का वादा किया था, जिनके रियल मैड्रिड में तीन वर्षों में क्लब ने एक ला लीगा टाइटल, एक कोपा डेल रे और एक स्पैनिश सुपर कप जीता।

नेमार इंजरी से रिकवर कर रहे हैं: सीबीएफ

न्यू जर्सी। ब्राजील के स्टार फॉरवर्ड नेमार की इंजरी फीफा विश्व कप 2026 से पहले टीम के लिए सबसे बड़ी चिंता है। हालांकि, ब्राजीलियन फुटबॉल कन्फेडरेशन (सीबीएफ) ने कहा है कि नेमार इंजरी से रिकवरी की पूरी कोशिश कर रहे हैं और इसका परिणाम भी दिख रहा है। सीबीएफ ने नेमार के बारे में अपडेट देते हुए बताया कि स्टार फॉरवर्ड के दाहिने पैर में ग्रेड टू पिंडली की चोट से उनकी रिकवरी का पता लगाने के लिए एमआरआई स्कैन किया गया। 34 साल के नेमार की रिकवरी उम्मीद के मुताबिक है। वह एक खास योजना के तहत इलाज लेते रहेंगे। शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, 'सीबीएफ ने यह नहीं बताया कि वह खेलने के लिए कब तक उपलब्ध होंगे। 'स्थानीय मीडिया के मुताबिक वह कम से कम दूसरे ग्रुप मैच तक उपलब्ध नहीं रहेंगे।

नेमार, ब्राजील के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 128 इंटरनेशनल मैचों में 79 गोल किए हैं। इंजरी की वजह से अक्टूबर 2023 के बाद से वह राष्ट्रीय टीम के लिए नहीं खेले हैं। हाल में उन्हें अपने क्लब सैंटोस के लिए खेलते हुए मई इंजरी हुई थी। स्टार खिलाड़ी की पिंडली में चोट लगी थी। ब्राजील अपने वर्ल्ड कप कैंपेन की शुरुआत शनिवार को मोरक्को के खिलाफ करेगा। इसके बाद उसका सामना हैती और स्कॉटलैंड से होगा। नेमार शुरुआती दो मैचों से बाहर रह सकते हैं। ब्राजील अगले साल रिकॉर्ड 23वीं बार फीफा वर्ल्ड कप में हिस्सा लेगा। ब्राजील एकमात्र ऐसी टीम है जिसने विश्व कप के हर एडिशन में हिस्सा लिया है।

FIFA World Cup

22 संस्करण में केवल 6 मेजबानों ने जीते हैं फुटबॉल वर्ल्ड कप

नई दिल्ली (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप वर्ल्ड कप का पहली बार आयोजन 1930 में हुआ था और अब तक के 22 संस्करण हुए हैं और सिर्फ छह देशों ने अपनी मेजबानी में यह खिताब जीता है। इसमें मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना भी शामिल है। अपनी मेजबानी में पहली बार फीफा वर्ल्ड कप उरुग्वे ने जीता था।

उसने फाइनल में अर्जेंटीना को हराकर 1930 का वर्ल्ड कप जीता था।1934 में अगले वर्ल्ड कप में भी मेजबान ने ही खिताब जीता। इटली ने जीत दर्ज की थी। इसे आज भी इतिहास का टूर्नामेंट का सबसे भ्रष्ट संस्करण माना जाता है। उस समय के इतालवी प्रधानमंत्री बेनिटो मुसोलिनी ने इसमें खुलकर दखल दिया था। इसके बाद1966 तक किसी मेजबान देश ने वर्ल्ड कप नहीं जीता। 1966 इंग्लैंड ने अपनी मेजबनी में आज तक अपना एकमात्र खिताब जीता। 1970 के दशक में दो मेजबान देशों ने अपनी सरजमीं पर टूर्नामेंट जीता।

चार दशक का सूखा अब खत्म हो सकता है- 1974 में पश्चिम जर्मनी और 1978 में अर्जेंटीना ने खिताब जीता। 1998 में फ्रांस अपने देश में वर्ल्ड कप जीतने वाला आखिरी देश बना। लगभग चार दशक का सूखा अब खत्म हो सकता है। 2026 और 2030 के वर्ल्ड कप को 9 देश मिलकर मेजबानी करेंगे। ऐसे में मेजबान देश के टूर्नामेंट जीतने की संभावना बढ़ सकती है। हालांकि, एक बात का ध्यान रखना होगा कि कोई देश अब सह-मेजबान के तौर पर टूर्नामेंट जीत सकता है।

अपनी मेजबानी में फुटबॉल वर्ल्ड कप जीतनेवाले देश

- **उरुग्वे (1930):** मोंटेवीडियो के एस्टाडियो सेंटेनारियो में फाइनल में अर्जेंटीना को हराकर पहला विश्व कप जीता।
- **इटली (1934):** रोम में चेकोस्लोवाकिया को हराकर अपना पहला खिताब जीता।
- **इंग्लैंड (1966):** वेम्बली स्टेडियम में फाइनल में पश्चिम जर्मनी को हराने के बाद आज तक का अपना एकमात्र विश्व कप जीता।
- **पश्चिम जर्मनी (1974):** म्यूनिख फाइनल में नीदरलैंड को हराकर अपना दूसरा खिताब हासिल किया।
- **अर्जेंटीना (1978):** ब्यूनस आयर्स के एस्टाडियो मोन्यूमेंटल में एक्सट्रा टाइम में नीदरलैंड को हराकर अपना पहला विश्व कप जीता।
- **फ्रांस (1998):** सेंट-डेनिस में स्टेड डी फ्रांस में फाइनल में ब्राजील को हराकर खिताब जीती।

डब्ल्यूएसजे ने माना, दुनिया की सबसे हैरान करने वाली आर्थिक सफलता की कहानी है उत्तर कोरिया

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर कोरिया का मामला दुनिया की सबसे हैरान करने वाली आर्थिक

सफलता की कहानी बन गया है। अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के बावजूद यह देश पहले से कहीं ज्यादा अमीर हो गया है।' द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने 7 जून को इस देश का दौरा करने वाले लोगों के बयानों के आधार पर यह जानकारी दी। यह खबर ऐसे समय सामने आई है जब चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग प्योंगयांग पहुंच गए हैं। हाल के सालों में अपनी यात्राओं में लगातार कटौती करने वाले किसी नेता के लिए उत्तर कोरिया की यह एक रेयर स्टेट विजिट है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उत्तर कोरिया के राष्ट्रपति किम जोंग उन और उनकी पत्नी री सोल जू ने शी और उनकी पत्नी पेंग लियुआन का स्वागत किया। इस दौरान 21 तोपों की सलामी दी गई। मिलिट्री बैंड ने दोनों देशों के राष्ट्रगान बजाए। वहीं, ड्ब्स्छ्ध ने बताया कि हथियारों की बिक्री और चीन से मिलने वाले सामान और फंडिंग की वजह से डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया यानी उत्तर कोरिया की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। रिपोर्ट के अनुसार, देश में ऐसे संकेत कई सालों से नहीं देखे गए थे। यह देश न केवल अपने उत्पादों को सफलतापूर्वक बेचता है और सहयोगियों का समर्थन हासिल करता है। अलबत्ता, अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों से बचने के तरीके भी ढूंढता है। इससे प्योंगयांग को ऊर्जा, कलपुर्जों और अलग-अलग सामग्रियों के आयात को बढ़ाने में मदद मिलती है।

आर्थिक सफलता की ओर इशारा कर रहे ये प्रोजेक्ट

जर्नल के अनुसार, प्योंगयांग में नए पेट स्टोर, इंटरनेट कैफे और बीएमडब्ल्यू कारें बेचने वाले डीलरशिप खुले हैं। अकेले पिछले साल राजधानी में 10,000 नए घर बनाए गए। ये लॉस एंजिल्स या शिकागो में हुए निर्माण के आंकड़ों से ज्यादा हैं। इसके अलावा, सालों से रुके हुए बड़े प्रोजेक्ट भी पूरे किए गए हैं। प्योंगयांग का सबसे बड़ा अस्पताल, न्यूयॉर्क के सेंट्रल पार्क से भी बड़ा ग्रीनहाउस कॉम्प्लेक्स और एक नया रिजॉर्ट कॉम्प्लेक्स इनमें शामिल हैं। देश के अधिकारियों ने '20×10' प्रोग्राम भी शुरू किया है। इसके तहत अगले 10 सालों तक हर साल 20 शहरों और जिलों में फैक्टरियां बनाई जाएंगी। 4 जून को उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन ने परमाणु सामग्री बनाने वाले एक नए प्लांट का निरीक्षण किया। इसे हाल ही में चालू किया गया था। उन्होंने जोर देकर कहा कि (वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया) की केंद्रीय समिति (आठवें सत्र) के नेतृत्व में पांच सालों में देश में हथियार-ग्रेड परमाणु सामग्री की उत्पादन क्षमता को दोगुना करना संभव हो पाया है।

दिग्गज ने किया खुलासा : भारत को अरबों का नुकसान

सरकार ने अपने ही पैरों पर मारी कुल्हाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने कहा है कि विदेशों में पर्यटन मार्केटिंग बजट में भारी कटौती करने के भारत के फैसले से विदेशी पर्यटकों की संख्या पर बुरा असर पड़ा है। इससे देश की अर्थव्यवस्था को अरबों डॉलर के संभावित रेवेन्यू का नुकसान हुआ है। उन्होंने तर्क दिया कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के इस दौर में विदेशी मुद्रा कमाने और बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करने के लिए पर्यटन सबसे तेज रास्तों में से एक है।

इकोनॉमिक टाइम्स में लिखे एक आर्टिकल में कांत ने बताया कि पिछले चार वर्षों में भारत का विदेशी पर्यटन मार्केटिंग बजट लगभग शून्य कर दिया गया है। इसका नतीजा यह हुआ कि साल 2024 में भारत में 99 लाख विदेशी पर्यटक आए, जो कोरोना महामारी से पहले यानी साल 2019 के स्तर से अब भी लगभग 10 प्रतिशत कम है। दूसरी ओर, भारत के सभी प्रतिस्पर्धी देश साल 2019 के स्तर को पार कर तेजी से आगे बढ़ चुके हैं। अमिताभ कांत के मुताबिक एक विदेशी पर्यटक भारत की जीडीपी में प्रति यात्रा लगभग 3000 डॉलर (करीब 2.87 लाख रुपये) का योगदान देता है, जबकि एक घरेलू पर्यटक का योगदान सिर्फ 75 डॉलर (करीब 7000 रुपये) होता है। अगर भारत विदेशी मार्केटिंग में 200 मिलियन डॉलर का निवेश करता है, तो इससे 10 लाख अतिरिक्त विदेशी पर्यटक आकर्षित किए जा सकते हैं। इससे 3.6 अरब डॉलर की

आर्थिक वैल्यू और 400 मिलियन डॉलर का जीएसटी कलेक्शन होगा।

यह मार्केटिंग में लगाए गए हर एक डॉलर पर 18 गुना रिटर्न है। अगर सिर्फ 55000 अतिरिक्त पर्यटक भी आ जाते हैं, तो मार्केटिंग की पूरी लागत वसूल हो जाएगी। यह कोई काल्पनिक अनुमान नहीं है, बल्कि इन्क्रेडिबल इंडिया अभियान ने यह करके दिखाया है।

इन देशों का बढ़ गया रेवेन्यू

अमिताभ कांत ने आर्टिकल में कुछ देशों का उदाहरण दिया है। उन्होंने बताया है कि जब इन देशों ने टूरिज्म मार्केटिंग पर खर्च बढ़ाया तो न केवल विदेशी पर्यटक बढ़े, बल्कि रेवेन्यू में भी तेजी आई। मलेशिया ने वित्त वर्ष 2024 में टूरिज्म मार्केटिंग पर 7 करोड़ डॉलर खर्च किए। इससे इंटरनेशनल टूरिस्ट की संख्या 31 प्रतिशत बढ़कर 2.73 करोड़ हो गई। साथ ही मलेशिया का रेवेन्यू 37.5 प्रतिशत बढ़कर 22 अरब डॉलर हो गया। थाईलैंड में में टूरिज्म मार्केटिंग पर 12 करोड़ डॉलर खर्च किए। इससे थाईलैंड में विदेशी पर्यटकों की संख्या 26 प्रतिशत बढ़कर 3.55 करोड़ हो गई। रेवेन्यू 34 फीसदी बढ़कर 48 अरब डॉलर हो गया। ब्राजील ने 9 करोड़ डॉलर किए। इससे विदेशी पर्यटकों की संख्या में 22 प्रतिशत का उछाल आया।सऊदी अरब में भी विदेशी पर्यटकों की संख्या में इजाफा देखा गया। सऊदी अरब जाने वाले पर्यटक 3 करोड़ बढ़ गए। इससे सरकार को 41 अरब डॉलर का रेवेन्यू मिला।

भारत कितना कमजोर

कांत ने कहा कि आज ग्लोबल टूरिज्म इंडस्ट्री पूरी तरह से डिजिटल प्लेटफॉर्म (यूट्यूब प्री-रोल्स, सोशल मीडिया एल्गोरिदम और इन्फ्लुएंसर नेटवर्क) पर शिफ्ट हो चुकी है, लेकिन भारत यहां गायब है। इन्क्रेडिबल इंडिया के फेसबुक पर 19 लाख और इंस्टाग्राम पर 7.85 लाख फॉलोअर्स हैं, लेकिन उनका एंगेजमेंट (लोगों की प्रतिक्रिया) बेहद निराशाजनक है। उदाहरण के लिए लगभग इतने ही फॉलोअर्स के साथ सऊदी अरब को एक महीने में 2.7 करोड़ व्यूज मिलते हैं, जबकि भारत को सिर्फ 3.88 लाख व्यूज मिल पा रहे हैं।

दिए महत्वपूर्ण सुझाव

कांत ने होटलों, रेस्टोरेंट्स, होमस्टे और ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरों के लिए नियमों को आसान बनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि मल्टीपल लाइसेंस और बार-बार होने वाले इंस्पेक्शन से भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता कम होती है। इसकी जगह 'यूनिफाइड लाइसेंस' और ऑटोमैटिक रिन्यूअल सिस्टम होना चाहिए। अमिताभ कांत ने नीति निर्माताओं से कंटेंट क्रिएटर्स और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को रणनीतिक संपत्ति मानने का आग्रह किया।

वोडाफोन आईडिया और एयरटेल के शेयरों में तीन प्रतिशत तक की उछाल, कोर्ट से मिली राहत से निवेशक खुश

नईदिल्ली, एजेंसी। टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल लिमिटेड और वोडाफोन आइडिया के शेयरों में उछाल देखने को मिली है। कंपनियों के शेयरों की कीमतों में 3 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई है। इस उछाल बॉम्बे हाईकोर्ट से मिली राहत के बाद देखने को मिली। कोर्ट ने टेलीकॉम कंपनियों भारती एयरटेल और वोडाफोन-आइडिया पर एकमुश्त स्पेक्ट्रम शुल्क (ओटीएससी) लगाने के केंद्र सरकार के 2012 के फैसले को सोमवार को खारिज कर दिया। साथ ही अदालत ने इस तरह के फैसले के अधिकार क्षेत्र पर भी सवाल उठाया आज मंगलवार को वीआई के शेयर बीएसई में 14.38 रुपये के स्तर पर ओपन हुए थे। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 3.61 प्रतिशत की तेजी के साथ 14.90 रुपये के स्तर पर पहुंच गया है। हालांकि, इसके बाद शेयरों में नरमी देखने को मिली। लेकिन बढ़त 1 प्रतिशत से अधिक की बनी हुई है। इस टेलीकॉम कंपनी का शेयर 1834.65 रुपये के स्तर पर खुला था। कंपनी के शेयर 1 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ 1835.85 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया। इसके बाद एयरटेल के शेयरों में बिकवाली शुरू हो गई। जिसकी वजह से कंपनी का शेयर 1 प्रतिशत से अधिक लुढ़क भी गया है। जस्टील मनीष पिटाले और न्यायमूर्ति श्रीराम शिरसाट की खंडपीठ ने ओटीएससी की वसूली के लिए केंद्र सरकार द्वारा जारी मांग नोटिसों को भी रद्द कर दिया। अदालत ने कहा कि सरकार यह बताने में विफल रही है कि उसे ऐसा निर्णय लेने और उसके आधार पर मांग नोटिस जारी करने का अधिकार किस स्रोत से प्राप्त हुआ।

कई साल पहले बंद कर दी थी सुविधा

आईआरसीटीसी ने फिर शुरू किया चलती ट्रेनों में खाना बनाना

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण कच्चे तेल की सप्लाई बाधित हुई है। इससे देश में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की काफी किल्लत हो गई है। इस कारण इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन को चलती ट्रेनों में खाना पकाने का काम फिर से शुरू करना पड़ रहा है। कई साल पहले इस प्रोसेस को चरणबद्ध तरीके से बंद कर दिया गया था। हालांकि इस बार खाना इलेक्ट्रिक इंडक्शन स्टोव पर पकाया जाएगा।

ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक आईआरसीटीसी ने पैंट्री कारों में बिजली से खाना पकाने का तरीका अपनाया है। कंपनी 1,400 ट्रेनों में रोजाना 17 लाख लोगों को फूड सर्विसेज मुहैया करती है। इस सर्विस को जारी रखने के लिए बड़े स्टेशनों पर इंडक्शन स्टोव लगाए गए हैं। देश की ज्यादातर प्रीमियम ट्रेनें जैसे राजधानी, शताब्दी, दुरंतो और वंदे भारत कोच के साथ चलती हैं।

सीएमडी संजय कुमार जैन ने कहा, 'हमने अपने वेंडर्स को पैंट्री कार में खाना पकाने की इजाजत दी है जिनमें पहले से ही सेफ्टी फैसिलिटीज मौजूद हैं। इसलिए अब हमारी सभी पैंट्री कारें चलती ट्रेन में बिजली से खाना बना सकती हैं। साथ ही बहुत बड़ी जगहों पर हमने इंडक्शन कुकिंग के लिए बिजली का इस्तेमाल किया है। साथ ही हमने साथ समझौता किया है ताकि सरकारी निर्देशों के मुताबिक हमें प्राथमिकता मिले।'

पैंट्री कार की सुविधा

पश्चिम एशिया संकट से कमाई पर बुरा असर पड़ा है। इनपुट कॉस्ट बढ़ने के कारण 2025-26 की चौथी तिमाही में कैटरिंग सेगमेंट का मार्जिन 10.4 प्रतिशत से घटकर 6.3 प्रतिशत रह गया। एनालिस्ट्स ने इस पर चिंता जताई है। स्टॉक पर नजर रखने वाले मुंबई के एक एनालिस्ट ने कहा, 'कैटरिंग की कीमतों में आखिरी बार बदलाव 2019 में हुआ था। मार्जिन बनाए रखने के लिए टैरिफ बढ़ाना होगा या फिर वॉल्यूम में लगातार बढ़ोतरी करनी होगी।' जैन ने कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना पर टिप्पणी करने से इनकार किया और कहा कि कैटरिंग की कीमत रेलवे मंत्रालय तय करता है। 28 फरवरी को ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से ही होर्मुज स्ट्रेट से तेल और गैस की सप्लाई बाधित हुई है। दुनिया का 20 फीसदी तेल इसी रास्ते से गुजरता है।

बेंगलुरु की रियल एस्टेट कंपनी ला रही है बोनस इश्यू, अगले सप्ताह है रिकॉर्ड डेट

मुंबई, एजेंसी। आज हम आपको ऐसे शेयर के बारे में बता रहे हैं जो बोनस देने वाली है। जी हां, बेंगलुरु की रियल एस्टेट डेवलपर ब्रिगेड इंटरप्राइजेज बोनस शेयर दे रही है। कंपनी ने इसके लिए रिकॉर्ड तिथि 17 जून (बुधवार) तय किया है। कंपनी ने बोनस इश्यू का रेशियो 1:3 तय किया है। कंपनी के इस फैसले को शेयरधारकों की मंजूरी मिल चुकी है। कंपनी ने करीब सात साल में अपना पहला बोनस इश्यू घोषित किया है।

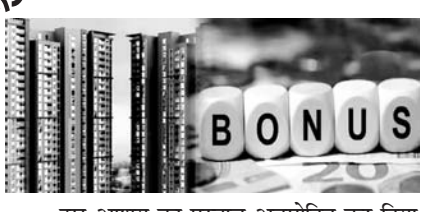

इसकी घोषणा बीते मई में तब हुई थी जबकि कंपनी ने बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही त्त्4 का परिणाम जारी किया था। उस समय कंपनी ने बताया था कि उसके बोर्ड ने

इस आशय का प्रस्ताव अनुमोदित कर दिया है। रिकॉर्ड तिथि पर जिन शेयरधारक के पास कंपनी के तीन शेयर होंगे, उन्हें एक बोनस शेयर मिलेगा। कंपनी के शेयरों का अंकित मूल्य 10 रुपये है। ब्रिगेड इंटरप्राइजेज ने अपनी शेयर पूंजी को भी 250 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 400 करोड़ रुपये करने की योजना को मंजूरी दी है। यह पूंजी पहले 25 करोड़ शेयरों में विभाजित थी।

शेयर बाजार को बताया

ब्रिगेड इंटरप्राइजेज ने सोमवार को एक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि उसके शेयरधारकों ने 7 जून को ई-वोटिंग के माध्यम से पोस्टल बैलट द्वारा बोनस शेयरों के इश्यू को अनुमोदित कर दिया है। जिन शेयरधारक के पास रिकॉर्ड तिथि पर कंपनी के शेयर होंगे, उन्हें बोनस शेयर मिलेगा।

पश्चिम बंगाल में सरकार बदलते ही रॉकेट हुई हेलमेट की बिक्री, कई लोग पहली बार कर रहे खरीदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में हाल में हुए विधानसभा चुनावों के बाद हेलमेट्स की बिक्री में काफी तेजी देखी जा रही है। 4 मई को आए चुनाव नतीजों ने राज्य के हालात बदल दिए। नई बीजेपी सरकार के कार्यभार संभालने से पहले ही पुलिस ने समाज के सभी वर्गों और इलाकों में हेलमेट नियमों के उल्लंघन पर सख्ती शुरू कर दी। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक इसका असर सड़कों के साथ-साथ हेलमेट्स के शोरूम्स पर भी साफ दिखाई दे रही है।

इससे पहले लोगों की शिकायत रहती थी कि ट्रैफिक के नियमों को लागू करने में भेदभाव हो रहा है। वे इस बात से नाराज थे कि कुछ लोगों को छूट दी जा रही थी जबकि दूसरों के साथ सख्ती की जा रही है। लेकिन विधानसभा चुनाव के नतीजों में एक झटके में स्थिति बदल दी है। हेलमेट बनाने वाली सबसे बड़ी कंपनियों में से एक स्टड्स एक्सेसरीज की मई में पश्चिम बंगाल में बिक्री 70 प्रतिशत बढ़ गई। खास बात यह है कि बच्चों के हेलमेट की बिक्री दोगुनी से भी ज्यादा हो गई। हेलमेट बनाने वाली एक और कंपनी वेगा हेलमेट्स के डिस्ट्रीब्यूटर्स का कहना है कि राज्य में मई से बिक्री में 30 प्रतिशत तेजी आई है। कंपनी के डायरेक्टर कुणाल चंडक ने बताया कि छोटे शहरों और कस्बों में ज्यादा मांग दिख रही है। इस मामले में ईटी ने कोलकाता में हेलमेट बेचने वाले एक दर्जन दुकानदारों से बात की। उन्होंने मई में बिक्री में 40-60 प्रतिशत तेजी की पुष्टि की जबकि पहले यह बढ़ोतरी 8-9 प्रतिशत के आसपास रहती थी। पुलिस के आंकड़ों के अनुसार केवल कोलकाता में ही मई में बिना हेलमेट गाड़ी चलाने के लिए 35,600 से ज्यादा चालान काटे गए।

बच्चों के हेलमेट

इसकी वजह यह है कि पूरे राज्य में अब हेलमेट पहनने के नियम को सख्ती से लागू किया जा रहा है। स्टड्स की बिक्री के आंकड़ों के अनुसार बच्चों के हेलमेट की मांग पहले सिर्फ कोलकाता तक ही सीमित थी। लेकिन अब मुर्शिदाबाद, मालदा, मेदिनीपुर, कृष्णानगर, आसनसोल, बर्दवान, बांकुरा, सिलीगुड़ी और जलपाईगुड़ी जैसे शहरों और कस्बों से भी डिमांड आ रही है। बीजेपी सरकार ने ट्रैफिक नियमों को सख्ती से लागू करने को प्राथमिकता दी है। राज्य के कैबिनेट मंत्री अशोक कीर्तनिया ने ईटी को बताया कि पुलिस को निर्देश दिया गया है कि हेलमेट न पहनने वाले सभी लोगों पर कार्रवाई की जानी चाहिए। इसमें केवल सिखों को धार्मिक कारणों से छूट दी गई है। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि पूरे राज्य में नियमों को सख्ती से लागू किया जा रहा है। कुछ जिलों की पुलिस ने सुरक्षा का संदेश देने के लिए 'यमराज' के वेश में जवानों को तैनात किया है।

आपके आईटीआर की हो सकती है बारीकी से जांच

सीबीडीटी ने जारी की गाइडलाइन, जानें किन पर होगी लागू

नई दिल्ली, एजेंसी। सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेस ने वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान इनकम टैक्स रिटर्न की कम्पलसरी स्क्रूटनी के लिए नई गाइडलाइंस जारी कर दी हैं। ये नियम उन टैक्सपेयर्स पर लागू होंगे जिन्होंने वित्त वर्ष 2025-26 में अपना रिटर्न भरा है। इन गाइडलाइंस में बताया गया है कि इनकम टैक्स विभाग किन आधारों पर और किस प्रक्रिया के तहत टैक्स रिटर्न की बारीकी से जांच करेगा। श्व्ञ के मुताबिक, अगर आप छापेमारी, सर्वे, या बड़े टैक्स विवादों के दायरे में आते हैं, तो आपके आईटीआर की बारीकी से जांच होगी।

एस.के. पटौदिया एलएलपी के असोसिएट डायरेक्टर मिहिर तन्ना कहते हैं कि इनकम टैक्स असेसमेंट का मतलब है कि टैक्सपेयर ने रिटर्न में जो जानकारी दी है, विभाग उसकी पुष्टि और समीक्षा करता है। यह जांच मुख्य रूप से दो तरह की होती है। पहला, कम्पलसरी स्क्रूटनी (अनिवार्य जांच) और दूसरा, रिस्क पैरामीटर्स पर आधारित जांच। हर साल विभाग कम्पलसरी स्क्रूटनी के लिए गाइडलाइंस जारी करता है। 2025 के मुकाबले 2026 की गाइडलाइंस में कोई ऐसा बड़ा बदलाव नहीं है जो टैक्सपेयर्स पर बहुत ज्यादा असर डाले।

ये वजहें से हो सकती हैं

सर्वे के मामले : अगर किसी टैक्सपेयर के यहां सेक्शन 133 के तहत सर्वे हुआ है (खासकर 1 अप्रैल 2024 के बाद), तो उनका केस चुना जा सकता है। छापेमारी और जब्ती : जिन मामलों में 1 अप्रैल 2024 के बाद आयकर विभाग ने

छापेमारी की है या कागजात जब्त किए हैं, उनकी अनिवार्य जांच होगी।

सेक्शन 148 के नोटिस : छापेमारी या सर्वे के बाद सेक्शन 148 के तहत नोटिस जारी किया गया है। बिना छापेमारी वाले वे मामले जिनमें सेक्शन 148 के तहत नोटिस दिया गया है और जिनकी जांच 31 मार्च 2027 तक पूरी होनी है।

ट्रस्ट और संस्थान : ऐसे ट्रस्ट या संस्थान जिन्हें टैक्स छूट देने से मना कर दिया गया है या जिनकी छूट रद्द कर दी गई है, लेकिन फिर भी उन्होंने छूट का दावा किया है।

पिछली बड़ी गलतियां : अगर पिछले सालों में टैक्सपेयर की आमदनी की गणना में अधिकारियों ने बड़े बदलाव किए थे और वही मुद्दा इस बार भी है। अगर यह रकम दिल्ली, मुंबई, कोलकाता जैसे 8 बड़े शहरों में 50 लाख रुपये से ज्यादा और अन्य शहरों में 20 लाख रुपये से ज्यादा है, तो जांच होगी।

टैक्स चोरी की पुख्ता जानकारी : अगर किसी अन्य एजेंसी (पुलिस या अन्य रेगुलेटरी अथॉरिटी) से टैक्स चोरी की पक्की जानकारी मिलती है, तो विभाग उस रिटर्न की गहन जांच करेगा। मिहिर तन्ना का कहना है कि अगर असेसमेंट के दौरान अधिकारी टैक्सपेयर की दिखाई गई इनकम को नहीं मानता और उसे बढ़ा देता है, तो अगले साल भी स्क्रूटनी का खतरा रहता है।

12 एग्जाम में फेल, फिर एसडीएम चायवाला बनी पहचान, अब 1 लाख महीने की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। गोपाल सिंह एसडीएम चायवाला' के नाम से मशहूर हैं। उनका स्टॉल कोटा के जवाहर नगर इलाके में एलन समुन्नत बिल्डिंग के ठीक सामने लगता है। कभी वह सिविल सेवा की तैयारी करने कोटा आए थे। वह मूल रूप से झालावाड़ के रहने वाले हैं। गोपाल अब अपनी चाय और वड़ा पाव की दुकान से महीने में लगभग 1,00,000 रुपये कमाते हैं। आइए, यहां गोपाल सिंह की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

गोपाल सिंह अक्सर सोचते हैं कि अगर वह सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट बन भी जाते तो उनकी शुरुआती सैलरी लगभग 56,000 रुपये होती। इसके बजाय उनका मानना है कि किस्मत उन्हें एंटरप्रेन्योरशिप के जरिए एक ज्यादा आजाद और फायदेमंद रास्ते पर ले गई।

गोपाल सिंह मूल रूप से राजस्थान के झालावाड़ से हैं। उन्होंने पटवारी, ग्राम सेवक, कॉन्स्टेबल, फॉरेस्ट गार्ड और आरएएस समेत 10 से 12 प्रतियोगी परीक्षाओं में हिस्सा लिया। हालांकि, वह कभी भी फाइनल राउंड में नहीं चुने गए। बार-बार मिली नाकामियों और कोरोना महामारी के दौरान भारी आर्थिक तंगी का सामना करने के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी।

2022 में एसडीएम चायवाला' की शुरुआत: 2022 में गोपाल ने जवाहर नगर में अपनी दुकान एसडीएम चायवाला' शुरू की। उनका कहना है कि अगर वह अधिकारी बनते तो सरकारी नियमों और कानूनों से बंधे होते। आज वह खुद अपने बॉस हैं।

सभी फाइनेंशियल टारगेट पूरे: उनका सपना सीधा-सादा था- सम्मान के साथ जीना, अपना घर

होना और कार खरीदना। अपने छोटे से स्टार्टअप के जरिए उन्होंने यह सब हासिल कर लिया है। उनका पक्का यकीन है कि हर नाकामी एक बड़े सफर की शुरुआत होती है।

चाय के साथ 'मोटिवेशन' की घुट्टी

गोपाल की चाय और वड़ा पाव कोटा के कोचिंग स्टूडेंट्स के बीच खास तौर पर मशहूर हैं। हालांकि, वह सिर्फ खाने-पीने की चीजें ही नहीं देते, बल्कि हिम्मत भी बढ़ाते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे स्टूडेंट्स के बीच अपना दिन बिताते हुए गोपाल उन्हें लगातार हिम्मत न हारने के लिए प्रेरित करते हैं। पढ़ाई के भारी दबाव वाले शहर में वह स्टूडेंट्स को सलाह देते हैं कि कोई भी गलत कदम उठाने से पहले अपने माता-पिता के बारे में सोचें। गोपाल सिंह यह भी सुझाव देते हैं कि स्टूडेंट्स को अपनी पढ़ाई के साथ छोटा-मोटा पार्ट-टाइम काम भी करना चाहिए ताकि वे आर्थिक रूप से आजाद और आत्मनिर्भर बन सकें। गोपाल का यकीन है कि परीक्षा में फेल होने का मतलब जिंदगी का खत्म होना नहीं है। आज जवाहर नगर में उनका स्टॉल सिर्फ चाय की गाड़ी नहीं, बल्कि युवाओं के लिए हिम्मत और आत्मनिर्भरता की एक जीती-जागती मिसाल है।

गुरू

संतोष महली,
ईटा, लोहरदगा।

गुरू बिनु गेयान काहां
गुरू कर करू सम्मान,
गुरू बिनु दुनिया अंधार
मात-पितु गुरू भगवान।

जाइत -पाइत खिरसी
माटी
बिगड़ेला कइसे जबान,
गुरू बिनु भुइंया रेंगती
उड़ेक सिखली असमान।

गुरू तप बड़ा कठिन
बनेक डहर नखे
आसान,
हांसेक मुसकाएक साधते
खतम
तब गुरू पबितर मन।

गुरू पांवे छाला चइल-
चइल
ठाड़ होइ काम नी करे
तन,
केंस पाइक,तोंद निकले
सदा जीवन रहैं बेरंग।

गुरू नइ तो कुछो नइ
एतइ तो रे मानव जान,
गुरू फुलक भुखल
गुरू के का देवे पारब
दान !सेले

गुरू बिनु गेयान काहां
गुरू कर करू सम्मान,
गुरू बिनु दुनिया अंधार
मात-पितु गुरू भगवान।
--*-*-*-*

भीसन गरमी में राहत कर पहल, सीतल पेय कर बितरन

1000 से बेसी झन सीतल सरबत गरहन करलयं

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में पड़ेक वाला गरमी कर बीच श्री जीण माता प्रचार समिति सोमार के रिम्स जगन कर दुर्गा मंदिर परिसर में निःसुल्क सीतल पेय बितरन सिबिर कर आयोजन मंगलवार के करलक। बिहाने 10 बजे से सुरू होवल ई सेवा सिबिर में दूपहर 3 बजे तक मरीज, उनकर परिजन, अस्पताल कर नर्सिंग स्टाफ, एम्बुलेंस चालक आउर राहगीरमन संगे 1000 से बेसी झन सीतल सरबत गरहन करलयं। रिम्स में दूर-दराज से इलाज करुवायेक ले आवल आउर घंटों धूप में पांइत में ठड़ा अदमीमन ई सेवा से बिसेस रूप से लाभान्वित होलयं। स्थानीय अदमीमन आउर मरीजमन कर परिजनमन समिति कर ई प्रयास कर सराहना करलयं। समिति कर पदधारीमन कहलयं कि जनसेवा ही सच्ची सेवा आहे। आगे भी अइसन सेवा काम जारी रही। कार्जकरम के सफल बनायेक में श्रीमती संगीता अग्रवाल आउर श्रीमती नेहा सिंघानिया कर मुध भूमिका रहे। समिति कर अन्य सदस्यमन भी बइढ़-चइढ़ के सेवा काम में हिस्सा लेलयं।

धरती आबा

रामदेव बड़ाईक, रांची

भाइ-बहिन संगीमन,
राखु तनि प्रीत रे,
जल जंगल जमीन कर, गाउ तनि गीत रे।
बिरसा भगवान रहैं,
क्रांतिकारी अग्रदूत रे,
जल जंगल जमीन कर, गाउ तनि गीत रे।
बिरसा कर गौरव गाथा ,
प्रकृति प्रतीक रे,
जल जंगल जमीन कर, गाउ तनि गीत रे।
आदिवासी - सदान कर,
आहे हियां मित रे,
जल जंगल जमीन कर, गाउ तनि गीत रे।
पढ़ैना साहित रामदेव,
देखु गढ़ैंना गीत रे,
जल जंगल जमीन कर, गाउ तनि गीत रे।

भगवान बिरसा मुंडा के देल गेल सरधानजलि, देखू तस्बीर

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार आउर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा कर पुण्यतिथि में 9 जून के कोकर इस्थित उनकर समाधि स्थल में पुष्पांजलि अर्पित करलयं। उनके भावपूर्न सरधानजलि देलयं। इकर बाद राज्यपाल आउर मुख्यमंत्री बिरसा चौक स्थित उनकर प्रतिमा में पुस्प अर्पित कइर के कोटि-कोटि नमन करते भगवान बिरसा मुंडा कर बेक्तित्व आउर कृतित्व के याइद करलयं। राज्यपाल कहलयं कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा कर त्याग, संघर्स आउर समाज कर उत्थान कर प्रति उनकर समरपन सउब ले प्रेरनास्रोत आहे। ऊ जनजातीय समाज में आत्मसम्मान, स्वाभिमान आउर जागरूकता कर संचार करते रास्ट्र कर प्रति समरपण कर अद्वितीय मिसाल प्रस्तुत करलयं। उनकर आदर्स आउर बिचार भावी पीढ़िमन कर मार्गदरसन करते रही। ई अवसर में मुख्यमंत्री कहलयं कि आइज धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा कर पुण्यतिथि आहे। लगभग सवा सौ साल कर लंबा बेरा में भी आइज गोटा देस में आदिवासी समुदाय संगे हर बर्ग कर बीच उनके याइद करल जात हे। निश्चित रूप से अइसन प्रेरनादायक बेक्तित्व के सम्मान कर संगे याइद करल जायेक बहुते महतपूर्न बात आहे।

रांची जिला कत बिभिन्न अंचल आउर परखंड कार्यालय में जनता दरबार कर आयोजन

मिललक त्वरित समाधान, बिभिन्न अंचल में सैकड़ों आवेदन कर निस्पादन

प्रमाण-पत्र निर्गत करेक से लेइ के दाखिल-खारिज मामला कर भेलक निपटारा

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री कर निरदेस में रांची जिला कर बिभिन्न अंचल आउर परखंड में मंगलवार के जनता दरबार कर आयोजन करल गेलक। जनता दरबार में मिलल सिकायत आउर आवेदन कर त्वरित निस्पादन करते आमजन के आवसक प्रमाण-पत्र, राजस्व संबंधी सेवा उपलब्ध कराल गेलक। बिभिन्न अंचल में सैकड़ों आवेदन कर निस्पादन करल गेलक। जनता दरबार कर

दौरान कई जरूरतमंदमन के तत्काल राहत परदान करल गेलक। सिल्ली अंचल कार्जालय में आयोजित जनता दरबार में सविता देवी के आय प्रमाण-पत्र निर्गत करल गेलक। हुवें कैंसर से पीड़ित एगो आवेदक के आवसक कार्य ले विविध आय प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराल गेलक।

रातू अंचल में 151 गो आवेदन कर निस्पादन करल गेलक। नगड़ी अंचल में 190 गो आवेदन कर निस्पादन करल गेलक। अनगड़ा अंचल में 111 गो मामला कर निस्पादन करल गेलक। खलारी अंचल में 65 गो आवेदन कर निस्पादन करल गेलक, जेकर में 25 गो आवासीय, 14 गो जाति, 18 गो आय प्रमाण-पत्र, 3 गो पारिवारिक सदस्यता आउर 5 गो अन्य मामला कर निपटारा करल गेलक।

सिल्ली अंचल में 64 गो आवेदन कर निस्पादन भेलक। बुंडू अंचल में 45 गो आवेदन कर निस्पादन करल गेलक। नामकुम अंचल में 129 गो मामला कर निस्पादन करल गेलक। राहे अंचल में 119 गो मामला कर निस्पादन करल गेलक। चान्हो अंचल में 94 गो आवेदन कर निस्पादन करल गेलक। जिला परसासन द्वारा आयोजित जनता दरबार कर उद्देस आम नागरिकमन कर समस्या कर स्थानीय स्तर में त्वरित समाधान सुनिश्चित करेक हय। उपायुक्त सउब अंचल अधिकारीमन के निरदेस देइ हयं कि आवल आवेदन कर समयबद्ध निस्पादन करते आमजन के सुगम आउर पारदरसी सेवा उपलब्ध कराल जाए।

छुमुर छुमुर

डॉ लक्ष्मीकांत नारायण बड़ाईक, (तपकरा)

मांगे सेंदुरिया
छुमुर छुमुर
बोले पग के पायलिया
छुमुर छुमुर।। 1।।

सुरतिया लाल पीयर
नयना कजरिया
छुमुर छुमुर
बोले पग के पायलिया
छुमुर छुमुर।। 2।।

नावां भवजी हामर
देखंय तो लजकुरिया
छुमुर छुमुर
बोले पग के पायलिया
छुमुर छुमुर।। ध्रु।।
हाथ में संखा चुरी

नारायण छोट देवर
बड़ा रे मजकिया
छुमुर छुमुर
सुनंय सांझ बिहनिया
छुमुर छुमुर।। 3।।
--*-*-*-*-*

मुद्रक व प्रकाशक नीलम सिंह द्वारा झारखंड वनिता उद्योग एसएचजी के लिए श्याम नगर, गांधी नगर सीसीएल कॉलोनी डीएवी गांधी नगर स्कूल के पीछे, थाना गोंदा, जिला-रांची, राज्य झारखंड-834008 से प्रकाशित एवं शिवा साईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड रातू, काठीटांड़ टेंडर बगीचा के नजदीक, एचपी पेट्रोल पंप, पोस्ट व थाना रातू, रांची, झारखंड-835222 में स्थित प्रिंटिंग प्रेस में मुद्रित। आरएनआई पंजीयन संख्या. **JHABIL/2023/86791**, **संपादक** : नीलम सिंह, **प्रबंध संपादक :** रतनलाल अग्रवाल, **एग्जीक्यूटिव एडिटर :** शिव कुमार सिंह, **स्टेट ब्यूरो हेड :** कुमार राजेश। **फोन नंबर :** 8210640230, 9934166306, **ई-मेल आईडी :** jharkhandwanitaudyog@gmail.com